

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

明. 24 No. 241 नई दिल्ली, शनिवार, जुन 15, 1991/ ज्येष्ट 25, 1913

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 15, 1991/JYAISTHA 25, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अध्यय संकालन के रूप में

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—इवड 3—उप-स्वड (ii) PART II-Section 3-Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालजी द्वारा जारी किए गए संविधिक आदेश और अधिस्थानक Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विशेध अरि न्याय गंत्रालय

(वित्ति कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 मई, 1991

सुचनाएं

का.भा. 1608...नोटरीज नियम, 1956के नियम 6 के अनुसरण प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री चौ. शमं। भड़द्दीन ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्रधीन एक श्रावेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला फरीदाबाद ब्यवसाय करने के लिए। नोटरी ये रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का भाषेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के शीतर निखिन रूप से मेरे पास भेजा आए।

[मं फा. 5 (?8)/91~ न्या]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 16th May, 1991

NOTICES

S.O. 1608.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Ch. Shamimuddin for appointment as a Notary to practise in Faridabad District.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(38)|91-Judl,]

का.चा. 1609--नीटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनसरण में सक्षम प्राधिकारी बारा यह मुजना दी जाती है कि श्री मोहन वहादूर खरानियां ने उक्त पाधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के ब्राधीन एक भावेदन इस यान के लिए दिया है कि उसे कैंथल (हरियाणा) ध्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में निपतित पर किसी भी पकार का अभिक्षा इस नुचना के अकाशन के चौदह दिन के भीतर भे भेरे पात भेजा जाए।

[मं. फा. 5(39)/91-न्याय]

S.O. 1609.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Sh. Mohan Bahadur Kharania for appointment as a Notary to practise in Kaithal (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(39)/91-Judl.]

का था. 1610.—नोडरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनु-सरण में सक्षम प्राधिकारी ढारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बरुण मेहता ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक साबेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे ध्रम्बाला में ध्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का धापेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए

[सं फा: 5(40)/91-न्याय]

- S.O. 1610.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notarles, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Tarun Mehta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Ambala.
- 2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(40) 91-Judl.]

का. या. 1611— नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री थो.पी. गर्ग ने उक्त प्राधिकारी की उक्त नियम के नियम 4 के श्रधीन एक प्रावेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कलनवाली (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आयेश इस सूचना के प्रकाशन के चौंदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5(41)/91----याय]

S.O. 1611—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri O. P. Garg, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kalanwall.

2. Any objection to the appointment of the said person as

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(41)]91-Judl.]

का. श्रा. 1612 — नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी होरा यह सूचना दी जाती हैं कि श्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने उकत प्राधिकारी को उकत नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेटन इस दात के लिए विया है कि उमें (जिला कोर्ट) कु इन्छक्षेत्र ध्यवसाय करने के किए नोटरी के एप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाणन के चौंवह विन के भीतर लिखित एप में मेरे पाम भेजा जाए।

[सं. फा 5(42) 91 स्था.]

- S.O. 1612.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notarles, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Prem Chand Aggarwal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kurukshetra (District Court).
- 2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(42)]91-Judl.]

का. प्रा. 1613.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के प्रनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जातों है कि श्री धार.के. बिविला ने उकत प्राधिकारी को उकत नियम के नियम 4 के प्रधीन एक प्रावेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कैयल (हरि-याणा) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियन्ति पर किसी भी

प्रकार का ग्रापेक्ष इस सूचना के प्रकाशक के चौबह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

> [सं. फा. 5(43) 91-न्याया.] पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 1613.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri R. K. Bindlish for appointment as a Notary to practise in Kaithal (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(43)]91-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

विस्त मंत्रालय (राजस्य विभाग)

महानिदेशक (आथकर छूट) का कार्यालय कलकरता, 4 मार्चे, 1991

भ्रायकर

का. घा. 1614: सबंसाधारण की सूचना के लिये एतर्द्वारा यह प्राधसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/वो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, पैज्ञानिक और भौद्योगिक प्रमुसंधान विभागकी सह्मति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रयति महानिदेशक (ग्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन मैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भूलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलायों का एक वार्षित विवरण प्रश्मेक वितिय वर्षे के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व बौद्योगिक अनुसंधान विभाग, भौद्योगिक भवन, स्यू मेहरील रोड, नई दिल्ली-110016 को भैजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखां की एक प्रति अपनें न्वय ,श्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (श्रायकरछूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व श्रीचोगिक भनुसंधान विभाग, छोर (ग) श्रायकर श्रायुक्त श्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, की प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

फोरबेंस रिसैंच सेन्टर भारमाराम मैनशन ,श्लाट नं. 10 (2रो मंजिन) कनाट प्लेस, मई विष्कि-110001.

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 नक की धवधि के लिये प्रभावी है।

टिष्पणी: संगठन को धनुमोदन की ध्रवधि बडाने के लिये धनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भायकर भायुवन/शायुकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पडता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), जलकत्ता की तीन प्रतियों में भायकर महानिदेशक (छूट), जलकत्ता की तीन प्रतियों में भावेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। यिशोध मामलों में ,जहां भनुमोदित आदेश उप्रकृत सीन माह की समाप्ति पर श्रयवा उदत अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ

हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चाम् यथाणीध्र अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए आविदन करें। अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आविदन-पत्न की 6 अतियां सचिव, वैज्ञानिक और आंबोगिक अनुमंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[सं 38 1/फा. सं. क्षो.जा/ए-:.क्षो.6/फल०/35/(1) (ii)/8७-आ.. कर (छूट) [

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

[Office of the Director General of Income-tax (Exemptions)]

Calcutta, the 4th March, 1991

INCOME-TAX

S.O. 1614.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescsibed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thisty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Directos General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and habilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Forbes Research Centre, Atmaram Mansion, Flat No. 10 (2nd Floor), Connaught Place, New Deihi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases whether order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 381/F. No. DG/ND-6/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

का. मा. 1615. — सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतव्दारा यह प्रिध्स्चित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, भायकर मधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, पैकामिक भौर भौदोगिक अनुसंघान विभाग की सहमित से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के घणीन विहित प्राधिकारी भर्यात् महानिवेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शार्ते पर "संस्थान" प्रवर्ग के धधीन भनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा ।
- (2) पह अपने बैज्ञानिक अनुमंबत्त सबंधी कार्यकर्नापों का एक यार्थिक निवरण प्रत्येक बित्तिय वर्ष के लिये ,प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व आंद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगि गिक भवन, न्यु भेहरीली रोड, नई दिल्ली-110006 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति धवनी-व्यय प्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (भ्रायकर छूट) (ख) सचिव यैज्ञानिक व भौद्योगिक प्रतृत धान विभाग, भौर (ग) आयकर प्रायुक्त भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके भ्रेन्साधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा

संगठन वा नाम

गणेश साइनटिफिक रिमंच फाउनडेशन 64-65, नजफगढ़ रीड, नर्ष विल्ली-110051

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को धनुमोवन की ध्रायध बढ़ाने के लिये धनुमोवन की समाप्ति के तीन माह पूर्व ध्रायकर ध्रायुक्त/ध्रायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से घ्रायकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में घायेदन करने के लिये सुप्ताव दिया जाता है विशेष मामलों में जहां धनुमोदित धादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर ध्रयमा उक्त ध्रवध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन धनुमोदित आवेश प्राप्त करने के पश्चात् ययाशीध धनुमोदन की ध्रवध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए धावेदन-पत्न की 6 प्रतियों सचिव, यैज्ञानिक घीर घीद्योगिक धनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 382/(फा.सं.डी.जी./एन.डी. 13/फल०/35/(1)(ii)/४९-आ. कर (छूट)

INCOME-TAX

S.O. 1615.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescsibed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thisty Five/one/twc) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Directos General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and habilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Ganesh Scientific Research Foundation, 64-65, Najafgarh Road, New Delhi-110015.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Incometax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Incometax/the Director of Incometax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the expiry of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 382/F. No. DG/ND-13/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

का. श्रा. 1616:-सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतव्दारा यह अधिस्चित किया जाता है कि निम्निलिखित संगठन को, श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचित्र, वैज्ञानिक श्रीर श्रीचोगिक अनुसंधान विभाग की सहमित से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी श्रयात् महानिवेशक (श्रायकर छूट) द्वारा निम्निलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के श्रधीन श्रनुमोवित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भारत शेखा रखेगा ।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विकाय वर्ष के लिये, प्रश्येक वर्ष की 31 मई सक, सचिव, वैज्ञानिक व भौगोगिक अनुसंधान विभाग, भौगोगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ती-110016 को भोजेगा ।
- (3) यह प्रत्येव वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-ज्यय. आस्तियों एवं वेनदारियों के विवरण सहित , (क) महानिवंशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व भौधोगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का माम

जयरामबास पटेल साइनटिफिक रिर्सच फाउनकेशन, 56/705, एरोम भ्रपार्टमेंट, नेहर प्लेस, दिल्ली-110019

यह मधिसूचना विनोक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की मर्थाध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को धनुमोदन की धनिध बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेताधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में धावेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेण उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशोध अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन पक्ष की 6 प्रतियो सचिव, दैशानिक और अधिगिक अनुसंक्षान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं 383/फा.सं.ही.ची./एत.ही. 17/कल./35/(1)(ii)/89-अ. सर्(छूट))

INCOME-TAX

- S.O. 1616.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescsibed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/onc/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Directos General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax/Director of Incometax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and habilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Jayramdas Patel Scientific Research Foundation, 56/705, Eros Apartments, Nehru Place, Delhi-110019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 383/F, No. DG/ND-17/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

षायकर

का . आ . 1617. — सर्वेसाधारण की सुचना के लिये एतक्कारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, भायकर अधिनियम, 1961 की जारा 35(पैतीस/एन/बो) की उपधारा(1) के खण्ड (ii) के लिये, सिचन, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात महानिदेशक (भायकर छूट) कारा निम्नलिखित सत्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन भनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक भनुसंधान के लिये प्राप्त धम के लिए एक भलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपत्ते वैशानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक वॉपिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, मचिव, वैशानिक व घोषांगिक प्रमुखंधाम विचाग, प्रौदोगिक भयन, न्यू महरौली रोड, नई विल्ली-110016 की भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून, तक, लेखा-परीक्षित वर्षिक लेखों की एक प्रति धपनी-अयम, भास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (शायकर छूट) (का) सचिव,

के प्रधीन

वैज्ञानिक व घोशोगिक भनुसंश्रान विभाग, घोर (ग) घायकर घायुक्त भायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एमकार्टस हार्ट दन्स्टीटयूट, एंड रिसर्च सण्टर, श्रीखला रोड, नई विल्ला-110025 (भारत)

[सं. 384/फा. सं. की. जी./एम. की.5/1 कल./35 (1) (ii)/89--धा. कर (छूट)]

यह प्रशिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:--संगठन को प्रनुमोधन की प्रवधि बढाने के लिये धनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व ग्रायकर ग्रायुक्त/ग्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पहता है, है, के माध्यम से भ्रायकर महानिवेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिये सुझाव विया जाता है। विशेष मामलों में, जहां भनुमोबित भादेश उपर्युंक्त तीन माह की समाप्ति पर **प्रथ**वा उक्त धविध की समाित के ठीक पूर्व प्राप्त द्वेषा हो, संगठन करने के पण्चात यथाणीझ धनुमोदित धावेश प्राप्त अनुमीदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनु-सम्बन्ध मोदन की प्रवधि बढ़ाने के: की 6 प्रतिया सचिव, वैशानिक भौद्योगिक भनुसंधान विभाग की प्रस्तुत

INCOME-TAX

S.O. 1617.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescsibed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thisty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Escorts Heart Institute & Research Centre, Okhla Road, New Delhi-110025, (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemp-

tions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No_. 384/F. No. DG/ND-5/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

का. था. 1618.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्निलिखत संगठन की, भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/तीक) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये सिचय वैज्ञानिक भीर भौद्योगिक भनुसंधान विभाग की सहमति से भायकर नियम, 1962 के नियम, 6 के भ्राधीन विहित प्राधिकारी अर्थांत् महानिवेशक (भ्रायकर छूट) द्वारा निम्निलिखत गर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग

मनुमोदित किया गयाहै।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक मलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अनने वैज्ञानिक भनुसंधान संगंधी कार्यकलाओं का एक वार्षिक विवरण प्रस्पेक विसीय वर्ष के लिये प्रस्पेक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व भोद्योगिक भनुसंधान विभाग, भोद्योगिक भवन, न्यू मेहरीली रीड़, नई दिल्ली-110016 की भेजेगा)
- (3) यह प्रत्येक वर्ष भी 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों भी एक प्रति अपनी-श्यम, भास्तियों एवं वेनदा-रियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सिवंध, वैज्ञानिक व और्माधिक अनुसंघान विमाण, और (ग) आयकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुतत करेगा

संगठन का नाम

गांक्षीतन इनस्टिट्यूट भाफ स्टाबिज, राजवाट, वाराणसी-221001 दक्षर प्रवेश

सं. 385/का. सं. की. जी. यू.पी. 3/कल . / 35/(1) (iii) 189— मा. कर (छूट)]

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की सबधि के लिये प्रभावी है।

टिपप्णी:--संगठन की अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की संताप्ति के तीन माह पूर्व भायकर प्रायुक्त/पायकर (জুट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पढ़ता के माध्यम से झायकर महानिवेशक (छूट) कलकत्ता प्रतियों में ग्रावेदन करने के लिये सुप्ताव की सीन जहां धमुमोदित है। विशेष भामलीं में, विया जाता की माह समाप्ति तीन माह द्यादेश उपगुरत समाप्ति की उमत भवधि संगठन पनुमोदित घादेश प्राप्त पूर्व प्राप्त हुमा हो, भनुमोदन यथाशीघ प्रभात बढ़ाने के लिए आवबेदन करे। अनुमोदन का अवधि बढाने पद्य की 6 आतियो धावेतन सम्बन्ध मनुसंघान मोद्योगिक मोर वैशानिक विभाग की प्रस्तुत करना है।

INCOME-TAX

S.O. 1618.—It is hereby notitied for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 'Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretasy, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehraui; Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax Director of Incometax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and habilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Gandhian Institute of Studies, Rajghat, Varanasi-221001, Uttar Pradesh.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[F. No. 385/F. No. DG/UP-3, Cal/35(i) lii)/89-IT(E)]

कलकरता, 5 मार्च 1991

आवश्र

का. जा. 1613.—सर्वेसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह प्रशिस्चिन किया जामा है कि निम्निसिखन संगठन की प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा की (35/पैतीस (एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये सचिव वैज्ञानिक और श्रीबोगिक अनुगंधान विभाग की सहमित से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विद्वित प्राधिकारी प्रणीत् महानिदेशक (प्रायकर छूउ) दारा निम्निसित प्राती पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन प्रमुवित किया गया है:

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रकार लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापा का एक वार्षिक विजरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई, तक सन्विब, वैज्ञानिक व भौद्योगिक पन्नधान विभाग, भौद्योगिक भवन, भ्यू मेहरोसी रीड़, नई दिल्ली 110013 की भेजेंगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित धार्षिक ने खों की एक मित पानी-अयय ग्रास्तियों एवं देन सरियों

के विवरण सहित, (क) महानिवेसक (आयकर खूट); (ख) सचिव वैज्ञानिक व भौधोगिक अनुसंघान विभाग, भौर (ग) भायकर आयुक्त भायकर निवेसक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुतत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्द्रल मगोन टुल इनस्टिट्यूट, तुमकर रोड, बैगन्र-- 560022

[बं. 338/हा. वं. को. जो./हे. टा. 91/हन./35/(1) (ii)/90-मा. कर (छ्ट)]

यह भविसूचना दिनाक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक को भवि के लिए प्रभावी है।

टिप्पण: संगठन को अनुमोदन की अविध बड़ों के निये अनुमोदन की समाप्ति
के तीन माह पूर्व आवकर आयुक्त / आयकर निदेशक (छूट), जिन हे
क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर
महानिदेशक (छूट), कलकरता को तीन प्रतिरमों में आवेदन करने
के लिये सुक्षाव दिया जाता है। विशोध मामलों में, जहां मनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त
अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन मनु
मोदित आदेश प्राप्त करने के परवात यथाणीध अनुमोदन की
अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अविध बढ़ाने
के सम्बन्ध में किए गए आवेदन पत्र को 6 प्रतियों सचिय, वैज्ञानिक
और औदोनिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

Calcutta, the 5th March, 1991

INCOME-TAX

S.O. 1619.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in consumer with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Central Machine Tool Institute, Tumkar Road, Bangalore-560022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1994.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months

before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said veried, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 386/F. No. DG[KT-19[Cal]35(1)(ii)]90[IT(E)]

का. था. 1620 - सर्वेगाधाएण की सूचना के लिये एसप्हारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्निलिखित संगठन को, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/री) की उपधारा (1) लिये. सचिय, वैज्ञानिक (ii) श्रनसंधान विमाग **पौ**द्योगिक क्री शहमति नियम, नियम भ्रधीन प्राधिकारी रप्रथीत् महानिदेशक (भ्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखिल "ਜੰਦਪਾਰ" प्रवर्ग के स्रधीन भ्रमुभोदित किया गया है।

- संगटन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- यह अपने वैज्ञातिक अनुसंधान गर्भा कार्य**भ**न्नापी का एक बाखिक विवरण प्रस्येक वित्ती य वर्ष लिये 31, मई हक सिंखव वैज्ञानिक भौषोगिक भन्संधान विभाग **भौ**द्योगिक भवन, मैहरोली रोड़, नई विस्ली, 110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून सक-लेखा--परीक्षित वाषिक लेखों की एक प्रति प्रपत्नी स्पय, घस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (श्रायकर छूट) (ख) मिय, वैज्ञानिक व औदोनिक अनुसंघान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकार निदेशका (छूट) जिनके क्षेद्राधिकार में पड़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

संधाना मेंक्षिकल रिसर्व सोमाइटी, एक्सटेंशन एरिया, मिराज-416410 (एम एस)

यह ऋधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-19**9**1 तक की भविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी ---संगठन की अनुमोदन की श्रवधि खढाने लियेप भन्मोदन की समाप्ति के सीन साह पूर्व द्यायकर प्रायक्त/ भायकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पहला माध्यम महा निवेशक (छूट), कलकत्ता तीन को प्रतियों ग्रावेदन लिये करने सुसाव दिया विज्ञेष मामलों में, जहां भ्रनुनोदित द्मावेश तीन माह की समप्ति पर भ्रथवा श्रवधि की समाप्ति उदत पुर्वप्राप्त हुआ। भनुसोदित आवेश हो, संगठन करने पश्चात् यथाशी घ धनुमोदन भ्रविध बढाने के लिए भायेदन करे। भन् भोगन की प्रविध बढ्।ने सम्बन्ध में किए मावेदनपत्र प्रतियां स∤चत्र, वैशानिक भोर **भौ**द्योगिक भ्रनसंधान विमाग को प्रस्तात मण्यना है।

[सं. 387/फा. सा. फा. पा./एम-44 कला./ 35/(1)(ii)/89-आ.स.(छूट)] INCOME-TAX

S.O. 1620.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of

- clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Sccretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sandhata Medical Research Society, Extension Area Miraj-416410 (M.S.)

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 387/F. No. DG/M-44/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कायक्र

का. मा. 1621.— सर्वेसाधारण की सूचना के लिए एत्स्हारा यह अधिन् सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/बो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक और भौद्योगिक श्रनुमंधान विभाग की सहमति से श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के श्रधीन विहित श्रिधिकारी शर्थात् महा-निवेणक (श्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के श्रधीन श्रनुमोबित किया गया है:—

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंघान के लिए प्राप्त धन के लिए एक भलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व श्रीयोगिक अनुसंधान विभाग, भौद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को मेजेंगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून कर, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति भ्रपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण महित (क) महानिदेशक, (भ्रायकर छूट), (ख) सिचय, पैज्ञानिक व श्रीसोगिक अनुगंधान विभाग, श्रीर (ग) श्रायकर श्रायुक्त/ श्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वसरत वादा सुगर इन्स्टीट्यट, (भूतपूर्व डेकन सुगर इन्प्रट,ट्यूट), मंजरी (बी.के.)-412307 ताल हवेली, पुणे-412307 (एमएस.). यह भविसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की भविभ के लिये प्रभावी है।

टिप्पणीः संगठन को अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिये अ मुमोदन की समाप्ति के तीन पाह पूर्व आयकर आयुक्त आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदिन आवेश प्राप्त करने के पण्चात् यथाणीझ अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अविध बढ़ाने के सम्यन्ध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचित्र, वैज्ञानिक और आद्योगिक अनुमंद्रान विभाग को प्रस्तुत करन। है।

[सं. 388 / फा.सं. की.जी. एम-51/कल. 35/(1)(ii)/89 भा.कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 1621 —It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax/Director of Incometax (Exexptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Vasantdada Sugar Institute, (Formerly-Deccan Sugar Institute) Manjari (BK)-412307, Tal-Haveli. Pune-412307 (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval should be sent directly after the receipt of the erder of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 388/F. No. DG/M-51/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

art of E.J

का. आ. 1622---सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्द्वारा यह मधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, भ्रायकर भिधिन्यम, 1961 की धारा 35 (पैतीस एक दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिचव, वैज्ञानिक भीर भौद्योगिक भनुसंधान विभाग की सहमति से, भ्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भधीन विहित प्राधिकारी भर्यात् महानियेशक (भ्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गतीं पर "संस्थान प्रवर्ग के भधीन भन्नमीदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिए एक श्रवा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रनुसंद्यान संबंधी कार्यकलापों का एक बार्थिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई सक, सचिव, वैज्ञानिक वधीद्योगिक प्रनुसंद्यान विमाग, ग्रीद्योगिक भवन, स्यू महरीली रोड, नई वल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून, तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, भ्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिहत, (क) महानिदेशक (ग्रायकर छट), (ख) सेचिव, वैज्ञानिक व ग्रौद्योगिक भ्रनुसंधान विभाग, ग्रौर (ग) प्रायकर प्रायुक्त / भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का माम

भाई रिसर्च सेंटर, 13, कथें ड्रल रोड, मद्रास-600086

यह म्रधिसूचना दिनोक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की भवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणः संगठन को भनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भायकर आयुक्त/भायकर निदेशक (छूट), जिनके के जाधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से भायकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में भावेदन करने के लिये मुझाब दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदिन भावेस उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त भवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन भनुमोदित आवेश प्राप्त करने के पण्चात् यथाशीध्र भनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए मावेदन करें। अनुमोदन की भवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए भावेदन पत्र की 6 प्रतियों सचित्र, विशानिक भीर भौग्रामिक भनुमंद्यान विभाग को प्रमुत करना है।

 $[\ddot{H}: 389/\text{फा.सं. ही.जी. } \dot{c}$ ीएन-22/फल. 35(1)(ii)89-प्रा.कर(छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 1622.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one (two)) of the Incometar, Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Return Technology Bhawan', New Mohrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Sccretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Eye Research Centre, 13, Cathedral Road, Madras-600086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 389/F. No. DG/TN-22/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

का आ. 1623—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्निस्थित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहसनि से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहिन प्राधिकारी अर्थान् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्निलिखन णर्नी पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुसोदिन किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त घन के लिए एक प्रालग लेखा रखेगा।
- (2) यह भ्रपने वैज्ञानिक भ्रतुमधान सबधी कार्यकलायों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विश्वीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक भ्रमुसंधान विशास, भौद्योगिक भवन, त्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रपती-स्थय ग्रास्मियों एव देनदारियों के विवरण सिहत (क) महानिदेशक (ग्रायकर छूट) (ख) सिषव, वैज्ञानिक व ग्रीद्योगिक ग्रनुसक्षान विभाग, भौर (ग) ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रायकर निदेशक (छूट) जिनके श्रीद्याधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुतत करेगा।

संगठन का नाम

श्री भ्ररविन्द भ्राश्रम ट्रस्ट, पो.भ्रा —-श्री भ्ररविन्द भ्राश्रम, पाण्डिनेरी-605 002

यह ग्राधिसूचना दिनांक 1-1-1990 में 31-3-1991 तक की ग्रवधि के लिये प्रभावी हैं।

टिप्पणी: संगठन को अनुभोदन की अर्वाध बढाने के लिये अनुभोदन की समाध्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पश्ता है, के साध्यम से आयकर महानिदेशक (ठूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामनों मे, जहां अनुमोदिन आवेश 1441 GI/91—2.

उपर्युक्त तीन माह् की समास्ति पर प्रथम उक्त धर्मध की समास्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, सगठन धनुमोदित भादेण प्राप्त करने के पण्चान् यथाशीध धनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए भावेदन करें। धनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्न की 6 प्रतिया सचिव, वैज्ञानिक और भौद्योगिक धनुमंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 390/फा.सं. डीजी/पड-3/कल./35 (1)(ii) 89-म्न .कर(छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 1623.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities,

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Ashram Trust, P.O. Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry-605002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 390/F. No. DG/Pond-3/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)],

आयकर

का. था. 16 24 --सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्द्वारा यह प्रधिसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(पैनीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड(iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक भौर घौद्योगिक प्रनुसंधान विभाग की सहमति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रधान महानिदेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्नलिखिन शर्नों पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन प्रनुमोदिन किया गया है:

(1) संगठन वैज्ञानिक प्रन्गंघान के लिये प्राप्त धन के लिए एक भूलग लेखा रखेगा।

- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलायों का एक वार्षिक विधरण प्रत्येक वर्ष के लिये, वि क्तंत्र वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, संविध, वैज्ञानिक व मीधोगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड, मई विल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रस्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, भ्रास्तियों एवं देनदः रियों के विवरण रुद्धित, (क) महानिदेशक (भ्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैभ्रानिक व भीधोणिक अनुसंधान विभाग, भौर (ग) भ्रायकर प्रायुक्त भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को भ्रम्तुत करेग.।

संगठन का नाम

श्री धरिवन्य इन्टरनैशनल इन्टीट्यूट भाषः एड्केमल रिसर्च, भरोविला, कोट्टाकुप्पकम, तामलिनाड-605104

यह प्रधिस्चना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिए प्रभावी है।

टिप्पणीः रांगठन कां अनुमोदन की अविधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयेदम करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीझ अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पद्य की 6 प्रतियां सिविव, वैज्ञानिक और आवेगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 391/फा.सं. बी.जी./टो एन/कल./35(1)(iii)/89-मायकर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 1624—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/three) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exexptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo International Institute of Educational Research, Auroville, Kottakunpam, Tamil Nadu-605104. This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval, Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 391 (F. No. DG/TN-8/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)] कलकता, 7 मार्क, 1991

आयकर

का. था. 1625.—सर्बसाधारण की सूचना के लिये एतब्द्वारा यह प्रिप्तसूचना किया जाता है कि निम्नलिखत संगठन को, भायकर प्रिप्तियम, 1961 की घारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव, वैज्ञानिक भीर भौशोगिक भनुसंधान विभाग की सहसति से, भायकर नियम, 1962 के नियम, 6 के भ्रषीन विहित प्राधिकारी भ्रषीत महानिदेशक भायकर खूट द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर संस्थान प्रवर्ग के भ्रधीन भनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के शिग्र प्राप्त धनके सिर् एक भालग लेखा रखेगा।
- (2) यह भपने वैज्ञानिक मनुसंधान संबंधी कार्यकलायों का का वाविक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष प्रत्येक सचित्र, वर्षकी 31 मई। त्क, मौद्योगिक मन्संधान विभाग, भौधोगिक मैहरोली रोड़, नई दिल्ली-110016. को भेजेगा।
- (3) यह भी 30 जुन सक, लेखा परीक्षित वाविक लेखा एक प्रति धपनी-स्यय एवं वेनवारियों **विव**रण सहित, (क) महानिदेशक मायकर (ख) सचिव, वैज्ञानिक व ग्रौद्योगिक ग्रधु-विभाग, भौर (ग) भागकर भायुक्त भागकर संधान मिदेशक (ਚੁਣ जिनके क्षेत्राधिकारी में पडता है, को प्रस्तुत करेगा।

मंगठन का माम

प्राप्तिम मेडिकल रिक्षचं इन्स्टीट्सूट, बिरला ग्राम-456331 नागदा- (एम.पी.)

यह मिधसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविधि के लिए प्रमाणी है।

टिप्पणीः संगठन को मनुमोदन की प्रयक्ति बढ़ाने के लिये प्रमुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायुक्त प्रायक्तर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्रिप्तिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में प्रावैदन करने के लिए सुझाव विया जाता है। विशेष मामलों में, जहां धनुमोदित प्रावेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथवा उक्त धविष्ठ की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन धनुमोदित प्रावेश प्राप्त करने के प्रशास ययाशीछ प्रमुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए धावेदन करें। प्रमुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए धावेदन करें। प्रमुमोदन की प्रविध सहाने के लिए धावेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैशानिक प्रोर प्रोपोगिक प्रमुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[सं. 392/फा.सं.की.जी./एम.पी 1/कल. 35/(1)(ii) 89-मा.कर(छूट]

Calcutta, the 7th March, 1991 INCOME-TAX

S.O. 1625.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its aud ted annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Grasim Medical Research Institute, Birlagram-456331, Nagda (M.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-199 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Ducctor General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six capies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 392/F. No. DG/MP-1/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)] आवकर

का. भी 1620~सर्वसीघारण की सूचना के लिए एतदझारा यह भिन्नसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन की, भायकर भिन्नित्यम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, सचित, वैज्ञानिक भीर भौधोगिक भनुसंघान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भधीन विहित प्राधिकारी भर्षात महानिदेशक (भायकर खूट) हारा निम्नलिखित शतौं पर "संस्थान" प्रवर्ग के भधीन भनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक मनुसंघान के लिए प्राप्त धन के लिए एक मलग लेखा रखेगा।
- (2) यह भाने वैज्ञानिक भनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वाधिक विवरण प्रत्येक विक्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिब, वैज्ञानिक व भौद्योगिक भनु-संघान विकाग, औद्योगिक भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ध की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित नार्षिक लेखों की एक प्रति भ्रवनी-अपय, भ्रास्तियों एवं वेनदारियों के विचरण, सहित, (क) महानिदेशक (भ्रायकर सूट) (ख) सनिव

वैकानिक व भौधोगिक भनुसंघान विभाग, भीर (ग) मायकर प्रायुक्त मायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वें इन्स्टीटपूट भाफ चार्टर भकाउन्टेट भाँक इण्डिया, पीस्ट बाक्स नं .-7100, इन्डाप्रस्थ मार्ग, नई विस्ली-110002

यह प्रशिक्षचना विनांक 1-4-,990 से 31-3-1991 तक की नविने के लिए प्रभावी है।

टिप्पणीः संगठन की अनुमोदन की अविध बढ़ाते के लिये अनुनोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर आयुक्त प्रायकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पहता है, के माध्यम से प्रायकर महः- निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिये सुक्षाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां भनुमें,दित भादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथना उक्त प्रविध की समाप्ति के डोक पूर्व प्राप्त हुआ हाँ, संगठन भनुमोदिन श्रावेश प्राप्त करने के परसात यथाशीद्र अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन को प्रांते दहां। के सम्बन्ध में किए गए प्रावेदन-पद्म की उपतियां सचिव, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुस्थान विभाग की प्रस्तुस करना है।

[सं. 393/(फा.सं. डी.जी. एन.जीएन, डां, 46/कल/35/ (1)(iii)/90/आ, कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 1626.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It yill furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Denartment of Scientific & Industrial Research "Iechnology Bhawan', New Mehrauli Road, New Deihi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- and
 (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exexptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institute of Chartered Accountants of India, Post: Box No. 7100, Indraprastha Marg, New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the

expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 393/F, No. DG/ND-46. Cal/35(1)(iii)/90-IT(E)] आयक्ष

का.भा 1627. — सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतदबारा यह अधिमूचिन किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 35(पैतीस/एक/वो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिय, जिज्ञानिक भीर भौद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहसति से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भ्रधीन विहित प्राधिकारी भ्रधीत सहर्गनिदेशक (श्रायकर क्रिय हुट) द्वारा निम्नलिखित णर्ती पर "संघ प्रवर्ग के भ्रधीन श्रनुमोदत किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपत्ने वैज्ञानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यकलापें का एक वाधिक विवरण अत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व ग्रीधोशिक अनुसंघान विभाग, ग्रीधोशिक भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा-परीक्षित विधिक लेखों की एक प्रति भपनी-कथय भास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक भायकर, (छूट) (ख) सिंवत, वैभानिक य भौद्योगिक भनुसंधान विभाग, भौर (ग) भायकर, आयुक्त भायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पृष्ठता है, को प्रस्तुस करेगा।

संगठन का नाम

मैशनल ऐग्रिकल्बरल एण्ड साइन्टिफिक रिसर्च फाउण्डेशन, 23/24, राधा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता-700001

यह प्रशिक्षसूचना दिनांक 1-4-1990 से 3-3-1992 नक की अविधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणीः संगठन को अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आगकर आगुक्त/आगकर निदंगक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पक्ता है, के माध्यम से आगकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेवन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उर्षर्यु को तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के प्रकात यथाशीध अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अमुबोदन की अविध बढ़ाने के सम्यन्ध में किए गए आवेदन-पन्न की असिवां सच्चित, वैज्ञानिक और धोबोगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 39 4/फा.स.**डीजी/ड**रूयू.बी-15/कस/35 (i) (ii) 89-माकर(छूट)]

S.O. 1627—It is hereby notified for general information S.O.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/une/two) of the Incometax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of

Scientific & Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exceptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and habilities,

NAME OF THE ORGANISATION

National Agricultural & Scientific Research Foundation, 23/24, Radhabazar Street, Calcutta-700001

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Fxemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 394/F, No. DG/WB-15/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)][†]

कलकना, 11 मार्च, 1991

भ्रायक र

का. आ. 1628 — सर्वनाघारण की सूचना के लिये एतक द्वारा यह अधि-सूचिन किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन की, भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचित्र, दैज्ञानिक और बौद्योगिक अनुस्थान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थान महानिवेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्नलिखिन गर्नों पर 'मस्थान प्रवर्ग के अधीन अनुमोदिन किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्धिक विवरण प्रत्येक वित्तिय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 3.1 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व प्रीद्योगिक प्रनुसंधान विभाग प्रीद्योगिक भवन, स्यू भेहरीली रोड, नई दिल्ली-110016. की भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वर्षिक लेखा की एक प्रति अपनी-व्यय, प्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक (श्रीयकर छूट) (ख) सनिव वैका-निक, व श्रीयोगिक श्रनुसंधान विकान और (ग) प्रायकर भ्रायुक्त/भ्रायकर ,निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

मंगठने का नाम

डालिमिया इनस्टिटयूट श्राफ सांडन्टिफिक एण्ड इण्डस्ट्रियल रिसेंच, राजगोर्गपुर-770017

जिला-स्कारगढ (भोडिसा)

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-,1990 से 31-3-1991 तक की प्रविधि के लिए प्रभावी है। िपणी:—मंगठन को धनुमोदन की धविध बहाने के लिये धनुमोदन की ममानि के तीन माह पूर्व ध्रायकर धायुक्त/ध्रायकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में सगठन में पहता है, के माध्यम में ध्रायकर महानिवेशक, (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में ध्रावेदन करने के लिये मुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां ध्रनुमोदित ध्रादेण उपयंक्त तीन माह की समाप्ति पर ध्रयथा उक्त ध्रवधि की समाप्ति के टीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन ध्रनुमोदित आदेण, प्राप्त करने के पण्चात् यथायीध्र ध्रनुमोदित आदेण, प्राप्त करने के पण्चात् यथायीध्र ध्रनुमोदन की ध्रवधि बढ़ाने के लिए ध्रावेदन करे। ध्रनुमोदन की ध्रवधि बढ़ाने के संयंध में किए गए ध्रावेदन-पक्त की 6 प्रतियां सिव्यं वैज्ञानिक ध्रीर ध्रीद्योगिक ध्रनुस्थान विभाग की प्रस्कृत करना है।

 $[\dot{q}_{1}, 395/41, \dot{s}_{1}, \dot{g}_{1}, \dot{s}_{1}] = 1/46 \dot{q}_{1}/35/(1)(ii) 89-श्रा.कर (छूट)]$

Calcutta, the 11th March, 1991

INCOME-TAX

S.O. 1628.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (1) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mchrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exexptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and fiabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Dalmia Institute of Scientific & Industrial Research, Raygangpur-770017, District Sundergarh (Orissa).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation whree months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months atoresaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 395/F. No. DG/O-1/Cal/35(1)(ii)/89-[T(E)]

का. आ. 1629 — गर्वमाधारण की सूचना के लिये, एनदहारा यह श्रीध सूचना किया जन्म है कि जिस्मालियित संगठन को, स्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (पुनीम/एक/दो) की उपधीस (1) के खण्ड (ii)

अ।यकः र

के लिथे, राजिब, वैज्ञानिक भौर भौधांगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, भाषकर नियम, 1962 के नियम 6 के भधीन विहित भाधिकारी श्रयात् महानिदंशक (भायकर छूट) द्वारा निम्नालिखन मशी पर "संस्थान" प्रवर्ग के भ्रधीन अनुमोदित किया गया है —

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंघान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रमुख लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुमंत्रान नंत्रधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विभिन्न यप के लिये, प्रस्येक पर्ध की 31 मई लक, सचिव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक अवस, न्यू मेब्र्शैली रोड, नई दिल्ली-110016. को भैजेगा।
- (3) यह प्रस्थेक वर्ष की 30 जून तक लेखा-गरीकित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रपत्ती व्यय, प्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (फ) महानिदेशक (प्रायक कट्ट) (ख) सचिव, वैशा-तिक व औद्योगिक अनुसर्भान विभाग, धीर (ग) प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छ्ट) जिनके क्षेत्राधिकार में एड्ता है, की प्रस्तान करेगा।

सगठन का नाम

बिरला िसर्च बन्स्टिट्पृट फार सप्पादन सार्देन्स, बरिलाग्राम-456331, नागदा, मध्य प्रटेग

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-1-1990 ने 31-3-1991 तक की श्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी'—-संगठन को अन्मोदन की अविध अहाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भागकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पहला है, के गाध्यम में भागकर महानिवेशक (छूट) कलकला को तीन अलियों में आयेवन करने के लिये गुझाव दिया जाता है। विशेष गावलों में, जहां अनुसादित आदेण उपर्युक्त तीन नह की समाप्ति पर अलवा उपत अर्थाध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हों, संगठन अनुसोदित आदेश प्राप्त करने के पक्तान् गया-गांच अनुसोदन की अविध कहाने के लिए आवेदन करें। अनुसोदन की अविध कहाने के संबंध में किए गए आवेदन-पक्ष की 6 प्रतियों गांचव, वैशानिक भीर औंथोंगिक अनुसंधान विशाग की प्रस्तुन करना है।

[भं 396 (फा.स.बा.आ/एक.पा.-1] कल./35/(1)(ii)/90-आ.कर. (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1629.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and

(c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisations, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Research Institute for Applied Sciences, Birlagram-456331, Nagda, Madhya Pradesh.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said neriod, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 396 (F. No. DG|MP-2|Cal|35(1)(ii)|90|IT(E)]

आयकर

का. प्रा. 1630 — सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्हारा यह प्रश्निस्थित किया जाता है कि निम्निलिखित संगठन को, प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतींस/एक/दो/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, मचिव, वैज्ञानिक भौर श्रीद्योगिक भनुसंधान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भ्रधीन विहित प्राधिकारी भ्रषांत् महानियेगक (भायकर छूट) द्वारा निभ्निलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" प्रवर्ग के भ्रधीन भनुभीदित किया गया है।

- (1) संगठम वैज्ञामिक प्रनुसंघान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भ्रालग नेका रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंघान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, व्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रपनी व्यय, म्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेणक (ग्रायकर छूट) (ख) सविव, वैज्ञानिक व ग्रीशोगिक मनुसंघान विभाग, भीर (ग) ग्रायकर आयुक्त/ ग्रायकर निवेणक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजरात एक्रिकल्चरल यूनिवर्सिटी, सरदार कुशिनगर-385506 जिला वाममकंषा (गुजरात)

यह प्रधिसूचना विनोक 1-4-1989 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: मंगठन को अनुमोदन की प्रविध बहुन के लिये अनुमोदन की प्रविध बहुन के लिये अनुमोदन की प्रविध कहाने के लिये अनुमोदन की प्रविध अप्रवृद्ध के साध्यम (खूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदंशक (खूट) कलकमा को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, अहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति

पर प्रथवा उक्ल प्रविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन प्रनुमोदित प्रादेण प्राप्त करने के प्रश्वात यथाशोझ प्रनुमोदन की प्रविध बंदाने के लिये धावेदन करें। प्रनुमोदन की प्रविध बदाने के संबंध में किए गए प्रावेदन-पत्त की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक धौर धौद्योगिक प्रनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[सं. 397 (फा.सं. की.जी./जी-40/कल./35/(i)(ii)/90-मा कर(छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1630.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) basing jur science over the organisations, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Agricultural University, Sardar Krushinagar-385506, Dist-Banaskantha (Gujarat).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is adviced to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 397/F. No. DG/G-40/Cal/35(1)(ii) 90/IT(E)]

अ।यक्षर

का. प्रा. 1631.—सर्वमाधारण भी सूचना भे लिये एतद्द्वारा यह प्रधिमृचिन किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (iù के लिए, सचित्र, वैज्ञानिक और धौधोगिक अनुसंधान विभाग भी सहमति भे, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधोन विहित प्राधिकारी अर्थान महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शहीं पर "संस्थान" प्रधर्ग के अधीन धमुमोदित किया गया है:

(1) संगठन वैज्ञानिक भनुसंघान, के लिये प्राप्त धन के लिये एक भलग लेखा रखेगा।

- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रतुम्धान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, मिवव, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, मई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, भ्रास्त्रियों एवं देनवारियों के विवरण सिंहत, (क) महानिदेशक (श्रायकर छूट) (ख) मिचव,वैज्ञानिक व श्रीधोगिक प्रनुसंधान विभाग, शौर (ग) भ्रायकर श्रायुक्त/भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डेकसपीन रिर्सच फाउनडेशन, 9/543, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, इचलकरणजी-416115, जिला-कोल्हापुर (एम.एस.)।

यह श्रिधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-4-1991 तक की भविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोबन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोबन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेणक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेणक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आयेवन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात सथायोध अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संग्रंध में किए गए आवेदन पन्न की अर्तियां सचिव, वैज्ञानिक और श्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 398 (फा.सं. डी.जी. /एम-117/कल / 35/(1)(ii)/90-भा.कर(छूट) ब

INCOME TAX

S.O. 1631.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisations, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Decospin Research Foundation, 9|543, Industrial Estate, Ichalkaranji-416115, Dist.-Kolhapur (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-taxithe Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 398 (F. No. DG]M-117|Cal|35(1)(ii)|90|IT(E)]

कलकसा, 13 मार्च, 1991

आयकर

का.चा. 1632.— सर्वेसाघारण की स्थाना के लिये एनद्शारा यह प्राविस्चित किया जाता है कि निस्तितिखत संगठन को, प्रायक्तर प्रधिनियम 1961 की घारा 35 (पैतीस/एक/बो) की उपघारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचित्र, बैज्ञानिक धौर घौचोगिक घन्संघान विभाग की सहमति से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विजिन पाषिकारी धर्यान सहानिदेशक (धायकर प्रृट) द्वारा निस्तिचित्रन णार्नी पर "संघ" प्रथां के सधीन श्रनुमोदित किया गया है:

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंघात के लिये प्राप्त श्रन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक घनसंधान मंदंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक जिल्लीय वर्षे के लिये, प्रत्येक वर्षे की 31 मई तक, संखिव, वैज्ञानिक व बौद्योगिक धन्तंत्रात विभान, प्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिण्यो-119916 की भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखां की एक प्रति अपनी व्यय, ग्रास्तियों एवं देनवारियों के विवरण महित, (क) महानिदेशक (ग्रायकर छूट) (ख) मिषव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक ग्रनुसंघान विभाग, भौर (ग) भ्रायकर भायुक्त/ ग्रायकर निदेशक (छूट) जिनके भेनापिक में पहना है, को प्रस्त करेगा।

संगठन का नाम

जवाहर लाल नेहरू मेंटर फार मङ्गान्पृष्ट माइनटिफिक रिसर्ज, इन्डियन इंस्टिट्यूट माफ साइन्स कम्पाम, बंगसूर-560012 ।

यह भश्रिमूचना दिनांक 5-4-1991 से 31-3-1991 तक की श्रविष्ठ के लिमें प्रभावी है।

दिप्पणी:— संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाते के निरे प्रतमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आपकर प्रापृक्त/आपकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में मंगठन में पड़ता है, के माडवम से आयकर महानिवेशक (छूट), कत्रकला को तीन अनियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। तिशेव मामणों में, जहां अनुमोदित आदेण उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पण्चात् यथाशीझ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के निष् आवेदन करें। प्रनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। प्रनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्न की 6 प्रतियां सिवा, वैज्ञानिक भीर भौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 399 फि.सं. डी.जी./के.टी.30/कल./35/(i)(ii)/90-फ्रा.कर (छूट)]

Calcutta, the 13th March, 1991

INCOME TAX

- S.O. 1632.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisations, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research.

Indian Institute of Science Campus, Bangalore-560012.

This Notification is effective for the period from 5-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 399 (F. No. DG|KT-30|Cal|35(1)(ii)|90|IT(E)]

आयकर

का.श्रा. 1633 — सर्वभाधारण की सूचना के लिये एनद्द्वारा यह प्रधिसूचना किया जाता है कि निम्निशिक्षत गठन को, श्रायकर श्रिष्ठितियम 1961 की श्राय 35 (पैनील/एस/तीन) की उपधारा (1) खण्ड के (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक श्रौर श्रीद्योगिक श्रन्थंधान विभाग की सहमित से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के श्रिष्ठीन विद्वित प्राधिकारी श्रर्थात् महानिदेणक (श्रायकर छट) हारा निम्नलिखित णर्थी पर "संस्थान" प्रवर्ग के श्रिष्ठीन श्रमुमोदिन किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंघान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह ध्रपने वैज्ञानिक अनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक अनुसंघान विभाग, भौधोगिक भवन, भ्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भैजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक' लेखा परीक्षित वार्षिक लेखीं की एक प्रति प्रपत्नी त्यय, प्राम्मियों एवं देनदारियों के विवरण सिहत, (क) महानिदेशक (ग्रायकर छूट) (ख) मिवव, वैशानिक/ व प्रौद्योगिक घनुभंधान विभाग, घीर (ग) घायकर घासुका/ धायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेवाधिकार में पश्ता है, को प्रस्तुन करेगा।

संगठन का नाम

दि नुषुस्वामी शास्त्री रिसर्च इंग्टीन्स्ट, 84. ध्रु वी का रोड, माइलागोर, मदास-600004 ।

यह प्रधिसूचना दिनांक 9-11-1990 में 31-3-1992 तक की प्रविधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:— मंगरत को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर मिटेणक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पढ़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयेदन करने के लिये गुआव दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुभोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के रीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, गंगरून अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पण्लान यथाजीहा अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करें। अनुभोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 अतियों सचिव, वैज्ञानिक और आदेशिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुन करना है।

[सं. 400 (फा.सं. धी.जी./टी.एन.-41/कल./35(i)(iii) 90 **मा**.कर (छुट)]

INCOME TAX

- S.O. 1633.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director, Ceneral of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liab.lities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Kuppuswami Sastri Research Institute, 84. Thru Vi Ka Road, Mylapore, Madras-600004.

This Notification is effective for the period from 9-11-1990 to 31-3-1992,

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta

thrigh the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 400/F. No. DG/TN-41/Cal/35(1)(iii)/90/IT(E)]

आदकर

का. शा. 1634.— मर्बमाधारण गी मुक्ता के लिये एनदशर यह आधमुक्ता किया जाता है कि निम्तिलिखित संगरत को, धायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पॅनीम/एक/दो) की अपधारा (i) के खाड (ii) के लिये, सचिव, वैकालिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति में, आयकर नियम, 1962 के नियम ह के बाधीन विहित प्राधिकारी धर्यानू महानिदेशक (बायकर छूट) शारा निम्मिलिखिन भनों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन धनुभोदिन किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुमंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक धनग लेखा रखेगा।
- (२) यह शयने अँकानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक वित्रपण प्रत्येक विश्वीय वर्ष के लिये, प्रयेक वर्ष की 31 मई तक, समित्र, वैधानिक व शौधोगिक प्रनुसंघान विभाग, शौधोगिक भवन, न्यू मेहरीली शेड, नई विल्ली-110016 की ग्रेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी त्यय, अस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (श्रायकर छूर) (क) मिलव, वैकानिक व श्रीणीयिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर प्रायकर प्रायकर श्रीणीयिक उन्हें की प्रतिके क्षेत्राधिकार में पहना है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पी जे. इंस्टीउपूट फार कार्डिको पुलमोनरी एंक्ट भलाइड मेनिसन, खसरानं 788, कार्दिपुर,

विरुली-110036 ।

यह प्रधिसूचना दिनोकं 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की सम्बद्धि के नियं प्रभावी है।

टिप्पणी :— संगठन की प्रमुसोवन की प्रविध बढ़ाने के लिये प्रमुसोदन की समापित के मीन साल पूर्व धायकर प्रायुक्त /प्रायकर निदेणक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के गाध्यम से सावकर महानिवेशक (छूट), कलकता की तीन प्रतियों में धावेशन करने के लिये मुसाव विश जाना है। विशेष सामलों में, जहां प्रमुसोधित आरोण उपर्युक्त तीन साह की समापित पर श्रथवा उकत अवधि की समापित में तीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुसोधित आरोण अपापित में तीक प्रया यथातील अगुमोबन की सवधि बढ़ाने के लिये आयेशन करें। धनुमोबन की प्रविध बढ़ाने के लिये आयेशन करें। धनुमोबन की प्रविध बढ़ाने के संबंध में किप गए आयेशन पत्र की उपनित स्वीप में किप गए आयेशन कर की हिमान की प्रविध बढ़ाने के संबंध में किप गए आयेशन कर की स्वीप स्वाप्त करना है।

[मं. 101/फा सं. डी. जी.एन.डी.-45/कला/ 35(i) (ii) 90-ग्रा.कर (छट)]

INCOME TAX

S.O. 1634.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of

Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The rganisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

P. J. Institute for Cardio-Pulmonary and Allied Medicine, Khasra No. 798, Kadipur, Delhi-110036.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta thrugh the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesold or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly, to the Secretary. Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 401/F. No. DG/ND-45/Cal/35(1)(ii)/90/[T(E)]

क . श्रा. 1635.— मर्जनाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह स्रिध्यमा किया जाता है कि निस्तिक्षित संग्रम ऐ, प्रायकर घर्षिन्तियम 1861 की धारा 35 पॅनीस/एक/वो) की उपधारा (i) के कण्ड (ii) के लिये, सचिव वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक धनुमंद्रान विभाग की सहमति से. आप्रकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विभिन्न प्राधिकारी प्रयोग महानिवेशक (धायकर छूट) द्वारा निस्तिलिख शर्भों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन धनुमोदिन किया गया है।

- (1) गंगटन नैनानिक अनुसंघान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लखा ग्लोग।
- (२) यह प्रपत्ते वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबंधी कार्यकथापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्षे के लिये, प्रत्येक वर्षे की 31 मई नक, सचिव, वैज्ञानिक व धौधीनिक धनुसंधान विभाग, धौधोगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्पी-110016 को केजेगा !
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वाकि लेखां की एक प्रति प्रापनी त्याय, आस्तियों एवं देनदारियों के दिवरण सिंहन, (क) महानिवेशक (आपकर छूट) (ख) संविध, वैशानिक प्र धीष्टोगिक प्रश्नुमधान विभाग, और (ग) भायकर मायुक्त/सायकर निदेशक (छूट) जिनके श्रीद्राधिकार में पढ़ना है, को प्रस्तुन करेगा।

संगठन का साम

धि बास्त्रे टैक्पटाइन्स रिसंग्रे एसीसिएशन. लाश बहाइर शास्त्री मार्ग, थाट कीपार (वेस्ट). सम्बर्ट-4000861

यह मधिसूचना विकास में तक की प्रविध के लिये प्रभाषी हैं।

टिप्पणी — संगठन को प्रभुसोयन की प्रविध बहाने के लिये सन्मोवन की समारित के तीन माह पूर्व धायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (कूट), जिनके केबाधिकार में संगठन में पढ़ता है, के माध्यम से धायकर महानिवेशक (कूट), कलकता को तीन प्रतियों में धायेकन करने के लिये मुझान विया जाता है। विशेष मामलों में, जहां प्रमुसोवित धायेक उपर्युक्त तीन माह की सभारित पर प्रयुवा उक्त ध्रविध की समारित के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन प्रवृत्तोवित धायेक प्राप्त करने के पण्जान यथाणीझ प्रमुसोवन की ध्रविध बढ़ाने के लिए धावेदन करें। प्रमुसोवन की ध्रविध बढ़ाने के लिए धावेदन करें। प्रमुसोवन की ध्रविध बढ़ाने के संबंध में किए गए धावेदन-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैक्रानिक धीर श्रीधोगिक धनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 402 /का.सं. श्री.जी. एम-79/कल. 35(i)(ii)/89-स कर (कुट)

INCOME TAX

S.O. 1635.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Bombay Textile Research Association, Lal ahadur Shastri Marg, Ghatkoopar (West). Bombay-400086.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (In triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as rossible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 402/F. No. DG/M-79/Cal/35(1)(ii)/90/IT(E)]

क्रम्बर्गा 14 मार्च 18म १

भागकर

का.मा. 1636. सर्वसाधारण के. सूचना के लिये एतद्वारा यह मधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिबित संगठन की, म्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/नीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, मचिव, वैज्ञानिक भंदर श्रीशोगिक धनुसंधान विभाग की सहमति से, स्रायकर नियम, 1862 को नियम 6 को अधीन विहित प्राधिकारी अर्थीत् महानिवेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्नलिबित सं गर्तो पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैक्रानिक धनुसंधान के तिये प्राप्त बन के निया एक अलग लेखा रचीया ।
- (2) यह प्रपने वैक्वानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यक्र नापों का एक बार्षिक विवरण प्रत्येक विश्वित वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैक्वानिक व औद्योगिक प्रनुसंग्रान विभाग, औद्योगिक प्रयन, क्यू मैहरौली रोड, मई दिल्ली-110016 को पेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, ब्रास्तियों एवं देवदारियों के बिवरण महित, (क) महानिदेशक (ब्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, और (ग) ब्रायकर आयुक्त/भायकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में पहना है, को प्रस्तुत करेगा ।

मंगठन का नाम

पैन एशियाम भैनेजमेस्ट फार करन रिसर्च प्रगतिशङ्क्षेणन, 3 सी/22, रोहसक रोड, नई विस्ली-110005

यह मधिसूचना विनांक 1-4-1990 में 31-3-1991 तक की सर्वाध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोबन की अवधि बढ़ाने के लिये अनु-गेदन
की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर श्रायुक्त/प्रायकर
निवेशक (छूट) जिनके श्रेताधिकार में संगठन पढ़ता
है, के माध्यम से आपकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता
को तीन प्रनियों में साबेदन करने के लिये सुप्ताव दिया
जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमौदित आदेश
उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त श्रवधि की
समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदिन
भाषेश माण्य करने के पश्चात् यथाशीध अनुभोदन की अवधि
बढ़ाने के लिए श्रायेदन करें। अनुसोवन की अवधि अद्याने
के सम्बन्ध में किए गए आविदन-पत्त की 6 प्रतिया स्विष्य,
कैसानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी
है।

[मं. 403/काः सं. बी. जो./एम- श/कल./35/(+) (iii)/89-आयकर (कृट)]

Calcutta, the 14th March, 1991

INCOME TAX

S.O. 1636.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

 The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expunditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Pan Asian Management for Rurai Research Organisation, 3C/22, Rohtak Road, New Delhi-110005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 403/F. No. $DG_1M-8/Cal/35(1)(iii)/89/IT(E)$]

अध्यकर

का.मा. 1637. सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतदब्दारा यह मिस्सिनित किया जाता है कि मिस्सिलिखित संगठन को, श्रायकर मिस्सिम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/वी) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिचन, वैज्ञानिक और औद्योगिक श्रनुसंघान विभाग की सहमित से धायकर नियम, 1962 के मियम 6 के अक्षीन विहित प्राधिकारी प्रणीत् महानिवेशक (श्रायकर छूट) द्वारा निस्निलिक्त शहीं पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन शनुसोदित किया गया ।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुमंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा ।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबंधी कार्यकलाणों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवत, न्यू मेहरीली रोड, नई बिल्ली-110016. को भेजेगा।
- (3) यह पत्येक वर्षकी 30 जून, तक, लेखा-परंक्षित वाषिक लेखों की एक प्रति धपनी-स्थय, धास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिंहन, (क) महानिवेशक (प्रायकर स्टूट), (ख) सिंबन, बैंकानिक व औद्योगिक धनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर धायुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ना है, को प्रस्तुन करेगा ।

मंगठने का नाम

नेशनल सोसाइटी फार द् प्रिवेनसन श्रीफ ब्लाइन्डनेस इस्डिया ता. राजेन्द्र प्रसाद सेन्टर फार श्रक्यालामिक, साइन्सेम चनसारी नगर

गई बिरुक्ति-110039

यह मधिसुमान विनाक 1-4-1990 से 31+3-1991 सम्म की ग्रामधि के लियों प्रभावी है। हिष्णणी : संगठन को अनुसोबन भी प्रविध यहाने के लियं अनुसोबन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायक्तर प्रायक्तर/प्रायकर नि-देशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठक पड़ता है, के माध्यम से श्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के सिये सुझाय विधा आता है । विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेश उपर्युक्त नीन माह की समाप्ति पर उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेश प्राप्त करने के प्राथात् यथाशील अनुमोदिन आवेश प्राप्त करने के प्राथात् यथाशील अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए कावेदन करें । अनुमोदन की अधि बढ़ाने के लिए गए आवेदन-पत्त की अतियों सिवव, वैज्ञानिक और औरशीणक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुन करना है ।

[सं. 404/(भा. सं.को. जी./एनकी-42 कल./35/(1)(ii)/89-आयकर (खूट):

INCOME TAX

- S.O. 1637.—It is hereby notified for general information Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incomestax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organization, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and insollities.

NAME OF THE ORGANISATION

National Society for the Prevention of Blindness-India, Dr. Rajendra Prasad Centre for Ophthalmic Sciences, Ansari Nagar,

New Delhi-110029.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 404/F, No. DG/ND-42/Cal./35(1)(it)/89-IT(E)]

आधकर

का.बा. 1938. मर्थमाधारण की मुक्तन के लिये एतव्हारा यह अधि-मुचित शिवा जाता है कि निस्तिलिखित संगठन की, श्रीयकण श्रीधितियम 1961 की धारा 35 (वैनोम्/एक/दो) की जपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और ओषोधिक प्रमुखंदान विभाग की सहस्ति से, भ्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भ्रवीन विहिन प्राधिकारी भ्रवात् महानिदेशक (भ्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित गर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के भ्रधीन भन्मोबित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक धनुसंघान के लिय प्राप्त धन के लिय एक धलग लेखा रखोगा।
- (2) यह प्रपत्ने वैज्ञानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रस्पेक विलीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंघान विभाग, जौद्योगिक धवम, न्यू मेहरीली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा ।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अप-व्यय, भ्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (भ्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) भ्रायकर आयुक्त, ब्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

हा. रामिनिनी रिसर्च इन्सटिचूट घाफ धकुपेशनल हेल्थ सर्विसेज,

577 शुक्तवार पेट सुभाष नगर पूर्ण-411002

यह प्रधिसूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की श्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुनीविक की अविधि बढ़ाने लिए अनुमोवन की समिष्ति की तान साह पूर्व भायकर आयुक्त/अ.यकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता हैं के माध्यम से धायकर महानिदेशक (छूट), कलकरा। को तीन प्रतियों में धावेवन करने के लिये सुष्टात दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां धमुमोवित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर भाषवा उक्त मजीध की समाप्ति के ठोक पूर्व प्राप्त हुमा हो, संगठन धनुमोदित प्रावेश प्राप्त करने के के पश्चात् यथाशीध धनुमोवन की श्रविध बढ़ाने के लिए धावेवन करें। धनुमोवन की धविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए धावेवन-पत्न की 6 प्रतियां सचिव, वैशानिक और औद्योगिक धनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 405 फ़ा.सं.की.जी./एम-32/कल./35/(1) (ii)/39-आ.कर (छुट)]:

INCOME TAX

S.O. 1638.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a cpy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Dr. Ramazini Research Institute of Occupational Health Services, 377, Shukrawar Peth, Subhashnagar, Pune-411002.

This Notification is effective for the period from 1.4-1990 to 31-3-1991.

Note.—'The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 405/F. No. DG/M-32/Cal/35(1)(π)/89/1T(E)]

आधकर

का.मा. 1639.— सर्वमाधारण की सूचना के लिये एतदबारा श्रष्ट मधिन्यम सूचना किया जाता है कि निम्निलिखिन संगठन की आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (गिं) के लिये, मिनक, वैज्ञानिक और श्रोशींगक अनुमधान (स्माण की रहा नि से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहिन प्राधिकारी अर्थात महानिवेशक (आयकर छूट) द्वारा भिम्निलिखिस शर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन अनुमोदिन किया गया है।

- संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के खिये एक घलग लेखा रखेगा ।
- (2) यह प्रपत्ते वैज्ञानिक प्रनुसंघान सर्वधी कार्यकलायों का एक वास्तिक विवरण प्रत्येक विश्लीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचित्र, वैज्ञानिक व गौद्योगिक प्रनुसंघान विभाग, भौद्योगिक भवन, त्यू मेहरीली रोड, नई विल्ली-110016 का भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित्र वाधिक लेखा की एक प्रति धपनी-क्यम, मास्तियों एवं दैनधारियों के विवश्ण सहित, (क) महानिदेणक (धायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व घींद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर मायुक्त आयंकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में प्रत्या है, की प्रस्तुन करेगा ।

संगठन का नाम

व गुजरान इम्सटिष्ट आफ एरिया प्लानिन सर्खेज-गांधीनगर हाईने,

गोरा- 38248), जि. महमेदाबाद (गुजरात)

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की ध्रविध के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी: संगठन की मनुसीवन की प्रविध बढ़ाने के किये धनुसीवन की समाप्ति के तीन माह पूर्व घायकर घायुक्न/मायकर निदेशक (लूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पछता है, के माध्यम में आयगर नहा (निवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिये मुक्ताव विद्या जाता है। विशेष मामलों में, जहा प्रतुमीवित प्रावेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथ्या उक्त प्रविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त क्षेत्रा ही, संगठन प्रतुमीवित प्रावेश प्राप्त करने के पश्चात ययाणीझ अनुमीदन की प्रविध बढ़ाने के लिए प्रावेदन करे। अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए प्रावेदन करे। अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने अ सम्बन्ध में किए गए प्रावेदन पत्र की 6 प्रतियों सचिव, बज्ञानिक भीर भीषांगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[स. 406 (फा.सं.डो.जो/जो-16/कल./35/(1) (ii)/89-आ.कर छुट)]:

Calcutta, the 15th March, 1991

INCOME TAX

- S.O. 1639.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Indusrial escarch for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 (Thurty Five, one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The rganisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Sccretary Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

The Gujrat Institute of Area Planning,

Sarkhej-Gandbinagar Highway,

Gota-382481, Dist. Ahmedabad (Gujrat).

This Notification is effective for the period from 1.4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 406/F. No. DG/G-16/Cal/35(1)(iii)/89/IT(E)]

कलकसा, 18 मार्च, 1991 आयक्तर

का.मा. 1640.--सबैमाधारण की सूचना के निये एनवतारा यह प्रवित्रचना किया जाना है कि निस्तनिधित संगठन की, भायकर भिष्ठितियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिच्च, वैज्ञानिक धार भीचोगिक भनुसधान विभाग की सहमति से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित्त प्राधिकारी श्रयंत महानिवेशक (श्रायकर छूट) द्वारा निम्मिलिखित एतीं पर 'संब' प्रवर्ग के मधीन श्रनुसीदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रतुमधान के लिये प्राप्त धन के लिए एक प्रजान लेखा रखेंगा।
- (2) यह प्रपत्ने यैक्षानिक अनुसंधान सर्वजी कार्ययन्तर्भो का एष वाधिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिये, प्रत्येक धर्म की 31 मई तक, सचिव, वैशानिक व प्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग, श्रीद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोष्ट, नई दिन्ली-110016. को भैमेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ध की 30 जून तक, लेखा-पर क्षित वार्षिक लेखां की एक प्रति प्रपनी-क्ष्यप, ध्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिंहन, (क) महाँनिवेशक (श्रायकर छूट) (ख) सिंध्य, वैज्ञानिक व श्रीधोगिक श्रनुसंधान विभाग, श्रीर (ग) श्रायकर श्रायुक्त ध्रायकर निदेणक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में प्रशा है, की प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

नर्देन इन्डिया टेक्स्टाइल रिसर्च एसोसियशन सेक्टर-23, राजनगर,

गाजियाबाद-201002 (इ.म.)

यह प्रधिमूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-91 तक की प्रविधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन की अनुसीवन की अविध बढ़ाने के लिये अनुसीवन की समाप्ति के तीन साह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के साध्यम में आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुसीवत अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुसीवित प्रावेश प्राप्त करने के पश्चात यथाशीझ अनुसीवन की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुसीवन की अविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्न की अविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्न की 6 प्रतियो सचित्र, वैज्ञानिक और

[सं. 407 (फा. मं. को. जी. /यूर्वेत-10/कस्त. / 35/(1)(ii) 90-आ. कर (छूट)]

Calcutta, the 18th March. 1991 INCOME TAX

- S.O. 1640.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category Association subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and inabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Northern India Textile Research Association, Sector-23, Rajnagar, Ghaziabad-201002 (U.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Fxemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval, Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 407/F. No. DG/UP-10/Cal/35(1)(ii)/90/1T(E)] आयक्ट

का. प्रा. 1641.—- सर्वताधारण की सूचना के लिये एतदहारा यह सूचना जारो किया जाना है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचित्र, बैजानिक और भीषोगिक भनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रयोत महानिदेशक (आयकर छूट) हारा निम्नलिखित गानी पर "संस्थान/प्रवर्ग" के अधीन भनुमोबित किया गया है।

- (1) संगठन यैक्सिनिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक धनग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्राप्ते वैज्ञानिक प्रमुसंधान संबंधी कार्यकलायों का एक व्यापिक त्रिवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व ग्रीबोधिक अनुसंधान विभाग, ब्रीबोधिक भवन, स्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 की भेजेगा ।
- (अ) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रपती-व्यय, प्रास्तियों एवं वेनदारियों के विवरण सिन्त, (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट), (ख) मिचय वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, प्रीर (ग) धायकर द्यायुष्त/पायकर निर्वेणक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुन करेगा।

संगठन का नाम

नेमनल इम्मटिकूट श्राफ बैंक मैनेकमैंट कोल्ड्ये आहुई, पोस्टर वैगः ।

पुण-411022

यह अधिमूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की धार्याध के लिये प्रभावी है।

टियणी : गंगङ्ग की प्रत्मोदन की संबंध बढ़ाने के लिये समुसोदन की समाप्ति के तीन महा पूर्व भायकर श्रायुक्त भायकर निर्देशक (सूट), जिनके क्षेत्राधिकार के संगठन में पृक्ता है, के माध्यम से श्रायकर महानिर्देशक (छूट), कलकशा को तीन प्रतियों में भागेदन करने के लिये मुझाण दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां भनुमोदित भादेश उप-यंक्त तीन माह की समाप्ति पर भणवा उक्त भनुमोदित कार्यक्ष की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुंगा हां, संगठन भनुमोदित की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुंगा हां, संगठन भनुमोदित की सम्बंध बढ़ाने के लिए भागेदन करे। भनुमोदन की भविध यदात के सम्बन्ध में किए गए भागेदन-पन्न की 6 प्रतियां भाष्य, वैज्ञानिक भीर भोग्नोगिक भनुसंधान दिभाग को प्रत्मुत करना है।

[सं. 408(फा.सं.क्षी.चीर./एम-99-/फल./35/(1)(in)/ 90-आ.कर (छुट)]

INCOME TAX

- 5.0 1641.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (1) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Bank Management, Kondhwe Khurd, Post Bag No. 1, Pune-411022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No 408/F. No. DG/M-99/Cal/35(1)(iii)/90/IT(E)]

आयक्तर

का. था. 1642- सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतवद्वारा यह स्रधि-सूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखिन संगठन की, श्रायकर स्रधि- निज्ञास 1981 की अगर 25 (वैतीस/एक/तो) की उपधार (i) के खंड (ii) के लिये, सिंबल, बैजानिक बीट सौद्योगिक प्रमुखंशम विभाग की सहमति से, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के मधीन बिह्न प्राधि-कारी ग्रयति महानिवेशक (श्रायकर छूट) द्वारा निस्निखिल शर्मी पर'' "संस्था" प्रवर्ग के अधीन अनुसीदिन किया गया है।

- (1) संगठम वैज्ञानिक मनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिए एक भ्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह ध्रमने वैज्ञानिक धनुसंधान संबंधी कार्यकलागों का एक वार्षिक धिदरण प्रत्येक विस्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व धीद्योगिक धनुसंधान विभाग, धौद्योगिक ध्यन, क्यू महरौली रोड, नई दिल्ली — 110016 को भेजेगा ।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रपत्नी व्यय, ब्रास्तियाँ एवं देनदारियां के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (श्रीयकर छूट) (ख) संचित्र, वैज्ञा- मिक व बौद्योगिक अनुसंघान विभाग, घौर (ग) श्रीयकर प्रायु- का/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तृत करेगा।

वर्टन का नाम

वि विरक्षा इन्सटियूट श्राफ एस्ट्रोनोमी व प्लानेटरियम साइत्सज विरक्ता विस्त्रिंग, 9/1. ग्रार. एस. मुखर्जी रोड,

कसकत्ता - 700001

यह प्रश्विस्चना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की सर्वधि के लिए प्रमाबी है।

टिप्पणी: संगठन को जनुमोदन की अवधि बढाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व झायकर भागुकन/श्रायकर तिवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार के संगठन में पढ़ता है, के माध्यम से झायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता की नीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव विया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपयुंक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त भवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के परचात यथाशीझ अनुमोदन की सवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और श्रीकोणिक अमुसंधान विभाग को प्रस्थुन करना है।

[सं. 409 (फा सं. डी जी पव + 3/कल /35/(i) (ii)/89 ~ झा. कर (स्ट)]

INCOME TAX

- S.O. 1642.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Instituion" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Incometex (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Birla Institute of Astronomy & Planetarium Sciences, Birla Buliding, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

आसम्ब

का. प्रा. 1643 — सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतवहारा यह प्रधि-सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर ध्रिधिनियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/बो) की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और भौधोगिक भनुसंधास विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी प्रथीत महानिवेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन अनुसोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने बैजानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलायों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, तन्त्र, भैजानिक व भौधोगिक अनुसंधान विभाग, भौधोगिक भयन, रंग महरोली रोड, नई विल्ली -- 110016 की भेजेगा।
- (3) यह प्रत्मेक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, ध्रास्तियों एवं वेनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (धायकर छूट) (ख) सिवव, वैज्ञातिक व ध्रीधोगिक धनसंधान विभाग, भौर (ग) आयकर आयुक्त धायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पढ़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन प्लाइबुड इंडम्हीत रिमंच एसोशिएसन,

पोस्ट बैंग 2273, नुमकर रोड, बैंगलुर।

यह प्रधिसूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की मवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी संगठन को अनुभोदन की अविध बढ़ाने के लिए अनुभोदन की समाध्य के तीन साह पूर्व अध्यक्षर आपृक्ता/आध्यकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार की संगठत में पड़का है, की माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सकाव विया जाता है। विशेष सामलों में, तकां अनुमोदिन राण्या लार्युक्त तीन साम्न की समास्ति पर ध्यक्षता जनन खलिए भी प्रमाति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन धनुमोदित आदेण प्राप्त करने के पण्चात यथाणीय भनुमोदन की भवित यहाने के निए आविदन करें। भनुमोदन की धवित बढ़ाने के मंग्रध में किए गए आविदन पत्र की 6 प्रतियों सचित, वैज्ञानिक और श्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 410 (फा. सं डी जि/केटी 26/कला./35/(i) (ii)/90-ग्रा. कर (छूट)]

Calcutta, the 19th March, 1991 INCOME TAX

- SO. 1643.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Instituion" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Scientary, Department of Scientific and Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Plywood Industries Research Association,

Post Bag 2273, Tumker Road,

Bangalore-560022.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

Note.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta thrugh the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the period of three months aforesaid or the order granting approval is received after the expiry of he period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary. Pepartment of Scientific and Industrial Research.

[No. 410/F] No. DG/KT-26/Cal/35(1)(ii)/90/IT(E)] आय कर

का. या. 1644. — सर्वसाक्षारण की सूचना के लिये एनवद्वारा यह प्रधि-सूचना किया जाता है कि निम्निलिखित संगठम को, आयकर प्रधिमियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (i) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक प्रीर धौद्योगिक अनुसंघान विभाग की सहमति से, धायकर निगम, 1962 के नियम 6 के पंधीन विहित प्राप्तिकारी प्रवित्त सहानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्निलिखित णतौ पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन धनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन यैशानिक अनुसंधान के नियो भाष्य धन के लिये एक भाषम लेखा रखेगा।
- (2) यह ध्राने वैज्ञानिक ध्रनुसंधान संबंधी कार्यकालायों का एक पार्यिक विवरण प्रश्येक वित्तीय वर्ष के नियं, प्रश्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक य घौद्योगिक ध्रनुसंधान दिभाग, भौद्योगिक भवम, न्यू महरोली रोष्ट, नई दिल्ली — 110016 की मेजेगा।
- (3) यह प्रश्येक वर्ष की 30 जून तक, नेखा-पर्शक्षित या जिह लेखी की एक प्रति अपनी-व्यय प्रास्तियों एवं देनवारियों के निवरण सहित (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट) (ख) सचिव वैशानिक व घौद्योगिक प्रतुसंधान विभाग, भीर (ग) प्रायकर प्रायुक्त धायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ना है, को प्रस्तुन करेगा।

संगठन का नाम

गलगांवकर मेडिकल रिसर्च सेंटर, एयरपोर्ट रोड, चिकालिम, गोवा – 403711

यह मधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की मबधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को धनुगोवन की प्रश्रध बहाने के लिये प्रनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायक्तर धामुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पढ़ता है, के माध्यम से धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष सामन्ते में, जहां अनुमोदित प्रादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रयवा उक्त धविध की समप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित धावेश प्राप्त करने के पश्चात यथाशीध अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। धनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। धनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के सम्प्त करने के पर्या सिवन, बैजानिक धौर धौद्योगिक धनुमधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 411 (फा. सं. ही. जी. गोवा – 1 कल. 35 (i) (ii) 89– द्या. कर (छूट)]

INCOME TAX

- S.O. 1644.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan', New Maharuli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (e) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Salagaocar Medical Research Centre, Airport Road, Chiculim, Goa-403711.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extensian of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 411/F. No. DG/GOA-1/Cal]35(1)(ii)[89]IT(E)]

का, भा. 1645 - - पार्तमाधारण की सूचना के लिये एतदहारा यह भीध-मृत्यत किया जाता है कि निम्निलिखन संगठन की, झायकर भिधिनियम 1961 को धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की प्लपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक झोर श्रोसोगिक श्रनुसंघान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भधीन प्लिहित प्राधिकारी भर्यात महानिदेशक (भायकर छूट) हारा निम्निलिखित शसौं पर "मंस्थान" प्रथा के भ्रधीन भनुमोदिस किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक धनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक बार्षिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व धौधोगिक धनुसंघान विभाग, श्रोद्योगिक भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिग्ली--110016 को सेंजेंगा।
- (3) यह प्रस्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, आस्तियों एवं देनधारियों के विवरण सिंहत (क) महानिदेशक (प्रायकर छुट) (ख) मिन्न वैद्यानिक व औद्योगिक प्रनुमंधान दिक्षाण, ग्रीर (ग) ग्रायकर ग्रायुक्त भायकर निदेशक (छुट) जिनके क्षेत्राधिकार में पहला है, को प्रस्तुन करेगा।

संगठन का नाम

स्कीत इन्स्टिय्ट रिमंच मोसाइटी, ए – क्लाक, ग्रेटर कैलाण – 1, नई दिल्ली – 110048

यह प्रधिमूचना दिनोक 1-1-1990 से 31-3-1991 मक की ध्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: पंगठन को अन्मोदन की अविध कहाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर भागकत/आयकर निदेशक (छूट), जिनके अलाधिकार में संगठन में पहता है, के माध्यम में आयकर महानिदेशक (छूट), करकता को तीन प्रतियों में आर्थे कर महानिदेशक (छूट), करकता को तीन प्रतियों में आर्थे का करने के लिये गुझाल दिया जाता है। विशेष मामलों में, जरां अनुमोदिन आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व भाग हुआ हो, संगठन अनुमोदिन आदेश प्राप्त करने के परकार यथाणीं अनुमोदन की अविध अकाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अविध

बढ़ाने के संबंध में किए गए झावेंदन पत की 6 प्रतियां सचिव वैद्यानिक भीर झीधीगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[सं. 412/(फा.सं.बी.जी.एन.बी.12/कल./35(1)(ii) 89-आर.कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1645.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (i) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Maharuli Road New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Skin Institute Research Society, N-Block, Greater Kailash-1, New Delhi-110048.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Colcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Sex copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

JNo. 412/F. No. DG/ND-12/Cal[35(1)(ii)[89]IT(E)]

अ(य-कर

का. था. 164. — उनर्वसायारण की एका के निरंप्तरशारा यह अधिपूचित किया जाना है कि निम्निषियत संगठन की, धायकर अधिनियस
1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/बो/तीन) की उपधारा (1) के
खंड (iii) के लिये, सिचल, वैज्ञानिक भीर औद्योगिक अनुसंधान दिभाग
की महमिन से, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित
प्राधिकारी ग्रयांत महानिवेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्निणित यहाँ पर
"संस्थान" प्रवर्ग के श्रधीन अनुमोदिस किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंघान के पित्रे प्राप्त धन के लिये एक प्रमुख भेजा सबैगा।
- (2) यह अवने वैशानिक अनसंयान पंत्रंत्री कार्यकलाणों का एक बार्षिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिये, प्रत्येण वर्ष की (1 र के नक, सचिव, वैशानिक व श्रीकोशिक अनुसंधान विभाग, श्रीकोशिक भवन, न्यू मत्ररोली रोड, नई दिल्ली — 110016 की भेजेंगा।

(3) यह प्रत्नेत वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित कार्षिक लेखों की एक प्रति भवनी व्यय, भास्सियों एवं देनदारियों के विवरण सिंहत (क) महानिदेशक (भायकर छूट) (ख) सिंचव, वैकानिक व भौगोगिक भनुसंधान विभाग, भौर (ग) भायकर भायुक्त/ भायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पढ़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का माम

र्थंन विस्व भारती,

पो. **मा.** → लवनन - 341306, राजस्थान (भारत)

यह अधिसूबना विनोक 1-4-1990 से 31-3-1991 नक की अथिश के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:- संगठन की अनुमोदन की अविध बहाने के तिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्स/प्रायकर निदेशक (छूट), जिनके कोझाधिकार में मगंडन पक्ष्ता है, के माण्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेण उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अविध की समाप्ति को ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेण प्राप्त करने के पश्चात यथाशीझ अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अविध बढ़ाने के संबंध में किए गए अवेदन पत्न की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और धोधोणिक अनुसंवान विभाग कोप्रस्तुत करता है।

[सं. 413 फा. सं. की. जी. बार - 3कल. 35 (i) (iii)/89-भा. कर (कूट)]

INCOME TAX

S.O. 1646—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/three of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Maharoli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions),
 (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and
 (c) Commissioner of Incometax/Director of Incometax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Jain Vishva Bharati, P.O. Ladnun-341306, Rujasthan (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the

expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extensian of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 413/F. No. DG/R-3/Cal|35(1)(iii)|89]IT(E)]

अधिकर

का. मा. 1647: — सर्व साधारण की सूचना के लिए एतदब्रारा यह प्रिधिन सूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखिन संगठन की, भायकर मिंधिन 1961 की द्वारा 35 (पैतीस/एक/दी) की उपधारा (2) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और भौद्योगिक प्रदुनंद्यान दिशाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी मर्यात महानिदेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित भर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के श्रदीन मनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैशानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रवने वैज्ञानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यकलायों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विसीध वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व श्रीद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिक भवन, स्य महरोली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक बर्ग की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति धपनी व्यय, भास्तियों एवं देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक भनुसंधान विभाग, भौर (ग) भायकर भायुक्त/ भायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पहला है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

साइन्स एंड टैक्नोलाजी एन्ट्रीप्रीश्योरशिप पार्क, यूनिवर्सिटी माफ रूडकी, रूडकी - 247667 सहारनपुर (यृ.पी)

यह प्रधिसूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिए प्रभावी है।

टिप्पण : तंगठन का अनुमादन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की ममाप्ति के तीन आह पूर्वी आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम में भायकर महानिष्णक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुझाप दिया जाता है। विशेष मामलों में जहां अनुमोदिन आदेश उपर्युत्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त भवधि की तमाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदिन आदेश प्राप्त करने के प्रचात यथासीझ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संगंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और सौधीगिक अनुमंधान विभाग की प्रस्तुत करतो है।

[सं. 414 का सं. की. जी. यू.पी. - 15 क /35(1) (i)/ 90 - भा. कर (छूट)

INCOME TAX

S.O. 1647.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (il) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one//two) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research: research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan', New Maharuii Road New Delhi-110Q16 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will subnut to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its agents and liabilities

NAME OF THE ORGANISATION

Science & Technology Enntrepreneurship Park, University of Roorkee, Roorkee-247667, Sahranpur (U.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extensian of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 414/F. No. DG/UP-15/Cal|35(1)(ii)|90[IT(E)]

का. शा. 1648 — सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतवृद्वारा यह धिस्चना जारी की जाती है कि निम्निखित संगठन को, आयकर धिसियम, 1961 की बारा 35 (पैतीसए/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिविव, वैज्ञानिक भीर भौधोगिक भनुसंधान धिभाग की सहमति से, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के धिधीन विहित प्राधिकारी धर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्मिलिखित शतौं पर "संस्थान प्रवर्ग के धिधीन धनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन" वैज्ञानिक धनुसंघान के लिये प्राप्त धन के जिये एक प्रलग लेखा रखेगा ---
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भौद्योगिक भवन, न्यु मेहरौली रोड़, नई विल्ली-110016 को भेजेंगा।
- 3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-मरीक्षित वाधिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, भ्रास्तियों एवं देनवारियों के विवरण संहित, (क) महानिदेशक (भ्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक धनुसंद्यान विभाग, भौर (ग) भ्रायकर भ्रायुक्त/भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेक्षाधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

केराला फारेस्ट रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पीची-680653, त्रिचुर (केराला)

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की धवधि लिये प्रभावी है। टिप्पणी: —संगठन को अनुभोदन की भवधि बढ़ाने के लिए अनुभोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राक्षिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आपकर महानिवेशक (छूट), कलकला को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश आप्त करने के पण्यात् यथाशीझ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने में संबंध में किए गए आयेदन-यत्न की 6 प्रतियों सचिव, बैज्ञानिक और प्रौद्यो-पिक अनुसंधान विभाग का प्रस्तुत करता है।

[सं. 415 (फा.स.सी.जी/. के.-5/कल./35 (i) (ii)/90-मा.कर (छूट]

INCOME TAX

S.O. 1648.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one//two) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan, New Mchroli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Kerala Forest Rescearch Institute, Peechi-680653, Trichur (Kerala).

This Notification is e-ective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extention of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of apprival should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 415/F. No. DG/K-5/Cal]35(1)(it)[90]IT(E)]

का.धा. 1640 — सर्वसाधारम की भूचना के लिये एसद्दारा यह मधिसूचना जारी की जाती है कि निम्मलिखित संगठन को, ग्रायकर मधिनियम, 1961 की भारा 35 (पैतीस/एक तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सिखव, वैज्ञानिक धौर भौद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, भ्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भ्रधीन विहित प्राधिकारी भ्रथीत् महानिदेशक (भ्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के भ्रशीन भनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक धलग लेखा रखेगा।
- (2) यह ध्रपने वैज्ञानिक धनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विश्लीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व भौधोगिक धनुसंधान विभाग, भौबोगिक भवन, न्यू भेहरीली रोड़ नई विल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति ध्रपनी-स्थय, ब्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (ब्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व पौद्योगिक ध्रनुसंधान विभाग, धौर (ग) भ्रायकर ब्रायुक्त/ब्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मद्रास इन्स्टींट्यूट भ्राफ डिवेलपमेंट स्टडीज, 78, सेकण्ड मैन रोड, गांधी नगर, भवियार, मद्रास-600020

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 सक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:— संगठन को अनुमंदिन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पहता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को शीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव विधा जाता है। विशेष सामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह का समाप्ति पर अथवा उनत अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदत आदेश प्राप्त करने के पण्चात यथायी अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिय आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत की 6 प्रतियां सिक्य वैज्ञानिक और अधि। विकास अनुसंधान विभाग का प्रस्तुत करना है।

[सं. 416 (फा.सं.धी.जी./टी.एन. 27 कल./ 35 (1) (iii)/89-आग.कर (छूट)] Calcutta, the 20th March, 1991

INCOME TAX

S.O. 1649.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/three) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, NNew Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of

Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Madras Institute of Development Studies, 79, Second Main Road, Gundhi Nabar, Adyar, Madras-600020.

This Notification is flective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extention of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 416/F. No. DG/TN-27/Ca][35(1)(iii)]89[IT(E)]

माय-कर

का. घा. 1650: — सर्वेनाधारण की सूनना के लिये एतद्दारा यह प्रिध्स्चना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, धायकर धिवियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/वो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिचन, वैज्ञानिक और भौद्योगिक धनुसंधान विकास की सहमति से धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के धधीन विहित प्राधिकारी धर्यात् महानिवेणक (धायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शतौं पर "संस्थान" प्रवर्ग के धधीन धनुसोवित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक धनुसंघान के लिये प्राप्त धन के लिये एक धलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने बैज्ञानिक भनुसंधान संबंधी कार्यकलायों का एक वार्थिक विवरण प्रत्येक विश्वीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, बैज्ञानिक व भौधोगिक अनुसंधान विभाग, भौधोगिक भवन, स्थ मेहरौली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति घपनी व्यय, घास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिंहत, (क) महानिदेणक (धायकर छूट), (ख) सिंबद, वैज्ञानिक व घौद्योगिक घनुमधान विभाग, घौर (ग) भ्रायकर धायुक्त/भायकर निदेणक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पढ़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का माम

हाफकीन इन्स्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग रिसर्चे एण्ड टेस्टिंग ब्राचार्य डोंडे भार्य, परेल, बम्बई-400012

यह अधिमूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रश के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: — संगठन को अनुमोदन की घ्रविष्ठ बढ़ाने के लिए अनुमोदन की घ्रविष्ठ बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाित के तीन माह पूर्व प्रायकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है के माध्यम से आयकर महािनदेशक (छूट), कलकत्ता के तीन प्रतियों में आवेशन करने के लिए सुकाब निया जात है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित धादेश उपर्युक्त तीन

माह की समाम्ति पर प्रथम उक्त प्रविधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित प्रापेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीध्र अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए प्रावेदन करें। अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के संबंध में किए गए प्रावेदन-पक्ष की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक प्रौर भौदोषिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 417 (फा.सं.डी.जी./एम-119 कल./ 35[(1) (ii)/90-ग्रा.कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1650—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one//two) of the Incometax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Haffkin Institute for Training Research & Testing. Acharya Donde Marg, Parel, Bombay-400012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extention of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 417/F. No. DG/M-119/Cal/35(1)(ii)/90[TT(E)]

आ यक र

का ब्या । 1651 सर्वेमाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, धायकर प्राधिनियम 1961 की बारा 35 (पैतीस/।क/दो की उपधार। (1) के खण्ड (ii) के लिये। सिंव, वैज्ञानिक भीर प्रौद्योगिक भनुसंधान विभाग की सहमित से, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रधांत महानिदेशक (आयकर छ छ) धारा निम्नलिखित गर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के ध्रधीन धनुमोदित विया गया है।

- () संगठन वैक्रानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग क्षेत्रा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंघान विभाग, भौद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड़ नई विल्ली-110016 को भोजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-ध्यंग, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिंहत, (क) महानिवेशक (आयकर छूट) (ख) सिंबद, वैज्ञानिक व भौछोगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पढ़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नान-फेरस भटिरिअल्स टेक्नोलाजी क्रिबेलपमेन्ट सेन्दर (एन.एफ.टी.की.सी.)

मार्फत डिफेन्स मेटलाजिकल रिसर्च लेबोरटरी, पो.भ.-कंचनबार्ग,

हैवराबाव-500258 (भा. प्र.)

यह भिष्ठभूचना दिनांक 9-11-1990 से 31-3-1991 तक की भविभ ते लिये प्रभाषी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए अनुमोदन को समाप्ति
के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट),।जिनके
क्षेत्राधिकार में संगठन में पढ़ता है, के मान्यम से आयकर
महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयेवन
करने के लिए सुझाव विया जाता है। विशेष मामलों में,
जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर
अयथा उक्त अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त धुआ
हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात
यथाणीझ अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें।
अनुमोदन की अविध बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदनपत्न की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और भीकोगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 418 (फा.सं.क्षी,जी/ए.पी. 12/ कल. 35(1) (ii) 90-भा. कर (छूट)]

INCOME TAX

- S.O. 1651.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Incometax Rules, 1962, i.e., the Director General of Incometax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act. 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of In-

come-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Non Ferrous Materials Technology Development (entre (NFTDC),

C/O Defence Metallaurgical Research Laboratory, P.O. Kanchanbagh, Hyderabad-500258(A.P.).

This Notification is effective for the period from 9-11-1991. to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extention of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 418]F. No. DG|AP-12/Cal/35(1)(ii)/90|IT(E)]

आय-कर

का.मा. 1652 — सर्वसाघारण की धूचना के लिये एतद्द्वारा यह मिस्यूचना जारी किया जाता है कि निम्निलिखित संगठन को, मायकर मिसियम 1961 की घारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक मौर मौद्योधिक मनुसंधान विभाग की सहमति से, मायकर नियम, 1962 के नियम 6 के मिसीन विहित प्राधिकारी भर्यात् महानिदेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्निलिखित गतौं पर "संस्थान" प्रवर्ग के मधीन मनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक जिबरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, व्य मेहरौली रोइ, नई विस्ती-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून सक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखीं की एक प्रति ध्रपनी-व्यय, भार्तियों एवं देनवारियों के विवरण सिहत, (क) महानिवेशक (ध्रायकर छूट), (ख) सिखब, वैज्ञानिक ध भौद्योगिक धनुसंधान विभाग, भीर (ग) धायकर भायुक्त/श्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुन करेगा।

संगठन का नाम

एसोशिएटेड इलैक्ट्रोज्निस रिसर्च फाउन्हेशन , 5-ए/1, 2 एण्ड 3, धन्सारी रोड, वरियागंज, नई विक्ती-110002

यह ग्रिक्सियाना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: —संगठन को धनुमोदन की घवधि बढ़ाने के लिए धनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व घाषकर धायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से भायकर महानिदेशक (छूट), कलकेला को तीन प्रतियों में धायेवन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष निमलों में, जहां धनुमोदित धादेण उपर्युक्त

तीन गाह की समाप्ति पर ध्रमवा उक्त ध्रवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन ध्रमुमोदित ध्रावेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीध्र ध्रमुमोदन की ध्रवधि बढ़ाने के लिए ध्रावेदन करे। ध्रमुमोदन की ध्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए ध्रावेदन-पत्र की 5 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक भौर धीधोगिक धनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 4.19 (फा.सं.क्षी.जी./एन.क्षी.~2/कल. 35 (1) (ii) 89-म्रा.

कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1652.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientlic & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Associated Electronics Research Foundation, 5A/1, 2 & 3 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 419/F. No. DG/ND-2/Cal|35(1)(ii)|89|IT(E)]

भायकर

का. प्रा. 1653: — सबैसाघारण की सूचना के लिये एतव्हारा यह धिमूचना जारी किया आता है कि निम्नलिखित संगठन को, भायकर धिमियम, 1961 की धारा 35 (वैतीस/एक/दो) की उपघारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक भीर भीछोगिक ध्रनुसंघान विभाग की सहमति से, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के ध्रधीन विहित प्राधिकारी भर्षात् महानिदेशक (धायकर छूट) हारा निम्नलिखित शतौं पर "संध" प्रवर्ग के ध्रधीन भनुमोदित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक धनुसंघाम के लिये प्राप्त घन के लिये एक धलग लेखा रखेगा।

- (2) यह भपने वैज्ञानिक भनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्यिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, संचिव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, भौद्योगिक भवन, न्यु मेहरौली रोड़, नई दिस्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अयथ भ्रास्तियों, एवं देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (भ्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व मौद्योगिक भ्रमुसंद्यान विभाग, भीर (ग) भ्रायकर भ्रायुक्त/भ्रायकर निवेणक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुन करेगा:

संगठन का नाम

पोटाण रिसर्च इन्स्टीट्यूट घॉफ इण्डिया, सेंक्टर-19, देदेहरा, दिल्ली गुड़गांव रोड़, गुड़गांव-122001. हरियाणा।

यह भिधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की भविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: — संगठन को धनुमोदन की धविध बढ़ाने के लिए धनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व धायकर धामुक्त/धायकर निदेशक (छूट), जिनके खेलाधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से धायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में धावेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष भामलों में, जहां धनुमोदित धादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर धथवा उक्त धविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन धनुमोदित धादेश प्राप्त करने के परचात् यथाणीध्र धनुमोदन की धविध बढ़ाने के लिए धावेदन करें। धनुमोदन की धविध बढ़ाने के संबंध में किए गए धावेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक धनु से प्राप्त करना है।

[सं. 420 (फा.सं.दी.जी./एच-1/कल./35/ (i) (ii)] 89-मा.कर) छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1653.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mchrauli Roud, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities,

NAME OF THE ORGANISATION

Potash Research Institute of India, Sector-19, Dundehra, Delhi Gurgaon Road, Gurgaon-122001, Haryana.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Scoretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 420/F. No. DG/H-1/Cal/35(1) ii)/89/IT(E)]

आयंकर

का. था. 1654.—-सर्वसाधारण की सूत्रना के लिये घ्रतद्कारा यह प्रधिस्वना जारी की जाती है कि निम्नलिखिन संगठन को, धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक भीर भौधोगिक भनुसंधान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी भर्यात् सहानिदेशक (भायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्मी पर "संघ" प्रवर्ग के प्रधीन भनुसोवित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक धनुसंघान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भ्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रनुमंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रस्थेक वर्ष की 31 मई लक, सन्विव, वैज्ञानिक व भौशोधिक भ्रमुसंधान विभाग, भौशोधिक भवन, न्य मेहरौली रोड, नई दिल्ली—110016 को भैजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष का 30 जून, तक श्रेखा-परीक्षित, वार्षिक लेखों की एक प्रति ग्रापनी-स्वय, भ्राप्तियों एवं वेनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञा-निक व ग्रीक्षोगिक भ्रनुसंघान विभाग, भीर (ग) भ्रायकर भ्रायुक्त/भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

मंगटन का नाम

जै रिसर्च फाउण्डेशन सोसाइटी, यो. ग्रा. बलयदा, जिला-बुलसर, गुजरान-396108.

यह प्रधिसूचना विनोक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की ध्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अविधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त /आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ना है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आयेवन करने के लिए सुनाब दिया जाना है। विशेष भामनों में, जहा अनुनौदित आरेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अपवा उक्त अविधि की समाप्ति में ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीझ अनुमोदन की अविधि बड़ाने के लिए आवेवन करें। अनुमोदन की

सविध बढ़ाने के संबंध में किए गए सावेदन-पन्न की 6 प्रतियां सकित, वैज्ञानिक और भौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 421 (फा. सं. की जी./जी-3/कल./35/(1) (ii) 89/अग० कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1654.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction ever the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Jain Research Foundation Society, P.O. Valvada. Dist.—Bulsar, Gujarat-396108.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having juri-diction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research

[No. 421/F. No. DG/G-3|Cal|35(1)(ii)|89|IT(F)]

कलकत्ता, 21 मार्च, 1991 आगकर

का. घा. 1655 - सर्वेमाधारण की गूजना के लिये गतदहारा यह प्रधिमूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीम/एक/दो (की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये, मिचव, बैज्ञानिक घौर घौडोगिक घन्मंधान विभाग की सहमित से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के घ्रधीन विहित प्राधिक कारी धर्षात् महानिदेशक (घायकर छूट) हारा निम्नलिखित शर्तो पर "संस्थान" प्रवर्ग के घ्रधीन घन्मोदित किया गया है:—

- (1) संगठन वैज्ञानिक अन्संधान के लिए प्राप्त धन के लिए अलग लेखा रखेगा।
 - (2) यह धपने बैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यंकलापों का एक नार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्षे के निये प्रत्येक वर्षे की 31 भई तक, सचिव, वैज्ञानिक व श्रीद्योगिक धन्मंधान विभाग, श्रीद्ये-गिक, भवन, न्यू मेहरीली रोड नई दिल्ली-110016 की भैजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष को 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-त्यय, धास्तियों एवं देतवारियों के विवरण सिहत, (क) महानिदेशक (धायकर छूट) (छ) सिवर वैज्ञानिक व भौधोगिक धनुसंधान विभाग, भौर (ग) भायकर भायुक्त/भायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिक।र में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का भाम

भ्रमला कैंसर रिसर्घ सेंटर, त्रिचुर, भ्रमलानगर-680*5*53. केराला, भारत

यह मिश्रसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 नक की भविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयक्षर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेताधिकार संगठन में पढ़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए मुनाब दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित भावेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के टीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चान् यथाशील अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन नरें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सावेदन नरें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सावेदन नरें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए सावेदन नरें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संग्री अपनुमादन विभाग को प्रस्तुन करना है।

[सं. 422 (फा.सं/डॉ./जी. /के/9 /कस./35/(1)/(ii)/ 90-माः कर (छूट)

Calcutta, the 21st March, 1991 INCOME TAX

- S.O. 1655.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax (Exemptions) having junisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and l'abilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Amala Cancer Research Centre, Trichur, Amalanagar-680553, Kerala, India.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of

Income-tax (Exemptions), Calcutt through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval in exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Sceneinry, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 422/F. No. DG/K-9/Cal 35(1)(ii)]90[IT(E)]

का. भा. 1656—सर्वसाधारण की स्तना के लिये एतवृहारा यह भिक्षिमुधना जाती की जाती है कि निम्नलिखन संगठन की, भायकर मिन्नियम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिये सिचन, वैज्ञानिक और भौद्योगक भनुमंद्याल विभाग की सन्निनि से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भ्रष्टीन विहित प्राधिकारी सर्वात् महानिश्येष (भायकर छूट) हारा निम्नलिखिन पानी पर "वंह्यान/प्रवर्ष के भरीन अन्योदिन" किया गया है:—

- (1) संगठन वैक्रानिक प्रमुसंघात के लिये प्राप्त और के लिये एक प्राप्तण लेखा रखेगा।
- (2) यह ग्राः। वैज्ञानिक ग्रमुमंत्रान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरणं प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व भीषोगिक ग्रमुमंश्चान विभाग, भीषोगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-1100. ठ को भेजेगा
- (3) ये प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेका-गरीकिन वाधिक लेखों की एक प्रति ग्रमनी-स्थय भिक्तमों एवं देनदारियों के विवरण सिंदन, (क) महानिदेशक (श्रायकर छुट) (ख) सिंचव, वैशानिक व भौचोगिक मनुसंधान विभाग, धौर (ग) धायकर ग्रायुक्त ग्रायकर निरेशक (छूट) जिनक क्षेत्राधिकार में पडता है, की प्रम्युत करेगा।

संगठन का नाम

म्यूद्रिशन मोसाहरी घाफ इंडिया नैशनल इन्न्टिट्यूट घाँफ न्यूद्रिशन जमाई-घोसमानिया, हैवराबाब-500 007

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अवधि के लिपेप्रभावी है।

िणणोः संगठन की अनुसोवन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुसोवन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त, आयकर निदेशक (छूट), जिनके सेताधिकार में संगटन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेषन करने के लिए सुझाव विया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमानित आवेश उपप्रति तीन माह की समाप्ति पर अयवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीठ पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन प्रत्मीवित आवेश प्राप्त करने के पश्चान यथाणीन्न अनुमोवन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रावेषन करें। अनुमोवन की प्रविध बढ़ाने के लिए प्रावेषन प्रति अपनियां सचिव, अक्षानिक अनुसोवन की प्रविध कराने है।

[मं. 423 (फा. मं. डी. जी./ए. पी. 13 'क्प्प ' 3 प/ (1) (ii) / 90-धा.कर / (छुट)]

INCOME TAX

S.O. 1656.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax

Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of section 35 (Phity Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehtauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (nii) It will submit to the (a) Director General of Incometax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax/Director of Incometax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income and expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Nutrition Society of India, National Institute of Nutrition, Jamai - Osmania, Hyderabad 500007.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE:

The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/the Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approved is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 423/F. No. DG/AP-13/Cal]35(1)(ii)[90]IT(E)]

कलकत्ता, 22 मार्च, 1991 आयकर

का. याः 1657 — सर्वेमाधारण की सूचना के लिये एत्यद्वारा यह भिधमूचना जारी की जाती है कि निम्निलिय संगठन को, भायकर प्रिवित्यम 1961 की घारा 35 (पैनीम/एक/दो (की उपद्यारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिचन, बैजानिक धौर भोद्योगिक धनुसंधान विभाग की सहसति में, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भ्रधीन विहिन प्राधिकारी श्रयांत महानिदेणक (श्रायकर छूट) द्वारा निम्निलिखन गताँ पर "संस्थान" प्रवर्ग के भ्रधीन भन्मोविन किया गया है:——

- (1) संगठन वैज्ञानिक श्रन्मंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक श्रम्म लेशा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलाणों का एक वाधिक त्रियरण प्रत्येक विक्षीय वर्ष के शिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई नक, सचिव, वैज्ञानिक य औद्योगिक अनुसंधान दिखान, धंधोरिक भवन, न्यू मेन्न्रीजी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) प्रह्न प्रश्नैक मर्ग की 30 जून नक, लेखा-परीक्षित व्यपिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यप्त, आस्तिपा एवं वेत्रहारिजों के दिवरण सिंहत, (क) महानिदेणक आयकर (छूट) (ख) सिंखय वैज्ञानिक व श्रीधोगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर भाषुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके खेलाधिकार में पहता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बॉल्ड बाइड फण्ड फॉर नेचर—इंडिया, पोस्ट बानस संक्या-6042 मार्फत—चोदरेज एंड वोयेस मन्यु. प्रा. लि., सालबीम, परेल,

यह अधिमूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की अथिध के लिये प्रभावी है।

टिल्पगीं: संगठन को धनुमोदन की धन्नधि बढ़ाने के लिए धनुमोदन की समापित के तीन माह पूर्व घागकर प्रायुक्त/पायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के मारुयम में भायकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में भावेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां धनुमोदित धावेण उपर्युक्त रिक्त माह की लिले मामलों में, जहां धनुमोदित धावेण उपर्युक्त रिक्त माह की लिले प्रयोग प्राप्त हुंगा हो, संगठन अनुमोदित भावेश प्राप्त के ठीक पूर्व प्राप्त हुंगा हो, संगठन अनुमोदित भावेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ धनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिए धावेदन करे। धनुमोदन की धवधि बढ़ाने के लिए धावेदन करे। धनुमोदन की धवधि वहाने के संबंध में किए गए धावेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक घोर घोषोगिक धनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 424 (का. मं.धी.जी./एम-12/ कल./35/(1)(ii)/89-मा. कर (छूट)]

Calcutta, the 22nd March, 1991 INCOME TAX

S.O. 1657.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-

trial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Restarch and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

World Wide Fund for Nature—India, Post Box No. 6042, Clo Godter & Boyce Mfg. Pvt. Ltd., Lalbaug, Parel, Bombay-400 012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 424 (F. No. DG|M-12|Cal|35(1)(ii)]89-IT(E)]

का. घा. 1658.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एसदहारा यह घछिसूचना जारी की जाती। है कि निस्तिविक्त संगठन की, घायकर घिषित्यम 1961 की धारों 35 (पैतीस/एक/दी) की उपधारा (1) के ख (ii) के लिये, सिचव, वैज्ञानिक धौर शौधोगिक घनुसंधान विभाग की सहमित से, घायकर नियम, 1962 के नियम 6 के घिषीन विहित प्राधिकारी प्रचात महानिदेशक (धायकर छूट) द्वारा निस्तिविक्त शहों पर "संस्थान" प्रवर्ग के छाधीन अनुसंदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक धलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्राप्ते व जानिक धनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक पार्षिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के निये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सिवन, वैज्ञानिक व बीचोगिक धनुसंधान विभाग, बौद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड नई विल्ली-110016 की भेजेंगा।
- (3) यह प्रत्येंक वर्ष की 30 जून तक' लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति धपनी-रुपय, मार्गतयों एवं देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ध) सचिव, वंज्ञानिक व घोद्योगिक भनुसंधान विभाग, भीर (ग) मायकर भाषुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकर में पड़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

मगठन का नाम

नेशनल इंस्टिटयूट मॉफ रक मेकानिक्स (कोलार) (भूतपूर्व — कोलार इंस्स्टिट्यूट ग्राफ रक सेकानिस्स एंड ग्राखण्ड कस्ट्रील)

बम्पीयन रीफान पी. झा. कौलार गोल्ड फील्ड स-563117. कर्णाटक:

यह ग्रधिमूचना दिनांक 14-1990 से 31-3-1991 तक की ग्रवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पनी: संगठन की शनुमौदन की शर्वाध कहामें के लिए शनुमौदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भायकर भायुक्त/प्रायकर निर्देशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में गढ़ना है, के माध्यम से भायकर महानिष्णिक (छूट), शलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करने के लिए मुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां भनुमीदिन प्रादेश उपर्युक्त तीन भाह की समाप्ति पर प्रयत्ता उक्त भविष की सभाष्ति के ठीक पूर्व प्रात्त हुंधा हो, संगठन भन्मोदित शादेश प्राप्त करने के पश्चात स्थाशीझ भनुमोदन की की भ्रथिमि बढ़ाने **के लिए मानेदन करें। भनुमोदम की भ्रथिम** बढ़ाने के संस्था में किए गए भाषेदन-पत्न की 6 प्रतियां सिंघव, बैल्लिकि भीर भोषोशिक भनुसक्षान ≀क्षाग की प्रस्तुत करना हैं।

[सं. 425 (फा.स.बी.जी./ $\dot{\vec{n}}$, टी. 31/कल./35 (1) ($\dot{i}\dot{i}$)/89-मा. कर (खूट)]

INCOME TAX

- S.O. 1658.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Restarch and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Rock Mechanics (Kolar), (Formerly:—Kolar Institute of Rock Mechanics and Ground Control), Champion Reefs P.O. Kolar Gold Fields-663117, Karnataka.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Iniome-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 425 (F. No. DG|KT-31|Cal|35(1)(ii)|90-IT(E)]

आयकर

का.शा.1659.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एत्द्वारा यह प्रधि-सूचना आरी किया जाता है कि निम्तिलित संगठन की, सायकर प्रधि-नियम 1961 की धारा 35 (पँसीम/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के निये, सचिव, जैक्वानिक और बौद्योगिक अनुसंधान निभाग की सहमति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिवेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्तिलित शर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन प्रनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक धनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये धलग लेखा रखेंगा ।
- (2) यह प्रयान बैमानित प्रनुरंबात संबंधी कार्यकलाभी का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विक्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई नक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, श्रीधोगिक भवन, न्यू मेहरौली राड, नई विल्ली-110016 की मेजेगा ।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-गरीक्षत वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रवनिष्णय, धास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिंहत, (क) महानिदेशक (धायकर छूट) (ख) सिंबव, वैज्ञानिक च भौद्योगिक प्रतुसंधान विभाग, अं।र (ग) प्रायकर प्रायुक्त/ग्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा ।

संगठा का नाम

सैन्टर फार रिसर्च एवड बिबेनश्चरमेंट, 175, डॉ. डी. एन. रोड,

बम्बई-400001.

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक की ध्रवश्चि के लिय प्रभावी है।

टिल्पणी: संगठन को अनुमोदन की अविध अवाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तील माह पूर्व आयकर आयुक्त/अयकर निर्देशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माठयम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त सविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीन्न अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सी अधि श गए आवेदन-पन्न की विभाग की प्रस्तुत करना है।

[सं. 426 (फा.सं.घी.जी./एम-87/कल./35/(1)(iii)/89-घा. कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1659.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary. Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain a separate

account of the sums received by it for Scientific Research;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Central for Research and Development, 175, Dr. D. N. Road, Bombay-400001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1992.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Iniome-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 426 (F. No. DG|M-87|Cal|35(1)(iii)|90-IT(E)]

का.धा. 1660. -- सर्वसाघारण की सूचना के लिपे एतर्दार यह प्रधिसूचना जारी की जाती है कि निम्निलिखित संगठन को, धायकर धिर्मियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिचन, पैज्ञानिक और औद्योगिक धनुसंघान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के घ्रधीन विहित प्राधिकारी धर्यात् महानिवेणक (धायकर छूट) द्वारा निम्निलिखित गती पर "संस्थान" प्रवर्ग के घ्रधीन धनुमोदित किया गया है ।

- (1) संगठन वैज्ञानिक धनुसंघान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भाग लेखा रखेंगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यकलाणें का एक वार्षिक विवरण प्रस्थेक वित्तीय वर्षे के तिये, प्रत्येक वर्षे की 3। मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक धनुसंधान विभाग, बौधोगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड नई विल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्षकी 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखां की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के निवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सनिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान निभाग, और (ग) धायकर

भागुक्त/भागकर निवेशक (खूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है,को प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

वी बिड़ला इनस्टिट्यूट ग्राफ साइस्टिफिक रिसर्च, 78, सँयद ग्रमीर ग्रली एवेन्यू, कलकत्ता-700019.

यह भाधिपूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविधि केलिए प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमीदन की अधीध बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/धायकर निवेशक (छूट), जिनके छोलाधिकार में संगठन में पढ़ता है, के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुकाब दिया जाता है। विशोध मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदित आवेश प्राप्त करने के पश्चात् यथा शोध अनुभोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदिन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदिन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिय, वैज्ञानिक और आधोगिक अनुसंधान विश्वाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 427/फा.सं.की.जी./इक्ट्यू.बी. 11/फल./35/(1)(ii)/89-भारकर (जूट)]

INCOME TAX

- S.O. 1660.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary. Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Restarch and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Birla Institute of Scientific Research, 78, Syed Amir Ali Avenue, Calcutta-700019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Iniome-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary. Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 427 (F. No. DG]WB-11|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

का.धा. 1661. -- सर्वेसाधारण की सूचना के लियँ एतर्द्वारा यह प्रधि-सूचना आरी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, भ्रायकर प्रधि-नियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपप्राप्ता (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, बैजानिक और औद्योगिक धनुसंधान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962. के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधि-कारी प्रयांत् महानिदेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखिल भातों पर "संध" प्रवर्ष के प्रधीन प्रनुसोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक मनुसंधान के जिये प्राप्त धन के लिये एक मलग लेखा रखेगा ।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये, प्रत्यंक वर्ष की 31 मई तक, सर्विव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली भवन, न्यू मेहरौली रोड नई विरूल-110016 को भेजेगा ।
- (3) यह प्रत्मेक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परिक्षित वार्षिक लेखों के एक प्रति अपने-अपन, म्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेणक (ग्रायकर छूट), (ख) सिवव, वैज्ञानिक व औद्योगिक मनुसंघान विभाग, और (ग) भ्रायकर धायुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

के. जे. रिसंच फाउनदेशम,

941, पूनमाल्ली हाई रोड,

मद्रास-600084,

(भारत)

सह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-4-1991 तक की भवधि के लिये प्रमाणी है।

रिप्पणं : संगठन को अनुमोदन कं अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार संगठन में पढ़ता है, के माध्यम से प्रायकर महानिवेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में धावेदन करने के लिए सुझाव विया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवंश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठम अनुमोदित आवंश प्राप्त करने के पश्वात् यथाशीझ अनुमोवन की अवधि बढ़ाने के लिय आवेशन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेशन-पत्न की 6 प्रतियां सचिव, वैशानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 428/फा.सं.की.जी./टी.एन. 2/फेल./35/(1)(ii)/89-मा. कर (छूट)]

INCOME TAX

- S.O. 1661.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary. Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activitits to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Restarch, and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

K. J. Research Foundation, 941, Poonamallee High Road, Madras-600084, (INDIA).

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Iniome-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary. Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 428 (F. No. DG|TN-2|Cal|35(i)(ii)|89-IT(E)]

आयक्र

कलकत्ता 25 मार्च, 1991

का. था. 1662:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतथहारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन की, धायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/ए/वी) की छप्धारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, पैज्ञानिक और धौडीशिक अनुसंधान विभाग की सहभति से, धायकर नियम, 1962 के नियम

- 6 के मधीन विहित प्राधिकारी भवात सहयिनदेशक (भायकर छूट) द्वारा निस्निलिखत गर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के मधीन मनुमोदित किय गर्मा है।
 - (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधाम के लिये प्रमण्त धन के लिये एक धलग लेखा रखेगा।
 - (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रनुसंघान संबंधी कार्यकलापों का एक वाधिक विवरण प्रत्येक विश्लीय वर्ष के लिये, प्रत्येक क्यं की 31 मई तक, सिषव, वैज्ञानिक व घौद्योगिक धनुसंघान विभाग पौद्योगिक भवन, स्यू महरीली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा।
 - (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-प्राय, मास्तियों एवं देनवारियों के विवरण सहित, (क) महानिवेशक (आयकर छूट), (ख) सिंधि, वैश्वानिक व मौद्यौगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) भायकर प्रायुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मैन-मेब टैक्सटाइल रिसर्च एसोसिएमन, माफिट टेलीफोन एक्सचॅंज के सामने, रिंग रोड, पुरत-395002

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के सिये प्रधावी है।

िटपणी :—संगठन को धनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए धनुमोदन की समाधित के तीन माह पूर्व घायकर प्रायुक्त/धायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता का तीन प्रतियों में धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता का तीन प्रतियों में धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता जाता है। विशेष मामलों में, जहां धनुमोदित धावेण उपपूकत तीन माह की समाधित पर घयका उक्त धवधि की समाधित के ठीक पूर्व प्राप्त हुंचा हो, संगठन मनुमोदित धावेण प्राप्त करने के पश्चात यथाशीध्र मनुमोदन की धवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए धवेबक-पत्त की धवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए धवेबक-पत्त की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक धोर धौधोनिक धनुसंधान विधाग को प्रस्मृत करना है।

[सं. 429/फा. सं. बी. बी./जी-17/कल./35/ (i) (ii)/89-मा. कर (छूट)]

Calcutta, the 25th March, 1991

INCOME TAX

- S.O. 1662. It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activitits to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Restarch, and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Man-Made Textile Research Association, Near Market Telephone Exchange, Ring Road, Surat-395002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Iniome-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 429 (F. No. DG|G-17|Cal|35(1)(ii) |89-IT(E)]

भावकर

का. था. 1663 :--सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतवदारा यह प्रक्षित्वना, जारी किया जाता है कि निम्नलिखिन संगठन को धायकर प्रधिनियम, 1961 की धाया 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक ग्रीर भीधोगिक भनुसंधाम विभाग की सहमित से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विद्रित प्राधिकारी प्रयात महानिदेशक (भायकर छूट) हारा निम्नलिखित शर्तो पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन प्रमुसीक्षित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रमुगधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भलग लेखा रखेगा।
- (2) यह माने बैजानिक पनुसंघान संबंधी कार्यग्रलापों का एक याधिक विवरण प्रत्मेक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्मेक वर्ष की 31 मई तक, सचिल, बैजानिक व भौद्यीगिक अनुसंधाम विभाग, भौद्योगिक भवन, भ्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 की भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जूम, तक, निकान्गरीकित वार्षिक नेयों की एक प्रति धपनी-ध्यय, धास्तियों एवं देनदारियों के विश्वरण सहित, (क) महानिदेशक (धायकण छूट (ख)

सिंजित, तैज्ञानिक व भीयोगिक मनुसंधान विभाग, भौर (ख) भायकर भायुक्त/भायकर निदेशक (खूट) जिनके क्षेत्राधि-कार में पड़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सीताराम भारतीय इन्स्टिह्यृट भ्राफ साइभ्रन्स एण्ड रिसर्चे, पर्लंट नं.—1-ई 216, ए. जे. सी. बोस रोड, कलकत्ता—700017

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की सर्वाध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को ध्रमुमोदन की ध्रवधि बढ़ाने के लिए ध्रमुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भायकर ध्रायुक्त/ध्रावकर निदेखका (छूट) , जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम ध्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता, को तीन प्रतियों में ध्रावेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुनेदित ध्रादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर प्रथमा उक्त ध्रवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुंगा हो, संगठन ध्रमुमोदित भादेश प्राप्त करने के पक्तात यथाशीद्य ध्रमुमोदन की भ्रवधि बढ़ाने के लिए ध्रावेदन करें। ध्रमुमोदन की ध्रवधि बढ़ाने के लिए ध्रावेदन करें। ध्रमुमोदन की ध्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, बढ़ानिक भीर प्रीधीपिक ध्रमुसंधन विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 430 (फा. सं. डी. जी./इक्स्यू./बी. 38/कल./35/(1) (ii) 89-मा. कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 1663.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sitaram Bharatia Institute of Science & Research, Flat No. 1-E, 216, A.J.C. Bose Road Calcutta-700017.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (ln the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 430 (F. No. DG|WB-38)Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

आय पर

का. मा. 1664 :— सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्ग्रारा यह प्रिध्नूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन की मायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/वो तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञामिक ग्रीर पौषीपीक भनुसंघान विभाग की सहमति से, मायकर नियम, 1962 के नियम 6 के ग्रधीन विहित प्राधिकारी गर्यात महानिदेशक (ग्रायकर छूट) हारा निम्नलिखित गर्नो पर "संस्थान" प्रवर्ग के ग्रधीन ग्रमुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक भनुसंधान के लिये शाप्त धन के लिये एक भूलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक भनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक नाधिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व भौयोगिक भनुसंधान विभाग, भौयोगिक भवन, स्पू मेहरौली रोड, नई दिल्ली—— 110016 को भेजेंगा।
- (3) यह प्रस्पेक वर्ष की 30 जून, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, भ्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिहत, (क) महानिवेशक (ग्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व भौद्यौगिक अनुसंघान विभाग, भौर (ग) भायकर ध्रायुक्त /भायकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

स्टैसिस्टिकल पविलिशिंग सोसाईटी, 204/1, बेरिकपूर ट्रंक रोड, कलकत्ता--700027

यह भ्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की भवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: — संगठन की भनमोदन की भविध बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व मायकर मायुक्त/भायकर निदेशक

(सूद्र), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पहला है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में अनुमोदन करने के लिए सुझाब दिया जाता है। विशेष भामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात, यथाणीआ अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आदेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आदेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, बैकानिक और भौधोगिक अनसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 431 (का .सं. की .जी./इटल्यू.की.-37/कल./35/(1) (iii) 90-मा. कर (छूट)]

Income Tax

- S.O. 1664.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mchrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Statistical Publishing Society, 204|1, Barackpore Trunk Road, Calcutta-700027

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation

may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 431 (F. No. DG|WB-37|Cal|35(1)(iii)|90-IT(E)]

घायकर

का. धा. 1665.--सर्वसाधारण की सूचना के लिये एत बृहारा यह प्रधिसूचना जारी किया जाना है कि निम्निलिखित संगठन को श्रायंकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 3 (पैतीस/एक/दो की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भधीन विवित प्राधिकारी भर्यात् महानिदेशक भायकर (छूट) हार ा निम्निलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन मनुसोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिए एक भलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक धनुनंधान संबंधी कार्यंकलापों की एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई, तक, सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग औद्योगिक भनन न्यू महरौली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ग की 30 जून नक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखाओं की एक प्रति भ्रपनी व्यय, भ्रास्तियों एवं देनदारियों के के विवरण सहित, (क) महानिदेशक भ्रायकर (छूट) (ख) सिषव, वैज्ञानिक व ओद्योगिक भनुसंधान विभाग और (ग) भ्रायकर भ्रायुक्त/भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पहता है, को प्रस्त करेगा।

संगठन का नाम

भाई एन वाई एस भैडिकल रिसेंचे सोसाइटी, 16 वी के एम. यनकुर रोड़, बैगलुर-560073

यह प्रधिसूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविधि के लिए प्रभावी हैं।

टिप्पणी:-- संगठन को अनुमोदन की अवधि धकाने राममोदन की समाप्ति केतीन साह पूर्वे आयकर आयुक्त भागकर निदेशक (छूट), जिनके **क्षेत्रा**धिकारः पड़ता है, के माज्यम से प्रायकर मह। निदेशक कलकत्ता को त₁न प्रतियों लिए मुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों अनुमौदित आदेश उपयक्त संग्न माह को समाप्ति भवधि का समाप्तिके पर प्रयवा उ∓त हो, संगठन धनुमोदिन प्राप्त 641 प्रावेश प्राप्त पक्ष्वात यथाशीघ भनुमोदन बढाने क लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबद्ध र्मे किए भावेदन गव प्रतिया वैज्ञानिक और औद्योगिक भनुसंधान विभाग को प्रस्तृत करना है

[संख्या 4.32/फा. सं. डी. जी. के. टी. 12/कल./35(1) (ii) 89 था. कर (छूट)]

- S.O. 1665.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five one two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Elepartment of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION I.N.Y.S. Medical Research Society, 16th KM Tamkur Road, Bangalore-560073.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Deparment of Scientific & Industrial Research.

[No. 432 F. No. DG|KT-12|Cal(1)NG|19-IT(E)]

<u>प्रायकर</u>

का. या 1666: —सर्वपाधारण की सूचना के लिए एसद्कारा यह अधिसूचना जारी के जाती है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतिस/एक/दो) उपधारा(1) क खण्ड(ii) 44! (37/91 —6.

- के लिए सिखब बैजातिक और औधोगिक अनुसंधान विभाग की सहमति स आयकर नियम 1962 के नियम 6 के अद्योन विदित प्राधिकारी अर्थीत महा-निदेशक (भ्रायकर छूट) द्वारा निम्नतिखित गना पर "संख्यान" प्रवर्ग के स्रधीन सनुसादित किया गया है:--
 - (1) संगठन वैज्ञानिक प्रतृसंघात के निरंप्राप्त बन के लिये एक प्रजा लेखा रखेगा।
 - (2) यह प्रपत्ने वैज्ञानिक प्रतृषंत्रान संग्री कर्षकारीं का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचित्र, वैज्ञानिक न औपानिक प्रमुसंधान विभाग औद्योगिक भवन, न्यू नेप्रगेती राप्त नई दिल्ली-110016 की भेजेगा।
 - को 30 जून तक, लेखापरीक्षित (3) यह प्रत्येक वर्ष की एक प्रति भ्रपनी ब्यप भ्रास्त्रियों वार्षिक वेखों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक देनदारियों वैज्ञानिक व औद्योगिक (ख) सचिव, (ग्रायकर छुट) ग्रनसंधान विभाग, और (ग) ग्रायकर ग्रायुक्त/ग्रायकर जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को निदेशक (छट) करेगा। प्रस्तुत

संगठन का नाम

हांडू फाउनडेशन फार हैल्थ केथर, मार्फत : हांडू फार्भास्य टिकल वर्ष्स लि., गोखले रोड़ साउथ, बम्बर्ड -400025

यह ग्रधिसूचन। दिनांक 16-8-1990 मे 31-3-1991 तक की श्रवधि के लिये प्रभाशि है।

की ग्रवधि बढाने के लिए भन्-टिप्पणी:--संगठन को भनभोदन मोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भ्रायकर आ*म्*क्त/ जिनके क्षेत्राधिकार निदेशक (छूट) में संगठन पड़ता है, के माध्यम से ब्रायकर महानिवेणक में भावेदन को तीन प्रस्तियों (ਲੂਟ) कलकत्ता करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों भ्रादेण उपयुक्त तीन माह भ्रनुमोदित भ्रविधि कीसमाप्ति की समाप्ति पर भ्रयवा उपन ठोक पूर्व प्राप्त हुन्ना हो, संगठन भनुमोदित स्नादेश प्राप्त करने यथाणीच्र ग्रन मोवन की भ्रवधि के पाश्चात् के लिए प्र≀वेदन करे। श्रनुमोदन की श्रवधि बहाने में किए भ्रावेदन संबंध गार की 6 प्रतियों सचित्र, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग को प्रस्तृत करना है

[मं. 433 फा. स. डो. जंर. / एन 112/कर./35/(1)(ii) 90 प्रा. कर (छुट)]

Income Tax

- S.O. 1666.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road. New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions). (b) Secretary, Prpartment of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax (Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited captual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities,

NAME OF THE ORGANISATION

Zandu Foundation for Flealth care Clo. Zandu Fharmaceutical Works Ltd., Gokhale Road South, Bombay-400025.

This Notification is effective for the period from 16-8-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary. Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 433 (F. No. DG|M 112|Cel/35'1)(ii)|96-IT(E)]

ग्रायकार

का. या. 1667.—पर्वमाधारण की सूचना के लिये एतदहारा यह प्रिधिस्चना जारी की जातो है कि निम्नलिखित संगटन की, प्रायकर प्रिधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दी) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक भ्रीर भ्रीद्योगिक अनुमंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात (महानिदेशक ग्रायकर छूट) हारा निम्नलिखित सर्वो पर "संध" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन वैज्ञानिक ग्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक ग्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपते वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलामों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष को 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व श्रौद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, श्रौद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड़् नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून, तक, लेखा पर क्षित शिषक ने खों की एक प्रति प्रपत्ति-व्यय, श्रास्तियों एवं देनदारियों के नियरण सहित, (क) महानियेक (श्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व श्रीद्योगिक अनुसंधान विभाग, श्रीर (गं) श्रायकर श्रीयुक्त / श्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्र धिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुह इंस्टिट द्यूट म्राफ वाम्रोकेमिस्ट्री 55/5, पूर्ण दास रोड, बालिगंज, कलकत्ता-800029

यह ग्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1992 तक को ग्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:--संगठन की अनुमोदन की ग्रवधि बहाने की सम, प्ति के तीन गाह पूर्व आयुवः/ग्रायकर निरेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन के साध्यम से आयकर मह निदेशक (छुट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में ब्राविदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदिस आदिश उपनुनत तीन माह की समाप्ति पर अथवा उन्ह अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन करने के पश्चात् यथाणीन्न ग्रादेश प्राप्त के लिए ग्रावेदन करें। की ग्रवधि बढाने **अ**तमे दन संबंध प्रन्योदन की ग्रवधि म्रावेदन-पद्म की 6 प्रातियां २ विव, विष गए वैज्ञानिक और अधिशिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

> [सं. 434/फा. सं. डी. जी./इक्ट्यूबी 4/कल./35 (1) (ii)/89 आ. कर (छूट)]

INCOME TAX

- S.O. 1667.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Depti. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to he following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having

jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts thowing its income expenditure and its astets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Chia Institute of Biochemistry, 55/5, Purna Das Road, Ballygunge, Calcutta-700029.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax Director of Income-tile (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional case, where the order granting approval is received after the expiry of the period three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 434(F. No. DG[W]B 4 Cal[35(1)(ii)]89-IJ(E)]

का. मा. 1663 — सर्वेनाधारण की सूचना के लिये एवर्द्वारा यह मिस्सूचना जारी किया जाता है कि निम्निलिखन संगठन की, भ्रायकर मिधिनियम 1961 की धारा 35 (पंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (1) के लिये, संचित्र, तैज्ञानिक धौर भौधोगिक प्रमुमंधान विमाप की सहमति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित्त प्राधिकारी प्रधान सहानिदेणक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्निलिखन गर्ती पर संस्थान प्रश्नों के प्रधीन मनुनेदिन किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक धनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्राप्ता लेखा रखेगा।
- (2) यह घ्रपने वैज्ञानिक कनुसंधान संबंधी कार्यकारणों का एक वार्थिक विषयण प्रत्येक विश्वीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व घौछोगिक प्रनुसंधान विश्वान, घौछोगिक भवन, न्यू मेहरीयी रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्र,त्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, व्यक्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिध्यक (आयकर घृट) (ख) सविद, वैज्ञानिक व बीदोंक्ति अनुसंधान विभाग, धीर (ग) आयकर अध्यक्षत प्रापत्तर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रसूत करेगा।

संगठन का नाम

टाटा एनऑ रिश्चं ध्रम्स्टब्स्ट, 7, जोड़ बाग नई दिल्ली-110003

यह प्रधिसूचना दिनाफ 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिये प्रनाथों हैं। टिप्पणी: संगठन की प्रनुभोदन को प्रतिध बढ़ाने के लिए प्रानुमोदन को समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर प्रापुत्र आयकर निदेशक (फूट), जिनके धौताधिकार में संगठन पढ़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (कूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेचन फरने के लिए मुजान दिश जाणा है। विशेष मामजों में, जहां प्रतु । विशेष मामजों प्रते जहां प्रतु । विशेष मामजों प्रते जहां प्रतु । विशेष मामजों प्रते प्रावेच प्रविधिकों समाप्ति के ठोक पूर्व प्राप्त कृष्या हो, सगठन मतुमोवित प्रावेण प्राप्त करन के परवान् यथा। त्र प्रति का अविध बढ़ाने के सिए आवेदन करे। प्रानुमोदन का अविध बढ़ाने के सिए आवेदन करे। प्रानुमोदन का अविध बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन करे। प्रानुमोदन का स्रविध त्र के संबंध में किए गए आवेदन करे। प्रानुमोदन का स्रविध वढ़ाने के संबंध में किए गए प्रावेचन विभाग को प्रस्तुन करना है।

[सं. 435 (फा. सं. की. जा./एन. की. 82-फल./35 (1) (¹)/ 90—आ. बार (छूट)]

S.O. 1668.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Dopti. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Fivejonejtwo) of the Income-tax Act, 1961 under the category 'Institution' subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Tata Energy Research Institute 7, Jorbagh, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation

may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 435 (F. No. DG]ND-82 | Cal | 35(1)(ii) | 90-1T(E)]

- का. घा. 1669.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतव्हारा यह घ्राधिन्यना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, ध्रायकर प्राधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, धैज्ञानिक और प्रीधोगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, ग्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के घ्राधीन विहित प्राधिकारी प्रथात् महानिवेशक (श्रायकर छट) द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "युनिवर्सिटी" प्रवर्ग के श्रधीन अनुमोदित किया गया है।
 - (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा ।
 - (2) यह प्रपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व भौद्योगिक अनुसंधान विभाग, श्रौद्योगिक भवन, स्यू मेहरौली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
 - (3) यह प्रस्पेक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, भ्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (भ्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व भौदोगिक भनुसंधान विभाग, भीर (ग) भ्रायकर भागुकत भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पढ़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बिड्ला १न्(स्ट्ब्यूट भाफ टॅक्नोलाजी, मेसरा-835215, रांची, बिहार।

यह मधिसूचना विनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की म्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को अनुमोबन कीण् अविश्व बढ़ाने के लिए अनुमोबन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त आयकर निर्देशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेबन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीध अनुमोदन की प्रविध बढ़ाने के लिए आवेबन करें। अनुमोदन की अविध बढ़ाने के स्वध के संग्रि पर आवेबन कहें। अनुमोदन की अविध बढ़ाने के स्वध में किए गए आवेबन-पन्न की 6 प्रतियां सचिव, कैज्ञानिक और अपैद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 436 (का. सं. डी. जी./बी—1/कल, 35 (1)(ii)/ 89——मा. कर (छूट)]

S.O. 1669.—It is hereby notified for general Information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific &

Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Institute of Technology, Mcsra--835215, Ranchi, Bihai.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply triplicate) for further extension the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

(No. 436|F. No. DG|B-1|Cal.| 35(i)(ii) 89-ITE).

कलकता, 26 मार्च, 1991 अध्यकर

का. आं 1670 .— सर्वसाधारण की सूचना के लिय एतर्द्राग यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखिन संगठन को, प्रारिश्त प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस एक तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सिचन, वैज्ञानिक और धौद्योगिक धनुसंधान विभाग की सहमति से, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के ध्रधीन विहिन प्राधिकारी धर्यात् महानिदेशक (ध्रायकर लूट) द्वारा निम्नलिखिन णनौं पर "संस्थान" प्रवर्ग के ध्रधीन धनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन **पैका**निक धनुमंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्राप्ता लेखा रखीगा।
- (2) यह प्रपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबन्धी कार्यकलाणों का एक नार्षिक विवरण प्रत्येक विक्तिय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 3 1 म क्ष तक, सचिव, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक प्रनुसंधान विनाग, प्रौद्योगिक भवन, म्यू मेह्र्रौली रोड, मई विल्ली-110016 को भेजेगा।

(3) मह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-ध्यय, म्राम्तियों एवं देनदारियों के विकरण सिहत, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञातिक व म्रीटोगिक प्रनुमंधान विभाग, मीर (ग) प्रायकर प्रायुक्त/ प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ठाकुर रिसर्च फाउनहेशन, 212, दीन दयाल मार्ग, नई दिल्ली-110002.

यह प्रधिमुखना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिल्पणी: सगठन को धनुमीदन की ध्रवधि बढ़ाने के लिये अनुनीदन की
समाप्ति के तीन माह पूर्व ध्रायकर आयुक्त/ध्रायकर निदेशक
(छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पढ़ता है, के माध्यम
से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियो मे
धावेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में,
जहां धनुमें।दिन धादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर
ध्रथवा उक्त प्रविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो,
संगठन धनुमोदित धादेश प्राप्त करने के परजात् यथाशीध्र
प्रनुभीदन की प्रविध बढ़ाने के लिये धावेदन करें। धनुनीदन
की ध्रविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए धावेदन-पत्र की
6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और भौद्योगिक धनुसंधान विभाग
को प्रस्तुत करना है।

[सं. 437(फा. मं. डी. जी./एन. डी. 40/कल./35(1) (iji)/ 89—मा. कर (छूट)]

INCOME TAX

Calcutta, the 26th March, 1991

- S.O. 1670.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Depti. of Scientific & Industrial Research or the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35(Thirty Five|one|three) of the Income-tax Act 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Incom-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Thakur Research Foundation, 212, Deen Dayal Marg, New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

NOTE: The organisation is advised to apply triplicate) for further extension of the approval, to the Director General οř Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 437 (F. No. DG|ND-40|Cal|35(1)(iii) |89-IT(E)]

भ्रायकर

का. श्रा. 1671 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एनद्द्रारा यह श्रिधसूचिन किया जाता है कि निम्नितिश्वित सगरत को, श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की श्रारा 35 (पैनीम/एक/री) को उन्धारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिंबद, वैज्ञानिक और औद्योगिक श्रानुश्रधान विभाग की सहमति से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के श्रश्रोन विश्वित प्राधिकारी श्रयित् महानिदेशक (श्रायकर छूट) हाग निम्नलिखित शर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के श्रश्रीन श्रम्भादित किया ग्राहि

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के निये एक प्राप्ता लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक प्रतुसंधान संबंधो कार्यकरात्रां का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये. प्रत्येक वर्ष की 31 मई नेक, सचित्र, वैज्ञानिक व औद्यागक प्रतुनंबाक विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौलो रोइ, नई दिल्ली-110016 की मेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक यथं की 30 जून तक, लेखा-गरीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रपती-च्यय, प्रास्त्रियां एवं देनदारियों के विश्वरण महित, (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट), (ख) स्राविक, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंशत विभाग, और (ग) प्राप्त र प्रायुक्त / प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कारेन्ट साइश्रन्स एसोशिएमन, पी. बी. नं. 8001, मी. बी. रमन एकेन्द्र मवाशिबनगर, बैगलूर-560080

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1989 से 31-3 1992 तक की ग्रयधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन को अविध बड़ाने के तिये प्रनुनादन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आवकर आधुका/जायकर निवेणक (छूट), जिनके अविधिकार में संगठन पड़ता हैं, के साध्यम से आयकर महानिदेणक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में आयेवन करने के लिये मुझाव विधा जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुनादित आदेण उत्तर्यक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अविध को समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, सगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाणीख अनुमोदन की अविध बढ़ाने के

लिए घावेदन करें। अनुभोदन की खलांश बद्दाने की सन्त्रन्थ में किए गए धावेदन-पत्त की 6 प्रतियां सन्तिय, वैज्ञानिक और बोद्योगिक प्रतुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 438/फा. सं. डी. जी./के. टी. 27/फल./35/(1) (ii)/90/ आ. कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1671.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-Tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five one two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for scientific Research:
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION Sadashivanagar, Bangalore-560080.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1992.

Current Science Association, P. B. No 8001, C. V. Raman Avenue,

NOTE The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 438|F. No. DG|KT-27|Cal.|35(1)(ii)|90-IT(E)]

आयकर

का. आ. 1672 :— सर्वसाधारण की सूचना के लिये एसदृहारा यह प्रधिस्चित किया जाता है कि निम्मलिखित संगठन को, साम्बर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो) की जाधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचित्र, वैज्ञानिक और औद्यौगिक प्रमुसंधान विभाग को सहमति से, प्रायंतर निवन, 1932 के निवन 6 के प्रशासिति । प्राविकारी धर्मोत् सहानिदेशक (बायकर छूड़) द्वारा निम्नतिविक्त गर्ना पर "संस्थान" प्रवर्ष के ध्यीन अनुमोदित किया गरा है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के निये प्रान्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैद्यानिक अनुतंत्रान तंबंधी कार्यकतापों का एक बालिक निवरम प्रत्येक विलीय गर्व के लिये, पायेक नर्व को 31 मई तक, सलिब वैवानिक व बोगोनिक प्रमुदंगत लिगान बोबोगिक भवन, स्यू नेहरीती रोज, नहें दिल्लो ---119016, को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेका-विधित काँ कर लेकों की एक प्रति अन्तो-क्या , आस्तियों एवं देवदारियों के विसरण सहित, (क) महाविदेशक (आवकर छूर) (ब) राचित्र, वैद्यालिक व लीचोशिक अनुसंसात विसरा, और (प) आयकर आयुक्त/आवकर विदेशक (छूट) जिलके जैवाजियार में पड़ता है, को अस्तुत करेता।

संसठन का नाग

राजिसिल श्राफ पानर यूटिनेटिज, सी बी श्राई एण्ड पी विल्डिनस. माजवां सांगे, घापत्यपुरी, नई दिल्ली—110021

यह प्रधिसुचना दिनांक 13-9-1090 है 31-3-1091 तक का अवधि के लिये प्रभावी है।

डिप्पणी: संगठन को अनुभावन की अपि बहाने के लिय अनुपादन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भाषकर आयुक्त अपकार निवेशक (कूट), जिनके वैजातिकार में पंतरत पढ़ता है, के माध्यम से आयकर महातिकार में पंतरत पढ़ता है, के माध्यम से आयकर महातिकार (कूट), करकता को तीन प्रतियों में अपनेदन करने के लिये सुआव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुभावित आयेश उपवृक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उनत अविध की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुभावित आयेश आदा कर के पश्चात व्याशीध अनुभावित की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुपादन की अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुपादन की अविध वढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुपादन की अविध वढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुपादन की अविध वढ़ाने के लिए सावेदन करें।

[सं. 439/फा. सं. डी. जो. /एन. डी./63/क्ल. / 35/(1) (ii)/89-जा. कर (छुड़)]

INCOME TAX

S.O.1672.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-Tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Fivelone two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) 'The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for scientific Research:
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secre-

tary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehtani Road, New Deni-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Re earch and (c) Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Council of Power Utilities, CBI & P Buildings, Malcha Marg Chanakyapuri, New Delhi-110021

This Notification is effective for the period from 13-9-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Dilector General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exemptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the expiry of the emoths aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary. Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 439]F. No. DG[ND-63]Col.[35(I)(ii) 89-IT(E)1

अध्यक्त

का ग्रा 167३ — सर्वेगाधारण की सवता के जिसे साजवार यह अधिस्त्रका जारी किया भाषा है कि निस्त्रिक्तित संगर्भ को, श्रायकर पश्चितियम 1981 की धारा 45 (कैंसिस्टीनकोतीन) की जयधारा (1) के राण्ट (में) के जिसे मिल्य, दैजानिक और और्लोधिक भारतंथान जिसान की सहस्ति से, अधिकर निषम 1962 के निषम 6 के अधीन विक्ति प्राधिकारी अपीत महानिदेशक (श्रापकर छट) श्राय निभ्नालिखित मनौँ पर "संस्थान" प्रवर्ष के सधीन श्रन्मिदित किया गया है।

- (1) संगयन वैज्ञानिक अनुसंघान के लिए प्राप्त अन के लिए एक अपन केव्य राजेगा।
- (१) यह प्रयन्ते नैज्ञानिक द्यानगंद्यान संबंधी कार्यकरायों का एक वार्षिक विनरण पत्येक रिजीय वर्ष ने निपे, प्रस्थेक वर्ष की 31 सई तक, रुपिय, जैशानिक व औद्योगिक सनगंधान विभाग, भौद्योगिक भवन, त्यू मेहरौती रोड, नर्रिक्जी—-110016 को भेजेगा।
- (3) पह प्रत्येक वर्ष की 30 ज़न सक, गेळ्यू-गरीक्षित वार्षिक रोगों की एक प्रति इपसी-व्याप, द्यास्त्रियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (६) महोनिवेशक (धायकर छट), (ख) सचित, कैतानिक व औदोगिक धनुसंगान विभाग, और (ग) धायकर धाएकर / आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेताधिकार में पद्ता है, को प्रस्तुक करेगा।

भंगदेव का नीस

दे एकीई सोशाप एक लेकर जिसमें फाउंसरेशन, सार्थन-के इसाला, श्रेत फेररेशन अधि क्रिन्था, आर्ति एक सेशी विकिथ्य, 148, महात्मा गणी शेड, इस्कर्ट-400023

सह ऋधियूचना किंभक 1-4-1990 से ३१-3-1001 तह की द्वाबि के स्थि प्रवासी है।

टिप्पणी — संगठन को यनसंग्रन की प्रविध यगो के निये प्रमुपीयन की गुनाधिक के तीन भार पूर्व प्रपानन पर्वता करें गुनाधिक के तीन भार पूर्व प्रपानन पर्वता है, के मध्या से आयकर गृहाविध्यान (छूट), कनकता की तीन प्रतियों में प्रायदन करने के लिये सुझान दिशा जाता है। तिणेष मागणां भें, जार प्रमुपिदण ग्रावेण उपपृष्ति तीन मान्न की प्रमापित पर अयथा अन्त श्रवधि की समापित के टीक पूर्व प्राप्त हो। तेंगणा निर्मादन प्रमुपीदित प्रावेण प्राप्त करने के प्रचार प्रथाणीत प्रमुपीदन की प्रविध बराते के लिए प्रावेदन करें। अनुसीदन की प्रविध बराते के लिए प्रावेदन करें। अनुसीदन की प्रविध तीन भीर भीरोन प्रमुपीदन की सम्बन्ध में किए गए प्रावेदन प्रवाही के प्रमुपीदन की सम्बन्ध में किए गए प्रावेदन प्रवाही के प्रमुपीदन की प्रमुपीदन की सम्बन्ध में किए गए प्रावेदन प्रवाही के प्रमुपीदन की प्रमुपीदन करना है।

[मं. 440 /फा. म. की. जी./एम-29/ कल./ 35 (1) (iii)/ 89-प्राय कर (धुर)]

INCOME TAX

S O. 1673.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-Tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of subjection (f) of Section 35(Thirty Hive|one|three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for scientific Research:
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The FFI Social & Labour Research Foundation, Co The Employers' Federation of India, Army & Navy Building, 148, Mahtama Gandhi Road, Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Ditector of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[N. 440]F. No. DG|M-29|Cal.|35(1)(iii)|89|[T(E)]

का. प्रा. 1674 :—सर्वेसाघारण की सूचना के लिये एनद्द्वारा यह प्रधिस्चित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, घायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 35 (पैतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और भौद्योगिक प्रनुसंधान विभाग की सहसति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रयत् महानिवेणक (घायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "संघ" प्रवर्ग के प्रधीन धन्मोदित किया गया है।

- (1) मंगठन वैज्ञानिक प्रानुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रालग लेखा रखेगा।
- (2) यह प्रपने वैकानिक प्रनुमंद्यान संबंधी कार्यकलागों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचित, वैज्ञानिक व श्रीचोगिक प्रनुसंधान विभाग, भौद्योगिक भवत, त्यु भेद्ररौती रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति प्रपनी-ध्यय, प्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सित, (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट) (ख) सचिव, वैशानिक व भौधोगिक मनुसंधान विभाग, मौर (ग) भायकर भ्रायुक्त / भ्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पढ़ना है, को प्रस्तृत करेगा।

संगठन का नाम

बतरा मेक्टिन रिवर्त सेन्टर.

भ्रमिया कदल,

बादणा चौक,

श्रीनगर (कार्यान)

यह मधिमूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 सक की ग्रावधि के सिये प्रभावी है।

टिप्पणी: संगठन को प्रनुभोदन की भवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाित के तीन माह पूर्व भायकर प्रायुक्त भायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से धायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में भावेदन करने के लिये मुझाव दिया जाता है। विभेष मामलों में, जहां भ्रनुमेदित भादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर भ्रथवा उक्त भ्रवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन भ्रनुमोदित भादेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीध्य भ्रनुमोदन की भ्रवधि बढ़ाने के लिए भ्रावेदन कों। भ्रनुमोदन की भ्रवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए भ्रावेदन न्यत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैक्रानिक भ्रीर भीषोगिक भ्रनुसंधात विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 441 / फा. सं. डी जी./जे एण्ड के-2 / कल./35 (1) (ii) / 88-मा, कर (छुट)]

INCOME TAX

- S.O 1674.—It is hereby notified for eneral information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-Tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five one two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Batra Medical Research Centre, Amira Kadal, Badshah Chowk, Srinagar (Kashmir).

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 441 F. No. DG]J&K-2[Cal]35 (1)(ii) [88-IT(F)]

आयकर

का. भा. 1675:—-मर्वमाधारण की सूचना के लिये एनद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्निलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/को) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और भौगोिशक प्रनृसंधान विभाग की सहमति से, भायकर नियम, 1962 के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी प्रथात् महानिदेणक (ग्रायकर छूट) ब्राग निम्निलिखित गर्नो पर "मंस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुसोबित किया गया है।

(1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुमधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रलग लेखा रखेगा।

- (2) यह अपने अंतर्गता प्राप्ता पंत्री कर्णकाणी का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व ब्रीबोर्गिक प्रनुस्थान विभाग ष्रीबोर्गिक भवन, स्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 की भेजेगा ।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून, तक, लेखा-परीक्षित वाषिक लेखों की एक प्रति श्रपनी ध्यय, श्रास्त्रियों एवं देनदारियों के विवरण सहिन, (क) महानिदेणक (श्रापकर छूट), (ख) सचिव, बैजानिक व भौधोषिक अनुसधान विभाग, भौर (ग) प्रायकर श्रायुक्त/श्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पहना है, को प्रस्तुन करेगा।

सगठन का नाम

द इल्स्टीट पूणन ऑक इंजीनियर्स (इण्डिया) ८. गेंखने रोड, कलकत्ता-700020 ।

यह ग्रिधमुचना दिनांक 1-4-1990 में 31-3-1991 तक की ग्रवधि के लिये प्रभावी हैं।

टिल्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन साह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर तिदंशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पहला है, के साध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाल दिया जाता है। विणेष सामलों से, जहां अनुमोदित आदेश उपयुक्त तीन साह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुगा हो, संगठन अनुमोदित आयेण प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीध अन्मोदेन की अवधि बढ़ाने के निष् आयेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के निष् अवधि स्वान के सम्बन्ध में किए गए आयेदन-पत्न की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और अगेर अगेरा सीचा, वैज्ञानिक और

[सं. 142 /फा. सं. डी. जी /डब्स्यू. बी. 25/बल. 35 /(1) (ii) 89-प्राः कर (छट)]

INCOME TAX

S.O 1675.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 (Thirty Five one two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for scientific Research:
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax

Director of Income-tax (Exemtpions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institution of Engineers (India), 8, Gokhale Road, Calcutta-700020.

This Notification is effective for the period from 1st April 1990 to 31st March, 1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 442]F. No. DG|WB-25|Cal|35|(1)(iii)|90|IT(E)]

श्रायकः र

कलकत्ता, 27 मार्च, 1991

का. धा. 1676: →-सर्वेसाधारण की सूचना के लिये एमव्ह्वारा यह प्रधिस्चित किया जाता है कि निम्निषिष्ठिम संगठन को ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैंतीम/एक/दी) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और श्रीद्योगिक श्रमुसंधान विभाग की सहमित में, श्रायकर तियम, 1962 के नियम 6 के श्रधीन विहित प्राधिकारी श्रथीन महानिवेणक (श्रायकर छूट) द्वारा निम्निष्ठित शर्वी पर "संस्थान" प्रवर्ग के प्रधीन चन्मोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक प्रनुसधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्राप्तग लेखा क्खेगा।
- (2) यह प्रपन्न वैज्ञानिक प्रनुसंघान सबधी कार्यकलापों का एक बाधिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व बौद्योगिक अनुसंधान विभाग, ब्रीद्योगिक भवन, त्यु मेहरौली रोड, नई दिल्ली—110016, को भेजेगा।
- (३) यह प्रत्येक वर्ष की 30 ज्न तक, लेखा-परीक्षित वाषिक लेखों की एक प्रति ग्रमनी व्यय, ग्रास्तियों एवं देनवारियों के विवरण गहित, (क) महानिदेशक, (ग्रायकर छूट) (ख) गचिव, वैज्ञानिक व ग्रीशोगिक ग्रनुसंधात विभाग, ग्रीर (ग) श्रायकर ग्रायुक्त/श्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पडता है, की पस्तृत करेगा।

संगठन का नाम

स्पीक साइन्स फाउनडेणन,

स्पीयः सेन्टर,

97, माउन्द रोड,

गुन्डी, मद्राम--- 32

यह प्रधिमूचना दिनांक 1-4-1990 में 31-3-1993 तक की प्रअधि के लिये प्रभावी है। टिप्पणी :---संगठन को प्रनुमोदन की घवधि बढ़ाने के लिये घनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व धायकर धायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से धायकर महानिवेशक (छूट), कलकता को तीन प्रतियों में घावेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है:/बिशेष मामलों में, जहां धनुभादिस घादेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर धथवा उक्त घवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन धनुभोदित घादेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ धनुभोदन की धवधि बढ़ाने के लिए धावेदन करें। घनुभोदन की धवधि के सम्बन्ध में किए गए धावेदन करें। घनुभोदन की धवधि के सम्बन्ध में किए गए धावेदन पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक मोर घोदोगिक धनुसंक्षान विकास को प्रस्तुत करना है।

[सं. 443 फा. सं. श्री. जी./टी. एन. 10/कल./ 35 (1) (ii) 89/मा. कर (छूट)]

Calcutta, the 27th March, 1991 INCOME TAX

S.O. 1676.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific and Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary. Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan'. New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax (Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Spic Science Foundation, Spic Centre, 97, Mount Road, Guindy, Madras-32.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having intrisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the

period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 443]F. No. DG|TN-10|Cal|35(1)(ii)|89-IT(E)]

मायकर

का. भा. 1677 - सर्वेमाधारण को सूचना के लिथे ए. १५६ शा यह मिंधसूचित किया जाता है कि निम्नलियिन संगठन को, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैनीस / क/ यां) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सिवंद, वैज्ञानिक भीर भीद्योगिक भनुसंधान विभाग की सहमति से, भ्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भ्रधीन विहित प्राधिकारी भ्रयांन महानिदेशक (भ्रायकर छूट) ग्रारा निम्नलिखित शर्तों पर संस्थान प्रवर्ग के भ्रधीन भ्रमोदित किया गण है।

- (1) संगयन वैज्ञानिक धनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक धनग लेखा रखेगा।
- (२) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलायों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विज्ञीय वर्ष के लिखे, प्रत्येक वर्ष की 31 मई, सक, सचिव वैज्ञानिक व बीधोगिक अनुसन्नाम विभाग, भोदोगिक भवत, स्यू भैहरोली गेड. नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, भ्रास्तियों एवं देनदारियों के विवरण सिहत (क) महानिदेशक भ्रायकर छूट, (ख) सिवत, वैज्ञानिक व भौद्योगिक प्रनुसंघान विभाग, श्रीर (ग) भ्रायकर भ्रायुक्त भ्रायकर निटेशक (जूट) जिनके केल्लाधिकार में पड़ना है, को प्रस्तुन करेगा।

गंगठन का माम

षिष्यन काउंमित झाफ मैंडिकत रिसर्व, झस्सारी नगर, पी. त्री. नं. ---4508 नई दिल्ली-110029

यह प्रशिसूचना दिनीक 1-4-1989 से 31-3-1991 सक की अविध के लिये प्रभाषी है।

टिप्पणी:--संगटन को प्रनुमोदन की भवधि बढ़ाने के लिये प्रमुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व भायकर पायुक्त /पायकर निवेशक (छट) जिलक क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से भायकर महानिवैशक (छुट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में भावेदन करने के लिये सम्मव दिया जाता है। विशेष मामलों में, अन्मोदित भादेश उपयुक्त तीन माह की समाप्ति पर भ्रथवा उभन प्रवधि की समाप्ति के टीक गंगरन ग्रनमोवित प्राप्त हमा हो. पण्यान यशाणील धनुमोदित की भवधि के लिए - मावेदन करे। मनुमोदन को मवधि बहाने के संबन्ध में किए गए आवेदन ঘট 8 प्रतियां सचिव , वैज्ञानिक भीर भीडोगिक भनुमंधान विभाग को प्रस्तृतत करनाहै।

[मं. 444/फा. सं. थी. जी /एन बी-59/कल /35/(1) /90 आयकर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1677.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authorny under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1902, i.e., the Director General of income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Depti. or Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of ub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the nnual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council of Medical Research, Ansari Nagar, P.B No. 4508, New Delhi-110029.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 444|F. No. DG|ND-59|Cal.|35(i)fii)90-IT(E)]

आयकर

का. थ्रा. 1678, ---सर्वेसाधारण की सूचना के लिये एतद्हारा यह अधिसूचना किया जाता है कि निम्निलिखन संगठन को, श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो(की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और आँग्रोगिक श्रनुसंधान विभाग की सहमति से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के

म्रवान विहित प्राविकारो स्रवीत् महानिदेशक (श्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्ती पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन सनुमीदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंघान के लिये प्राप्त घन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैक्षानिक अनुसंधान संबंधो कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विताय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरीला रोड, नई दिल्लो—110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा -परोक्षित वः पिक लेखों की एक प्रति अपना-व्यय, आस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक, (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंघान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त /आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगटन का नाम

महोको रिसर्च फाउन्डेशन, 19, राजमहल 84, वीर नरीमन रोड, बम्बई-400021।

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1991 तक की प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिल्पणी :- संगठन को अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तान माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम आयकर महानिदेशक (छूट), कलकता को तान प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्यं कत तान माह का समाप्ति पर अथवा उक्त अविध को समाप्ति के ठाक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्वात् ययाशाध अनुमोदन को अविध बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन का अविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन-पत्न को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 445 / फा. सं. डी. जी. एम. -90/कल. 35 (1) (ii) -90 मा. कर. (घूट)]

INCOME TAX

- S.O. 1678.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of ub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrault Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Mahyco Research Foundations, 19, Rajmahal, 84, Veer Nariman Road, Bombay-400021.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 445|F. No. DG[M-9|Cal, |35(i)(ii)|90-1T(E)] आपकर

को. म्रा. 1679 — मर्थसाधारण की सूचना के लिये एनदद्वारा यह मधिसूचित किया जाता है कि निम्तलिखित संगठन को, प्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 35 (पैतीस/एक/दो/तीन)की उपधारा

- (1) के खण्ड (iii) के लिये सिवन, वैज्ञानिक श्रीर श्रीर्यागिक श्रनुसंधान विभाग की सहमित से, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के श्रधीन विष्ठिन प्राधिकारी श्रयित महानिदेशक (श्रायकर छुट) द्वारा निम्मलिखित णर्नो पर "संस्थान" प्रवर्ग के श्रधीन अनुसोदित किया गया है।
 - (1) संगठन वैज्ञानिक श्रनुसंधान के लिये प्राप्त घन के लिये एक श्रालग लेखा रखेगा ।
 - (2) यह ध्रपने वैज्ञानिक ध्रनुसंधान भंबधी कार्यकलाणों का एक वाधिक विश्वरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व ध्रीद्योगिक ध्रनुसंधान विभाग, श्रीद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोज, नई दिल्ली— 110016 को भेजेगा।
 - (3) यह प्रत्येक वयं की 30 जून नक, लेखा-परीक्षित वाधि-क लेखों की एक प्रति भपनी-ध्यय , प्रास्तियों एवं देनवादिया

के विवरण सहित. (क) महानिदेशक (प्राप्तकर छूट) (ख) मचित्र, वैशानिक व क्रोद्योगिक यनुसेबान विभाग, और (ग) श्रायकर प्रापुक्त स्रापकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधि-कार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन स्टैडिसडिंजल इन्स्टीच्युट. 203, बी.टी. रोड. कलकता—700035

यह प्रधिमूचना दिनीक 8-2-1991 रे 31-3-1991 तक प्रविध के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: --संगठन को अनुमोदन की अविध बहान के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त आयकर तिरंगक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम ने आयकर महान्दिणक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिये सुझाव दिया आता है। विणेष मामलों में, जहां अनुभौदिन आवण उप- पुंकत तीन माह की समाप्ति पर अथवा उपन अवधि की समाप्ति केठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, सगटन अनुभौदिन आवेश प्राप्त करने के पण्वास् यथाणी हा अनुभौदन की समाप्ति केठीक पूर्व प्राप्त स्वास्त्र के पण्वास् यथाणी हा अनुभौदन की अवधि यदाने के लिए आयेदन करें। अनुभौदन की अवधि यदाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन नव की 6 प्रतियों सचिन, वैज्ञानिक और और्यागिक अनुस्थान विभाग की प्रस्तून करना है।

[मं. 446 (फा. मं. डॉ. जी. /इंडन्यू. बी. 40/कल . / 35 (1) (iii) 90 मा. कर (छट)]

INCOME TAX

- S.O. 1679.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1902, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of the Income-tax Act, 1961 under the category of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|three) "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Keturn of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Indu trial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrault Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by tht 30th June each year a copy of its antited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Statistical Institute, 203, B. T. Road, Calcutta-700035.

This Notification is effective for the period from 8-2-1991 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting appropriate received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 446]I⁴. No. DG[WB-40]Cal.[35(1)(iii)] $\frac{90-\text{IT}(E)}{35.4967}$

का ब्रा. 1650 — सर्वसंधारश्च की सूनता के लिये एनदहारा यह अधिसूबना किया जाता है कि निम्नलिखिन संगठन की, श्वायकर श्रिधिन्यम 1961 की धारा 35 (पैनोग/०क/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (:i) के लिये, सिन्ध, वैज्ञानिक ब्राप्ट प्रिंतिगर श्रनुसंधान विभाग की सहमति हो, श्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विद्वित प्राधिकारी अर्थान महानिदेशक (यायकर छट) द्वारा निम्नलिखन शर्ना पर सम्यान प्रवर्ग के प्रधान श्रनुसंदिन किया गया है:

- (1) संगठन वैज्ञानिक चनुसंधान के लिये पण्न धन के लिये एक प्रमान निकारखेंगा।
- (2) सह प्राप्त वैशातिक प्राप्ताना सर्वाधी कार्यकलाचा का एक जाएक विवरण प्रध्येक विलोग चया के लिए, प्रश्येक वर्ष की 31 मई गक्त, सर्वित, बैज्ञालिक व प्राच्योगिक श्रमुमंधान विश्वाम, प्रोद्योगिक भवत, त्यु मंडरीयो रोड, नहेंदिलना-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून अक, नैखा-परीक्षित वारिक लेखीं की एक प्रति प्रक्रिते त्यस, द्वास्तियों एवं देनदारियों के विद्यरण महित , (क) महानिदेशक (द्वायकर छट) (ख) मचिब, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक प्रमुखान निभाग , ग्रीर (ग) ग्रायकर ग्रायुक्त /ग्रायकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में पहुंता है, की प्रस्तृ करेगा।

संगठन जा नाम

चारूतर धारोग्य मण्डल मेडिकल रिसर्च सोसाइटी हैं, पोस्ट बाप्स ने .— 7, बल्लब बिधा नेगर--- 338120 जिला--खेदा गुजरात ।

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-1-1990 में 31-3-1991 तक की प्रविधि के लिये प्रभावी है।

हिष्पणी :---संगठन को अनुसादन की प्रवाध बढ़ाने के निये अनुसादन क्री समाप्ति के तीन साह पूर्व धायकर श्रायुक्त / श्रायकर निर्देशक (छुट) , जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पहना है, के निर्धान में प्राप्तिक करने के तिरे पुत्राय दिया जाता को ताल आहे दो में अपिक्त करने के तिरे पुत्राय दिया जाता है, । बिर्णय मामलों में, जहां प्रनुमें दिन आदेश उपर्युक्त तीन साह की समाप्ति पर अयथा उक्त अबधि को समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त रूपा हा, सगठन प्रमुमोदिन आदेश प्राप्त करने के पण्यात यथाणांच्य प्रमुमोदिन की अबधि बढ़ाने के तिए प्राविदन करें। प्रमुमोदन की अबधि बढ़ाने के निए प्राविदन करें। प्रमुमोदन की प्रविध बढ़ाने के सम्बन्ध में किए गए आवेदन पत्र को 6 प्रतियो सचिय, वैक्षानिक आरंग सीद्योगिक अनुस्थान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 447 / फा. मं. डॉ. जो. / जो.-13 कल /35 (1) (ii) 89---न्ना, कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 1680.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of ub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Angual Keturn of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities,

NAME OF THE ORGANISATION

Charutar Arogya Mandal Medical Research Society, Post Box No. 7, Vallabh Vidya Nagar-338120, Dist. Kheda Gujarat.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director

of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 447]F. No. DG[G-13]Cal[35(1)(ii)[89.IT(E)]

अ(4'कर

का. धा. 1681.—सर्वेसाधारण की गुवना के लिये एनद्वार यह प्रिधसूचना किया जाता है कि निम्नलिखित सगठन को, धायकर प्रिधिन्यम 1961 की धारा 35 (पैनीस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सर्जिय, वैज्ञानिक प्रीर धौद्योगिक प्रमुसंधान विभाग की सहमति से, धायकर नियम, 1962 के नियम 6 के घाधीन विहित प्राधिकारी ध्रयांत महानिदेशक (भ्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखन गर्नी पर "संस्थान" प्रवर्ग के ध्रधीन धनु मोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक भ्रनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक भलग क्षेत्रा रखेगा।
- (2) यह धपने वैज्ञानिक धनुसंधान संबंधी कार्यकलाओं का एक बार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, बैज्ञानिक व धौद्योगिक धनुसंग्रान विभाग, प्रौद्योगिक भन्नन, स्यू मेहरौलो रोड, नई विल्ली— 110036 को भेजेगा।
- (3) यह प्रस्पेक वर्ष की 30 जून, तक, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखां की एक प्रति धपनी व्यय , ध्रास्तियों एवं देनवारियों के विवरण सिंहत, (क) महानिवेशक (ध्रायकर छूट) '(च्रा) सिंवन, बैजानिक व धौत्रोगिक प्रनुमंधान विभाग, धौर (ग) ध्रायकर धायुक्त/प्रायकर निदेगक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पढ़ता है, की प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेंटर फार पालिसी रिसर्च धर्म मार्ग, चाणस्यपुरी, नई दिल्ली---110021

यह प्रधिस्चना विनांक 1-4-1991 से 31-3-1991 तक की प्रविधि के लिये प्रभवी है।

टिप्पणी: ---संगठन को अनुमोदन की अविध बढ़ाने के लिये अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त आयकर निवेशक (छूट), जिनकों क्षेत्राधिकार में संगठन पण्ना है, क साध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेशन करने को लिये युझाय दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहा अनुमोदिन आवेश उपर्यू इत तीम माह की समाप्ति पर अथवा उकत अविध की समाप्ति के ठीक पृर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुमोदिन आवेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाणीद्य अनुमोदन की अविध कहाने के

लिए पावेदन करे। प्रनुमोदन को धवधि सदान के सम्बन्ध में किए गए धावेदन-पत्न को 6 प्रात्तमा साबब, वैशानक भीर भाषागिक प्रनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 448/का. सं. को. जा/एन. का. 60/कन./35(1) (iii)] 90 भा. क. (धूट)-

जे. चऋवर्ती, उपनिदेशक प्रायकर (छूट)

INCOME TAX

- S.O. 1681.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1902, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. or Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|one|two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:
 - (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
 - (ii) It will furnish the Annual Keturn of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Deihi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
 - (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Incometax Director of Income-tax (Exemptions) having jerisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Policy Research, Dharma Marg, Chanakyapuri, New Delhi-110021

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1991.

NOTE: The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta through the Commissioner of Income-tax Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the Organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 448]F. No. DG/ND-60|Cal/35(i)(iii)|90-IT(E)]
J. CHAKRABORTY, Dy. Director of
Incomt tax (Exemptions)

विस्त मंत्राहय

(राजस्य वि माग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 21 मई, 1991

स्टाम्प

का. घा. 1682 भारतीय स्टास्य अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की घारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद द्वारा उस भून्क को माफ करती है जो राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा जारी छत्तीस करोड़ रूप माल मूक्य के" 11.5% एन.सी.डी.सी. बंधपन्न, 2011 (30वीं शृंखला)" के प्रामिसरी नोटों के रूप में घणित बंधपन्नों पर उक्त अधिनियम के धंतगंत प्रमार्थ है।

[मं 25/91-स्टाम्प-फा.मं. 33/8/91-मि.क.]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

ORDERS

New Delhi, the 21st May, 1991

STAMPS

S.O. 1682.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes—"11.5 per cent NCDC Bonds, 2011 (XXXth Series)" of the value of rupees thirty-six crores only to be issued by National Cooperative Development Corporation are Chargeable under the said Act.

[No. 25[91-Stamps-F. No. 33|8[91-ST.]

नई दिल्ली, 23 मई, 1991

स्टाम्प

का झा. 1683 भारतीय स्टाम्प घिष्ठिनयम, 1899 (1899 का 2) की छारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (स्त्र) द्वारा प्रवत्न णविनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सराकार एतदहारा पश्चि बंगाल घौदांगिक विकास निगम लि. को दो लाख घौर वीस हजार रुपये माझ उस समेकित स्टाप्प शुल्क का भुगतान करने की प्रनुपति प्रवान करती है जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाने दो करो इ कौर बीस लाख रुपये माझ के धिकत मूल्य के प्रोमिजरी नोटों के रूप में प्रत्येक 25,000 – र. के 880 बन्धपत्नों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रमार्थ है।

[सं. 26/91 स्टाम्प फा.सं. 33/19/91~बि.क.] घातमा राम, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd May, 1991

STAMPS

S.O. 1683.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the West Bengal Industrial Development Corporation Limited to pay consolidated stamp duty or rupees two lakhs and

twenty thousand only, chargeable on account of the stamp duty on issue of 880 Bonds of Rs. 25,000 each bonds in the form of promissory notes of the face value of rupees two crores and twenty lakhs only to be issued by the said corporation.

[No. 26|91-Stamps-F. No. 33|19|91-ST.]

ATMA RAM, Under Secv.

(ग्राधिक कार्य विभाग) नई दिल्ली, 29 मई, 1991

का. था. 1684 — सरकारी स्थान (धनिधकृत दखलकारों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त शिक्तवों का प्रयोग करने हुए तथा दिनांक 13 अगस्त, 1986 की धिसूचना संख्या 2(16) 81—सिक्का का प्रतिक्रमण करने हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, के प्रयोजन के लिए कैंक नोट प्रैस देवास (मध्य प्रदेश) में प्रशासनिक अधिकारी को सम्पदा अधिकारी निवृक्त करते हैं। उपर्युक्त अधिनियम के धंगांत स्थानीय मीपां, जिन है भीतर या सरकारी स्थानापन्न की श्रीणयों, जिन के संबंध में समारा के अधिकारी प्रवत्त शिक्तवों का प्रयोग करेगा, और मीं। गए कांशों का निष्पादन करेगा, उनका विधरण नीचे अगुपनों में दिशा गरा है:

भ्रनुसूची

क्रमसं, संरक्षितस्थान कानाम क्षेत्र

मीमाएं या अन्य विवरण

बैंक नोट प्रस समा भावासीय

 बैंक नोट प्रैम, बैंक देवा नोट प्रैम भवन, कारखाना ग्रावासीय कालोनी तथा ग्रावण्यक स्थापनाभों की सीमा के भीतर उल्लि-खित क्षेत्र।

कालोबीकी सोमाकेभोतर के क्षेत्र इप प्रकार परिवद पश्चिम : रेलवे लाइन वक्षिण : गांव कालखेडी सर्वेक्षण संख्या 139/2 तथा उप-जेल भमि सीमा जिसे बम्बई-भागरा मार्गतक बढ़ाया गया है। उत्तर : गांव कालूबोड़ो सर्वेक्षण संख्याल् 57/3/179/2, 1822,, 178/2, 179/2, 171/1, 171/1, 171/ 1/2, 168. 392/1, 374/2. 394/2

374/2, 394/2, 395/2, 397/2, 1 गांव बाह्यणखेड़ा, सर्वेक्षण मंख्या 193, 191/1 जिसकी सीम बस्बई-प्रागरा मार्ग तक बहा गई है। पूर्व : बस्बई-मागर, मार्ग ार

पूर्व : बम्ब६-मागरः मागे अर विराहुमा ।

[सं. एक 4/4/89- स्टेंस (बी. एनपी.) जी. एम. ग्रेमल, ग्रहर सवि

(Department of Economic Affairs) New Delhi, the 2 9th May, 1991

S.O. 1684 .—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants)
Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the Notification No.2(16)/80-Coin dated 13th August 1986, the Central Government hereby appoints the Administrative Officer, Bank Note Press, Dewas (M.P.) to be Estate Officer for the purpose of the said Act. The local limits within which or the categories of public premises in respect of which Estate Officer shall

reads the converse of feeth, and perform the daths imposed, as he day that merchanic there will be used to be in the smell degiven below:

SCHEDULE

SI. Name of protected place No.	Locality	Boundaries or other description
1. Bank Note Press The areas described within the boundar	Dewas 'y	The areas of the Bank Note Press and residential colony bounded as under :—
of the Bank Note Press housing, the		WFST: Railway line.
factory, residential colony and essential		SOUTH: Village Kalukhedi Survey No. 139/2 and Sub Jai
installations.		Land Boundary extending upto Bombay Agra Road
		NORTH: Village Kalukhedi Survey Nos. 57/3/179/2, 182/2
		178/2, 175/2, 171/1, 171/1/2, 168, 392/0, 374/2, 394/2,
		395/2, 397/2, Village Brahmankheda, Survey No. 193,
		191/1, boundary extending upto Rembay Agra Read
		EAST: Bound by Bombay Agra Road.

(ग्राधिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1991

का. था. 1685: --रष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रकीर्ण उनजन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 5 के उपखण्ड (1), खण्ड 7 और खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उनखण्ड (क) के प्रतुर्गण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजव बैंक के साथ परामर्ण करने के पण्डात एतद्द्रारा श्री आर. श्रीतिगातन को 30 मई, 1991 से प्रारम हो इर 29 अगस्त, 1991 को समाध्त होने वाली श्रविध के लिए बैंक ग्राफ इण्डिया के श्रध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के रूप में पुतः नियुक्त करती है। [मं. एफ. 9/5/91-बो.ओ.-1 (i)]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 27th May, 1991

S.O. 1685.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 5, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India hereby reappoints Shri R. Srinivasan as the Chairman and Managing Director of the Bank of India for a period commencing on 30th May, 1991 and ending with 29th August, 1991.

[F. No. 9|50|91-BO.I(i)]

का. श्रा. 1686: --राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीण उनबंब) स्कीम, 1970 के खण्ड 5 के उपखण्ड (1), खण्ड 7 और खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्थ करने के पश्चात् एतद्द्वारा श्री एन.एम. निस्त्री को 31 मई, 1991 से प्रारम्भ होकर 30 ग्रमस्त, 1991 को सनाप्त हो। नाने अन्य के लिए सेन्ट्रल बैंक श्राफ इंडिया के श्रध्यक्ष एवं प्रबंध निर्मात के रूप में पुनानियुक्त करती है।

[सं. एक. 9'5)/∋1-जो. ओ. 1 (ii)] अनिता कपर, उप सचिव

S.O. 1686.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 5, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India,

[F.No. 4/4/89-Cy BNP] G.S. GREWAL, Under Secy.

hereby reappoints Shri N. M. Mistry as the Chairman and Managing Director of the Central Bank of India for a period commencing on 31st May, 1991 and ending with 36th August, 1991.

[F. No. 9|50|91-BO.I(ii)]

ANITA KAPUR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 मई, 1991

का. शा. 1687: --वैंगकारी विज्ञानन स्वित्तित्वल, 1949 (1949 का 10) को ब्रास 3 द्वारा प्रदेश सिकारिश पर, एगरहार यह घोषणा सरकार, भारतीय रिजर्व वैंड की सिकारिश पर, एगरहार यह घोषणा करती है कि उन्न सिकितियम की तृती। प्रनुस्त्री में फार्थ "क" के साथ संजन्न टिप्पणी (च) के उपवंद वैंड प्राफ राजस्था। पर जहां तक उनका संबंध 31 मार्ज, 1990 को उनके तृतन पत्नों से है लागू नहीं होंगे।

्रिसंडरा 15/4/91-बी.ओ.-iiil

New Delhi, the 17th May, 1991

S.O. 1687.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declare that the provisions of Note(f) appended to the form 'A' in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the Bank of Rajasthan Ltd. in respect of its balance sheet as at 31st day of March, 1991.

[No. 15[4]91-B.O. III]

(प्रविंक कार्य विवास)

नई दिल्ली, 21 मई, 1991

का.मा. 1688: -- भारतीय रिजर्व बैंक मधितियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 59 डार प्रवत प्रक्तियों का प्रोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, ए (इंडारा निम्नितिखित चार्ट्ड तिखाकारों की फर्मी को वर्ष 1990-91 के लिये भारतीय रिजर्व बैंक का लेखा परीक्षक नियुक्त करती स्रवति:--

- मैंअर्ज सोराग एस. इंनेशियर एाड कुमती. चार्टर्ड लेखाकार, इस्माईल बिल्डिंग, 381, डा. डं. नारोजा रोड, फोर्ट, बंबर्ड-400023
- मैसर्न प्रमित राय एण्ड कल्पनो, चार्टर्ड नेखाकार,
 इन्हों, सरदार पटेन मार्थ, इलाहाबाद-211001

- 3. भैसमें संखाजी विषय स ए०इ ५/८%, चार्टर्ड लेखाकार. 5 एंड 6, फोर्म(लेन, पांचवां नल, कलकत्ता-700001
- मैसर्स एस के कपूर एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड लेखाकार. 16/98, एल , भाई , सं , बिल्डिंग, दिमाल, कानपुर
- मैसर्म खन्ता एण्ड झन्ताधानम, चार्टर्ड लेखाकार. 706, प्राकाश दीप, 26-ए. बारसम्बा रोह. पो. बाक्स-648, नई दिल्ली
- 6. मैसर्स ब्रह्मा एण्ड कम्बनी, चार्टर्ड सेखाकार. भारधा इंग्योरेंस बिल्डिंग: 156, पाम्बु चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास

[संख्या 1 (9) 91/लेखा]

(Department of Economic Affairs) New Delhi, the 21st May, 1991

S.O. 1688.—In exercise of the powers conferred by section 50 of the Reserve Bank of India Act, 1934, (2 of 1934), the Central Government hereby appoints the following firms of Chartered Accountants as Auditors of the Reserve Bank of India for the year 1990-91, namely:—

- 1. M|s. Sorab S. Engineer & Co., Chartered Accountants, Ismail Building, 381, Dr. D. Naroji Road, Fort, Bombay-400023.
- M/s. Amit Ray & Co., Chartered Accountants, 5-B, Sardar Patel Marg, Allahabad-211001.
- 3. M/s. Mookherjee Biswas & Pathak. Chartered Accountants, 5 & 6, Fancy Lane, 5th Floor, Calcutta-700001.
- M|s. S. K. Kapoor & Co., Chartered Accountants, 16|98, LIC Building, The Mall, Kanpur.
- M|s. Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, 706, Akash Deep, 26-A, Barakhamba Road, P. O. Box No. 648, New Delhi-110001.
- M|s. Brahmayya & Co., Chartered Accountants, Andhra Insurance Building, 156, Thambu Chetty Street, Madras.

[No. F. 1(9)91]Accts.]

नई दिल्ली, 27 मई, 1991

का.भा. 1689: -- बैंककारी विनियम भविनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केस्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्ज बैक की सिकारिक पर एउदबारा यह घोषणा करती, है कि उक्त घछिनियम की तृतीय घनुमुखी में कार्म "क" के परि-शिष्ट के रूप में लगी टिस्पर्णा (घ) के उपबंध 31 मार्च, 1991 की स्थिति के अन्मार इंडियन बैंक पर उसके तुलन-पन्न के संबंध में लागृ नहीं होगे।

[सं. 15 (2)/91-लेखा]

New Delhi, the 27th May, 1991

S.O. 1689.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Note (f) appended to the Form 'A' in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the Indian Bank in respect of its balance sheet as at 31st day of March, 1991.

[No. 15(2)91|Accts.]

नई विल्ली, 29 मई, 1991

का.मा. 1890: -- भारतीय स्टेट वींक द्वारा कृष्णाराम बलदेव वींक लिमिटेड के कारवार के द्राधिग्रहण से संबंधित दिनांक 22-2-1974 को सरकार द्वारा जारी किये गये भादेश की शर्ती तथा निबंधनों की धारा 5(4) तथा भारतीय स्टेट बैंक पिछिनियम, 1955 (1955 का 23) के खण्ड 35 के उपख्राण्ड (7) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा कृष्णाराम बलदेव बैंक लिमिटेड को बसल न की गई परिसम्पत्तियों के ब्रन्तिम मल्यांकन की समय-मीमा की 19 श्रप्रैल, 1991 से 18 भर्पल, 1992 (दोनों दिन शामिल हैं) तक की एक वर्ष की भवधि के लिए और बढ़ाती है।

[संख्या 15/6/87-वी.ओ. III]

New Delhi, the 29th May, 1991

S.O. 1690.— In pursuance of clause 5(IV) of the Terms and Conditions sanctioned by the Central Government under an order dated the 22nd February 1974 relating to the acquisition by the State Bank of India of the business of Krishnation by the State Bank of India of the business of Krishnaram Baldeo Bank Ltd., and in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 35 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby extends the time limit for final valuation of the unrealised assets of the Krishnaram Baldeo Bank Ltd., for a further period of one year from 19th April, 1991 to the 18th April, 1992, both days inclusive.

INo. 15|6|87-BO, IIII

नई विस्ली, 13 मई, 1991

का.चा. 1691: -- बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवत्त समितवों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतव्हारा घोषणा करती है कि उक्त प्रधितियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध यनुन्हदेड बैंक प्राफ इंडिया कलकत्ता पर 8 मार्थ, 1994 तक की अविध के लिए उस मीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक उनका सम्बन्ध गिरवी-वार के रूप में तिबोली पार्क घपार्टमेश्टम प्राइवेट लिमिटेड को प्रवत्त गोयर पुंजी की उसकी धारिता से है।

[सं, 15/2/87-बी.ओ II]]

के.के. मंगल, प्रवर सचिव

New Delhi, the 13th May, 1991

S.O. 1691.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta, for a period upto 8th March, 1994 insofar as they relate to its holding of the shares of Tivoli Park Apartments Private Limited as pledgee.

[No. 15]2[87-B.O. III]

K. K. MANGAL, Under Sccy.

केन्द्रीय उत्पाद शुरूक समाहर्तालय

भविसूचना सक्या 03/1991

मागपुर, 20 म **ई**, 1991

का. था. 1692: --श्री वही. एस. पेंबारकर, प्रशासनिक श्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, समृह "ख" समाहतातय नागपुर निवर्तन की धायु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-91 को सपराह्म में शासकीय सेवा से निवृत्त हुए।

> [प .सं . II (3)/13/89-स्था -I/31089] जीतराम कैत, घपर समाहर्ता (कार्मिक एवं सतर्कता)

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

NOTIFICATION No 03/1991

Nagpur, the 20th May, 1991

S.O. 1692.—Shri V. S. Pendharkar, Administrative Officer, Central Excise Group 'B' of Nagpur Collectorate having attained the age of Superannuation retired from Government service on 30-4-1991 in the afternoon.

[C. No. II(3)13|89|Et. I'31089] J. R. KAIT, Addl. Collector (Per & Vig.)

बिदेश में झालय

(हज मैंल)

नई विल्ली, 31 मई, 1991

का. था. १८९३: -- हज सिमिति नियम, 1963 के नियम 6 (आईए) द्वारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार श्री शकील-उर-रहमान और श्री कमालुड्दोन महमद को उनके लोक सभा के सदस्य म रहने के फायस्तरूप हज सिमिति, बम्बई के सबस्य के रूप में खारित उनकी सी.टों को रिक्त घोषित करती है।

[संख्या एम (हज)/118-1/2/89)] के.भो. फेबियम, संयुक्त सचित्र (जीकं/हज)]

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (Haj Cell)

New Delhi, the 31st May, 1991

S.O. 1693—In exercise of the powers conferred by Rule 6(IA) of the Haj Committee Rules, 1963, the Government of India hereby declare vacant the seats held by Shri Shakilur-Rehman and Shri Kamaluddin Ahmed, as members of Haj Committee, Bombay on their ceasing to be members of the Lok Sabha.

[No. M(Haj)118-1|2|89]

K. P. FABIAN, Jt. Secy. (Haj)

संयुक्त मुख्य नियंत्रक भायात व निर्यात का कार्यालय

(फेन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र)

म**र्द दि**ल्ली, 29 मर्ड, 1991

निरसन भादेश

का.भा. 1694.—मैंसर्स फेट्रेल केमिकल वक्से लिमिटेड सी-2, भेरठ रोड इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद को एनलजीन भाई पी/डी ए की-8 के भायात के लिए 532875 सपये का एक भग्निम लाइसेंस सं. पी/एल/ 3339144 विनांक 31-1-89 तथा भी इंडेसी बुक सं. 008382 विनांक 31-1-89 दिए गए थे। इस फर्म ने मिन्नि लाइसेंस सं. पी/एल 3339144 विनोक 31-1-89 तथा ही इइ.सी.बुक सं. 006382 दिनांक 31-1-89 बिना उपयोग किए मन्यपित कर दिए हैं।

मधतन रूप से यथा संशोधित मायात (नियंद्रण) भावेण 1955 दिनांक 7-12-55 के नियम 9(डी) द्वारा प्रदत्त भधिकारों का प्रयोग करते हुए में उक्त भयिम लाइसेंस तथा डी इंद सी बुक की दोनों प्रतियों के निरसन का मावेश देता है।

[फा.सं. घषिम/लाइ. /पू डी/एस/ 469/ए / 89/ए एलऐस 2/सी एल ए]

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS (CENTRAL LICENSING AREA)

New Delhi, the 29th May, 1991

"CANCELLATION ORDERS"

SO. 1694—Mis Federal Chemical Works Limited, C-2, Meerut Road, Industrial Area, Ghazlabad, was granted an advance licence No. P|L|3339144 dt. 31-1-89 and Deec Book No. 006382 dt. 31-1-89 for Rs. 532875 for import of 5250 Kgs. of analgin IP|DAB-8.x

The firm has surrendered both copies of advance No. P|L|3339144 dt. 31-1-89 and Deec Book No. 006382 dt. 31-1-89 unutilised.

In exercise of the powers conferred on me under licence section 9(d) of the Import (Control), Order, 1955 dt 7-12-55 as amended unto date. I hereby order cancellation of the said both copies of Advance Licence and Deec Book.

[File No. ADV|LIC|UDES|469|AM, 89|ALS, II/CLA]

"निरसन मादेश"

का. भा. 1695.—मैपर्म केट इण्टरनेशनम 4/51, अपर आनंद पर्वत/
गई दिल्ली-5 को (1) 2158523 रु. के सी भार सी एं शीट/कोयल प्राईम /
सैकेज्बरी जी भार-440.515 मी. (19.30 मी. के शुल्क के साथ अध्य नि:शुल्क) (2) 324160 रु. के 2.026 मी. के निकल के भायात के लिए 2482683 रुपये का एक भश्रिम लाइसेंस सं. पी/के/3269125 विनाक 4-5-89 तथा की इह इसी युक सं. 006587 दिनोक 4-5-89

इस फर्म ने प्रियम लाइसेंग सं. पी/के/3269125 विनांक 4-5-89 तथा ही इ.प.सी. बुक सं. 006587 विनांक 4-5-89 बिना उपयोग किए ग्राम्यपित कर विए हैं।

प्रध्यतन रूप से यथा संशोधित प्रायात (नियंत्रण) धावेश 1955 विनांक 7-12-55 के नियम 9(प) द्वारा प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त प्रथिम लोइसेंस तथा डी इ इ सी बुक की प्रतियों के निरक्षन का प्रावेश देता ।

[फा. मं. ग्रियम/लाइ./628/ए एम-89/ए एल एस-2/सी एल ए]

"CANCELLATION ORDERS"

S.O. 1695.—Mis. Kat International, 4|51, Upper Anand Parbat, New Delhi-5 was granted an advance licence No. P|K|3269125 dt. 4-5-89 and Deec Book No. 006587 dt. 4-5-89 for Rs. 2482683 for import of CRCA sheets|coils prime|secondary (GR-440, 515MT (1) 30) MT with rayment of Duty rest duty free) for Rs. 2158523 & (2) 2.026 MT of nickle for Rs. 324160.

The firm has surrendered both copies of advance licence No. P|K| 3269125 dt. 4-5-89 and Deec Book No. 006587 dt. 4-5-89 unutilised.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(d) of the Import (Control) Order, 1955 dt. 7-12-55 as

amended upto date. I hereby order cancellation of the said both copies of Advance Licence and Deec Book.

[File No. ADV]LIC|628|AM, 89|ALS. II|CLA.]

"निरसन भादेग"

का. आ. 1696.— मैसर्स घम्बा स्पीनर्स, श्रीदोगिक क्षेत्र, पानीपत, को 164 मी. टन एक्रोलिक फाइबर 3 से 10 तक डेनियर्स के भाषात के लिए 4800000 रुपयें का एक भ्रम्भि लाइमेंस मं पी/एल/3273038 विनांक 17-7-89 तथा की इ.इ.सी बुक सं. 006710 दिनांक 17-7-89 दिए गए थे।

इस फर्म ने ममिम लाइसेंस सं. पी/एल/3273038 विनाम 17-7-89 तथा डी इ इ.सी बुक सं. 006710 दिनांक 17-7-89 की प्रतियो बिना उपयोग किए धभ्यपित कर दिए हैं।

श्रधतन रूप से थया संशोधित भायात (नियंत्रण) भावेण, 1955, वित्तांक 7-12-55 के पैरा 9(घ) में प्रदत्त भिक्षारों का उपयोग करते हुए मैं भाग्रिम लाइसेंस सथा डी इ इ सी बुक की प्रतियों के निरसन का भावेण देसा हूं। [का . सं . भग्निम/लाई . /यू डो इ एस/ 603/ए एम-89/ए एलएस- 2/ती एल र्] एम .एम .डे, उप मुख्य नियंत्रक-प्रायात-नियात कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, प्रायात-नियात

"CANCELLATION ORDERS"

S.O. 1696.—M/s. Amba Sprinters, Industrial Area, Panipat, was granted an advance licence No. P/L/3273038 dt 17.7-89 and Deec Book No. 006710 dt. 17-7-89 for Rs. 4800000 for import of 164 MT of Scrype Fibre 3 to 10 Democs.

The firm has surrendered both copies of Advance Licence No. P|L|3273038 dt. 17-7-89 and Deec Book No. 006710 dt. 17-7-89 unutilised.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(d) of the Import (Control) Order, 1955 dt. 7-12-53 as amended upto date. I hereby order cancellation of the said both copies of Advance Licence and Deec Book.

[File No. ADV/L¹C¡UDES|603|AM. 89|ALS| 11/CI.A.] M. M. DE, Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Jt. Chief Controller of Imports & Exports

श्वाद्य एवं मागरिक पूर्ति मंत्रालय (भागरिक पूर्ति विभाग) भारतीय मानक ब्यूरो मई विस्ली, 21 मई, 1991

का. मा. 1697.--भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6)के अनुसरण में मारपंथ मानक ब्यूरो एतव्-द्वारा ग्रिश्चित करती है कि जिस/जिन लाइसेंस (सों) का/के विवरण नीचे दिया गया है/दिए गए हैं, अह/वे उसके/उनके सामने दी गई तिथि से रह कर दिया गया है/दिए गए हैं।

मनुसूची

क.सं.	लाइसेंस संख्या तथा दिनांक	लाइसेंसधारी का नाम व पता	रह् लाइसेंस के ग्रन्तर्गत वस्तु/प्रकम तथा सम्बद्ध रह् किए जाने की तारीख भारतीय मानक
1	2	3	4 5
1. 08	3591 66	मैं. रेमी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज प्रा.लि., मधुवनका राय,पहली स्ट्रीट, एलेन्डर, मद्रास-600016।	तीन फेजी मोटर, 1.5 किवा (2 मण्य शक्ति 1 मक्तूबर 1990 तक) श्रेणी की रोधन सहित— माई एस: 325—1978
2. 17	7052 45	मी. बंगाल लैम्पस लि., भोत्ब मद्रास रोड (20 किमी), बंगलीर-560049 ।	सामान्य प्रकाण सेवा हेतु टंगस्टन तंसु के बल्ब, 30 जून, 1990 15 वा से 100 वा. तक, 230 वो रक कुंडली / कुंडलित कुंडल बी 22 डी टोपी सहित—- ग्रार्ड एस: 418–1978
3. 05	445 45	मै. विता इंडस्ट्रोज, 135 वी चित्री रोड, सि॰मालूर, कोयम्बनुर-641005।	तीन फेजी प्रेरण मोटर 3.7 किया (5 घ्रप्य 15 फरवरी 1991 प्रक्ति)श्रेणी एरोघन सहित— घार्ष्यसः 325—1978
.7 4.	18458 65	मै. इंडियन बेटरीज, 71 म्यू भोखता इंडस्ट्रियल काम्पर्लेक्स फेज 1, नई विल्ली-110020।	दूर संचार, सिग्नल देने के लिए घौर सामास्य 25 फरवरी 199. प्रयोजनों हेंतु ले कलांची टाइप शृष्क बैटरी घाई एस : 585- 1976)

[के.प्र.वि. 55: 08591/66] एस. सुक्हमध्यन, भ्रपर महानिदेशक

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)
BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, 21st May, 1991

5.3. 1597 —In parsuance of sub-regulation(6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the license(s) particulars of which is/are given below has/have been cancelled with effect from the date indicated:

	SCHEI	DULE	
Licence No. (CM/L— ,)	Name and Address of the Licensce	Article/process with relevant Indian Standard covered by the licenco cancelled	Date of Cancellation
(1)	(2)	(3)	(4)
1, 08591 66 2, 17052 45	M/s. Remi Electrical Industries Pvt. Ltd., 10, Maduvankarai, 1st Street, Alandur, Madras-600016 M/s. Bengal Lamps Ltd., Old Madras Road (20 Km.), Bangalore—560049	Three-phase motors upto and including 1.5 KW (2 HP) with class E insulation (IS: 325—1978) Tungsten filament general lighting service lamps of 15 W upto and including 100 W, 230 V, single coil/coiled coil with B 22 d	1 Oct 1990 30 June 1990
3. 05445 45	M/s. Chitra Industries, 135-B, Trichy Road, Singanallur, Coimbatore-641005	caps (IS: 418—1978) Three-phase induction motors upto and including 3.7 kW (5 HP) with class 'A' insulation (IS: 325—1978)	15 Feb 1991
4. 18456 65	M/s. Indian Batteries, 71, New Okhla Industrial Complex, Phase I, New Delihi-110020	LeclancheT ype dry batteries for telecommunication signalling and general purposes (IS: 586—1976)	25 Jan 1991

[No. CMD/55: 08591/66] S. SUBRAHMANYAN, Addl. Director General

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1991

का. मा. 169 8. - केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान, (प्रप्राधिकृत मधिभोगियों की बेवसाली) मधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, (लोक उद्यम विभाग) की प्रधिसूचना सं. का.आ. 692, तारीख 8 फरवरी, 1988 का निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात् :--

उक्त प्रधिस्थना में,---

- (1) कम संक्यांक 1 मीर 6 मीर उनसे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा:
- (2) कम संख्यांक 12 श्रीर उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिश्वित कम संख्याक और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी: ग्रर्थात् :---

"13 मुख्य इंजीनियर (नगर प्रशासन्) उपमध्य इंजीनियर (सिविल) प्रबंधक/उप प्रबंधक (संपदा) सम्पदा ग्रधिकारी, सामान्य सेवा प्रभाग, एव एम टी, डा. बंगलौर, कर्नाटक ।

कूल क्षेत्र, जिसमें कारखाना परिसर, बहाता, उपमार्ग (ऐन्सीसरीज), मगरी, सामुदायिक भवन, संघ कार्यालय, एच एम टी भ्रस्पताल, भौषधालय, होस्टल, पुजा स्थल, जैसे मंदिर, मस्जिद चर्च भावि, स्कूल भवन, मलब, खोल

का मैवाम, चाडिटोरियम, नाद्यणाला, सहकारी सोसाइटी. बैंक भवन, बाकघर, कल्याण केन्द्र, सभी प्रकार के क्वार्टर भीर भन्य प्रसविधाएं जिनके भन्तर्गत एक एम टी I मौर II भड़ी कारखाना \mathbf{I} धौर \mathbf{II} , नियतकालिक मशीनरी प्रभाग, सी एन सी तंत्र प्रभाग; मभिकलिल तंत्र प्रभाग, मार एण्ड की केन्द्र (बालु कर्तन), केन्द्रीय ग्रार एण्ड डी (पड़ियां) और पी सी वी एस, नियत कालिक निरीक्षण संस्थान, श्रभिकलिश्र एकीकृत विनिर्माण प्रभाग, विशिष्ट पड़ी केस प्रभाग, जो सभी जालाहरूली, बंगलीर में स्थित है और जिनके बन्तर्गत वहां भविष्य में स्थापित किए जाने वाले युनिट/प्रभाग है, द्वारा स्वामित्व में ली गई या अजित की गई या किराए पर ली गई ऐसी भृमि, परिसर, भवन, भैड झीर संरचनाएं **ŧ**≀"

> [फा.सं. 14-3/85-पी ई एक्स] बी . घानन्त, संयुक्त सन्तिब

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, 27th May, 1991

1693. - In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act. 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Public Enterprises) No. S.O. 692, dated the 8th February, 1988, namely: In the said notification, (1) serial numbers 1 and 6 and the entries relating thereto shall be omitted (2) after serial number 12 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be added, namely :-

13. Chief Engineer (Town Admn.) Dy, Chief Engineer (Civil)

The entire area including the factory premises, compound ancillaries. Township, Community Hall, Union Office, HMT Hospital, Dispensary, $(1) \qquad \qquad (2) \qquad \qquad (3)$

Manager/Deputy Manager (Estate)
Estate Officer, Common Services Division,
HMT P.O. Bangalore, Karnataka.

Hostel, workship places like temples, mosque, church etc. School Building, Club, Sports ground, Auditorium Open Air Theatre, Co-operative Society, Bank Building, Post Office, Welfare Centre, all types of quarters and other amenities including land, premises, building, sheds and structures etc. owned or acquired or hired by HMT I & II, Watch Factory I & II, Horological Machinery Division CNC Systems Division, Computer Systems Division, R & D Centre (Metal Cutting) Central R & D (Watches) & PCBS Horological Inspection Institute, Computer Integrated Manufacturing Division, Specialised Watch Care Division all situated at Jalahalli, Bangalore including any units/Division to be established in future therein.

[File No. 14-3/85-PE-X] V. ANAND, Jt. Secy.

Foot Note 1. Principal Notification was issued vide No. S.O. 692 dated 8-2-1988

2. Subsequently amended by SO. No. 2779 dated 7-9-1988.

मानव संसाधन विकास मंझालय

(संस्कृति विभाग)

भारतीय पुरातस्व सर्वेक्षण नई विल्ली 29 मई, 1991

'पुरानस्ब)

का. भा. 1699.— केलीय सरकार में प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वोय स्थल और भवायेष भिवित्यम, 1958 (1958 का 24) की घारा 4 की उपधारा (1) की प्रपेक्षानुसार भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की भिवित्सचना सं. का.भा. 3047, तारीख 30 भक्तूबर, 1990 हारा, ओ भारत के राजपत्त, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 17 नवस्वर, 1990 में प्रकाशित की गई थी, उक्त प्रवित्सचना की भनुसूची में विमिद्धि संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व को घोषित करने के भपने भागय की दो मास की सूचना दी थी और उस मिथिसूचना की एक प्रति उक्त संस्मारक के समीप सहज दृश्य स्थान पर लगा दी गई थी;

भीर उक्त राजपत 22 मधम्बर, 1990 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

भीर केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई भाक्षेप प्राप्त नहीं हुआ था।

भतः भव, केन्द्रीय सरकार, उक्त भिधिनियम की धारा 4 की उपधारा 3 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपायक श्रनुसूची में विनिर्विष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महस्व का होना घोषित करती है।

प्रनृसूची

राज्य	जिला	परि क्षेत्र	संस्मारक/स्थल का नाम	संरक्षण के लिए शामिल किए जाने वाले राजस्य प्लाट सं≉्या	क्षेत्र	सीमाएं
1	2	3	4	5	6	7
पश्चिम बंगाल	हावड़ा	बेलूर पुलिस थाना : धाली मौज, : बारकपुर जे.एल.सं. 16	श्री मायेर गा ट	सर्बेक्षण प्लाट सं. 1343	3 0.033 एকছ	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं. 1450 पूर्व : गंगा नवी दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं. 1344 पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं. 1361
स्वा	मित्व				टिप्पणियां	
8		 			9	
महस्र फोरशीर हा	वड़ाक्लक्टर	माहब				

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (Department of Culture) ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 29th May, 1991 (ARCHAEOLOGY)

S O. 1699.—Whereas by a notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S.O. 3047, dated the 30th October, 1990 published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 17th November, 1990, the Central Government gave two months notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Schedule to the said notification to be of national importance and a copy of the

notification was affixed in a conspicuous place near the exid monument as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 22nd November, 1990;

And whereas no objections from the public has been received by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 3 of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto to be of national importance.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument/ Site	R evenue plot number included under protection
1	2	3	4	5
West Bengal	Howrah	Belur P.S. BallyMouza: Barakpur J.L. No. 16	Sri Mayer Ghat	Survey Plot No. 1343
Area	Boundaries		Ownership	Remarks
6	7		8	9
0.033 Acres	North: Survey plot No. 1 East: River Ganga South: Survey plot No. 1 West: Survey plot No. 12	344	eshore Howrah Collector Sal	neb.
				[No. 2/12/90-M]

[No. 2/12/90-M] M.C. JOSHI, Director General

(युवा कार्यक्रम झौर खेल विमाग)

नई विस्ली, 12 भन्नैल, 1991

का. मा. 1700.—15 जनवरी, 1990 की मधिसूचना सं. एक. एक. 15-2/89-भा. खे. प्रा. का मधिक्रमण करते हुए श्री राजेण ढींगरा, सिचन, भारतीय खेल प्राधिकरण, को श्री सी. झार. गोपीनाच, निवेणक (प्रशासन), भारतीय खेल प्राधिकरण के स्थान पर र'ष्ट्रीय भारतीय येल प्राधिकरण के स्थान पर र'ष्ट्रीय भारतीय येल प्राधिकरण के स्थान पर र'ष्ट्रीय भारतीयम 1989 की विशेष भ्रायोजन समिति का सदस्य-सचिव नामित किया जाता है।

[सं. एफ. 15-2/89-मा.चे. प्रा.]

संतीय कुमार, निदेशक (खेल)

(Department of Youth Affairs & Sports)

New Delhi, the 12th April, 1991

S.O. 1700.—In supersession of the Notification No. F. 15-2] 89-SAI dated 15th January, 1990, Shri Rajesh Dhingra, Secretary, Sports Authority of India is nominated as Member-Secretary of Special Organising Committee of National Bharatiyam 1989 in place of Shri C. R. Gopinath, Director (Admn.), Sports Authority of India.

[No. F. 15-2[89-SAI] SANTOSH KUMAR, Director (Sports)

कृषि मंत्रालय

(कृषि घौर सहकारिता विभाग),

नर्ष, दिल्ली, 4 जन, 1991

का. घा. 1701 . केन्द्रीय सरकार, बहु-राज्य सहकारी समिति विधिनियम, 1984 (1984 का 5) की धारा 4 की उप-धारा (1) दारा प्रवक्त विकारों का प्रयोग करते दूए तथा भारत सरकार की मधिसूचना संख्या एल. 11012/1/85-एल एंड एम दिनांक 28 दिसंबर, 1988 का धिकमण करते हुए केन्द्र सरकार एतंदद्वारा कृषि मंत्रासय (कृषि घौर सहकारिता विभाग) में संयुक्त सचिव भी बी के निक्तल को घागामी घावेगों तक सहकारी समितियों के केन्द्रीय राजस्ट्रार के पद पर नियुक्त करती है। [संदया एल. 11012/1/85-एल. एंड एम.]

वी भी. मंडल, उप-सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 4th June, 1991

S.O. 1701.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984) and in supersession of the Notification of the Government of India No. L-11012|1|85-L&M dated the 28th December, 1988, the Central Government hereby appoint Shri V. K. Mittal, Joint Secretary in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Coopeartion) as the Central Registrar of Cooperative Societies, until further orders.

[No. L-11012/1|85-L&M] B, B. MONDAL, Γ₁/. Seev.

ऊर्जा मंद्रालय

(कीयला विभाग)

नई दिल्ली, 16 मई, 1991

का.मा. 1702. — केन्द्रीय सरकार ने कौयला धारक क्षेत्र (धर्णन ग्रीर विकास) मधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7, उपधारा (1) के ग्रधीन जारी भीर भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) पृष्ठ संख्यांक 2596 से 2604 में प्रकाशित भारत सरकार उर्जा मंत्रालय (कौयला विभाग) की प्रधिमूचना का.मा. 1601 दिनांक 9-6-1990 द्वारा इस प्रधिमूचना से संलग्न ग्रमुसूची में विणित भूमि का प्रधिमूचना करने के प्रपने ग्राणय की सूचना दी थीं:

भौरकेन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह बात लाई गई कि राजपर्व में प्रकाशित उपरोक्त भिधमूचना में मुद्रण की कुछ गलतियां है।

श्रतः भव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रविनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों भौर इस निमित्त सक्षम बनाने वाली श्रन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रविसूचना से संलग्न श्रनुसूची में निम्नलिखित संशीधन करती हैं:——

पुष्ठ 2596 पर,--

- मधिसूचना में टिप्पण 1 में "(ई)-II" के स्थान पर "(ई)-III''
 पिंड्.
 पुष्ठ 2597 पर,--
- म्रनुसूची "क" में "वापी क्षेत्र" के स्थान पर "वाणी क्षेत्र"
 पढ़िए ।
- 3. ग्रनुमूची में "वारोरा" के स्थान पर "वरोरा" पढ़िए भीर "विबंदर" के स्थान पर "विम्द" पढ़िए।
- 4. रेखा ४-2-४-3-४-। में प्लाट सं. "57(भाग)" के स्थान पर "57(भागनः)" पढ़िए ।
- 5. ग्रानुपूत्री ''का'' में ''वापी क्षेत्र'' के स्थान पर ''वाणी क्षेत्र'' पहिए।

पुष्ठ 2598 पर,--

- 6. रेखा च 3-च में "ग्रीर च" के स्थान पर 'ग्रीर धारंभिक "च" ' पढ़िए ।
- 7. भनुसुची "ख्र" में ग्राम का नाम स्तम्भ के नीचे कम संख्या 1 में "मानजरी" के स्थान पर "मीनझरी" पिछए । भीर कम संख्या 2 में "भ्राजगनीरिठ" के स्थान पर "भ्राजगनिरीठ" पिछए । भीर कम संख्या 3 में "कटबीपती" के स्थान पर "काटे बीयती" पिछए । भीर कम सं. 1 में "मुखाद रथ" के स्थान पर "मुक्यार रीठ" पिछए ।
- 8. खनम प्रश्लिकार ((आरक्षित वन भूमि) अनुमूची में रकाना संख्या रें 4 में "भागनी" के स्थान पर "भांसूची" पहिए । भीर "बारोरा" के स्थान पर "बरोरा" पहिए । और "मान नारी" के स्थान पर "मीन मारी" पिछए । भीर जहां कठी यह मन्द प्रगृतन हुँ हुआ हो उसी स्थान पर "मीन-भारी" और "बरोरा" पहिए ।

पष्ठ 2599 पर,--

9. ग्राम "भूरपार रीठ" के स्थान पर "मृरपार रीठ" यिहा ।

10. ग्राम भ्रमरपुरी में भ्राजित किए जाने काले क्लाट संख्या में "58/3क" के स्थान पर "68/3क" पिक्रए ग्रीर "70/10ख, 70/12ख" के स्थान पर "70/10ख, 70/11, 70/12ख" पिक्रए ।

पष्ठ 2600 पर,⊸-

11. सीमा वर्णन में,----

रेखा क-ख में "पीठी चुंता" के स्थान पर "पिटी चुंवा" पढ़िए ।

- 12. रेखा ख-ग में "माडागांव" के स्थान पर "म्राजगांव रीठ" पढिए।
- 13. रेखा ग-म में 'बन्तु' के स्थान पर 'बिन्दु' पहिए ।
 14. रेखा घ-क में 'माजरी बेगकें' के स्थान पर 'माजरी बेगके''
 पिहिए । भीर ''रोदगांव'' के स्थान पर 'भीडेगांव' पिहए । भीर ''क''
 के स्थान पर 'भीर भारम्भिक ''क'' पिहिए ।

ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत उपरोक्त संणीधन जारी किया गया है हिनवड़ कोई व्यक्ति इस प्रधिमूचना के जारी किए जाने से तीस दिन के भीतर उक्त भूमि के संपूर्ण या किसी भाग के उक्त ऐसी भूमि में या उस पर किसी प्रधिकारी के प्रजित किए जाने के विरुद्ध उक्त प्रधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के निबंधनों के प्रनसार प्राक्षेप कर सकेगा।

स्पष्टीकरण:--केवल इस घिधूचना के द्वारा मंगोधित प्लाट संक्योंकों की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 8 (1) के निबंधनों के भनुसार तीस दिन की उक्त भविधि यह अधिसूचना जारी की जाने की तारीख से भारम्भ होगी।

कोयसा नियंत्रक, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता की विनीक 27-5-83 की प्रधिसूचना संख्या 19/41/78-सी, एस के द्वारा सक्षम प्राधिकारी के रूप में घोषित किया गया है जी कि भारत के राजपन्न में पृष्ट सं. 2445 से 2450 पर दिनांक 11-6-83 की प्रकाशित हुआ है।

[सं. 43015/2/87-सी.ए./एल.एस. खब्ल्यू] बी. बी. राज, धवर समित्र

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 16th May, 1991

S.O. 1702.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 1601. dated the 4th lune 1990 issued under subsection (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in part II, section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 9th June, 1990 the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows:—

- at page 2600 in Note-1, in line 7 & 8 for "Coal eastern" read "Coal Estate",
- in Note 2, for "opportunitory" read "opportunity" and for "eithed" read "either",
- at page 2601 in Schedule 'A' in column district and Reserved Forest land for "Chandapur" read "Chandrapur",
- at page 2602 in the Schedule 'A1' in Column district for "Chandarpur" read "Chandrapur",
- at page 2604 in plot numbers to be acquired in village Amarpuri in line 7 for "701|14" read "70|14".

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any right in or over such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

Explanation: In respect of plot numbers being amended through this notification only the said period of thirty days in terms of section 8(1) of the said Act, starts running from

the date of publication of this Notification in the Official Gazette, Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been declared as the Competent Authority vide notification No 19/41/78-CL dated 27th May, 1983 published in the Gazette of India dated 11th June, 1983 at pages 2446 to 2450

[No. 43015|2|87-CA|LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

पेट्रोलियम भौर रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैम विभाग)

नई दिल्ली, 29 मई, 1991

का आ 1703.—यतः पेट्रोलियम भौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्रष्टिकार का भर्जन) मिश्चित्यम 1962 (1962 का 50) को भारा 3 की उपयारा (1) के भ्रष्टीन भारत नरकार के पेट्रोलियम भौर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की श्रष्टिस्चना मं. का.भा. 3086 तारीख़ 1-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्चना से मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के भ्रष्टिकार का महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेणन लिमिटेड रिकायनरी, माहल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा भौद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहल बम्बई तक नाफता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन्स लिमिटेड बम्बई द्वारा विछाने के लिए प्रजित करने का भ्रपना भागय घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर भ्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस भ्रधिमूचना से मंत्रग्न धनुसूची में विनिर्विष्ट भृमियों में उपयोग का भृधिकार भ्राजित करने का विनिष्चय किया है।

मन, मतः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करनी है कि इस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा मंत्रित किया जाता

अनुसूची भारत पेट्रोलियम कारपोरेशस लिमिटेड, माहल, बम्बई से कैराग्राम तक पातालगंगा भौद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिळाने के लिए।

ग्रा म	स र्व ेनं . /गट नं .	हिस्सा नं .	क्षे ल हेक्टर–ग्नार–सेन्टेयर
प्राम पानशील	54	7 पै की	00-06-48
तालुका खालापूर	106	2 पैंकी	00-02-24
जिला रायगर	53	2 पै क ी	00-00-20
राज्य महाराष्ट्र	104	2पैंकी	00-00-54
	104	3 (2) पैकी	00-00-72
	96	o पैकी	00-00-40
	94	0 पैकी	00-00-90

[सं. पी-32015/4/90-वित्त]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 29th May, 1991

S.O. 1703.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 3086 dated 1-11-1990 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), The Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphthalits return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Indus-

trial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the tight of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

SCHEDULE.

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Arca, Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No./Gat No.	Hissa No.	Hectore	Are	Centiare
Village Panshil	54	7 Part	00	06	48
Taluka Khalapur	106	2 Part	00	03	24
District Raigad	53	2 Part	00	00	20
State Maharashtra	104	2 Part	00	00	54
	104	3(2) Part	00	00	72
	96	0 Part	00	00	40
0	94	0 Part	00	00 '	90

[No. P-32015/4/90-Dist.]

नई दिल्ली, 31 मई, 1991

का. 1704.—स्यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन भूमि में उनयोग के प्रधिकार का प्रार्जन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 10) की धारा 3 की जिल्ह्यारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैम मंत्रालय की प्रधिसूचना सं. का. था. 3090 नारीख 1-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम प्रधिसूचना से संलग्न धन्सूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उनयोग के प्रधिकार का महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिकायन नरी, माहूल बस्बई से कैरा ग्राम नक (पानालगंगा शौद्योगिक क्षेत्र, नालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहूल बस्बई तक नापता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन बेंबूर पानालगंगा पाइप लाइन्स लिमिटड, बस्बई द्वारा बिछाने के लिए प्रजित करने का धपना ग्राप्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपघारा (1) के प्रलीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और प्राने, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रुजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, ग्रतः उक्त ग्रीधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्क्षरा घोषित करती है कि इस श्रीधसूचना से संख्यन ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीधकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोगन के लिए एनद्द्वारा ग्रीजित किया जाता है।

प्रनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहल, बम्बई से कैरा ग्राम तक पातालागा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाईन बिछाने के लिए

ग्राम	सर्वेतं. गटनं.	हिस्सा नं .	हेक्टर	भेत भार	सेन्टेयर
			δ10./	MI (11.041
ग्राम-मोहोपे	72	० पैकी	00	01	80
तालुका⊸पनवेल जिला– रायगढ					
राज्य-महाराष्ट्र					
				-	

[मं. पी-32015/8/90-वित.] विवेक रे, उप सन्विव

New Delhi, the 31st May, 1991

S.O. 1704.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 3090 dated 1-11-1990 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), The Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphthalits return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay;

1441 GJ/91-9

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

SCHEDULE

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd, Mahul, Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S.No./Gat No.	Hissa No.	Arc	a	
-			Hector	Are	Centiare
Village Mohope	72	0 Part	00	01	80
Taluka Panvel					
District Raigad					
State Maharashtra					

[No. P-32015/8/90-Dist.] VIVEK RAI, Dy. Secy.

(पेट्रोलियम और नैसर्गिक थायू विभाग)

मई विल्ली, 30 मई, 1991

का.मा. 1705.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम, 1962 (1952 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंद्रालय की मधिसूचना का.मा. 3219, तारीख 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त मिश्रम्चना से संलग्न मनुमूची में विनिधिष्ट म्मियों में उपयोग के मधिकार को पाईप लाईनों को विछाने के लिए मिजित करने का मपना मास्य योजित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धीरा 6 की उपद्यारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपार्ट दे दिया है।

और भ्रामे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रियोर्ट पर विचार करने के पश्वात इस श्रधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार भ्राजित करने का विनिध्चय किया है।

भव ग्रतः उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त ग्राक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्धारा घोषित करती है, इस ग्रिधमुजना में संलग्न भारमुक्तो में विनिविष्ट उक्त मुभियों में उपयोग का ग्रधिकार पाईप लाईन विखान के लिए एतव्हारा भ्रणित किया जाता है।

और मांगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मिन्द्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि, उक्त भूमियों में उपयोग का मिन्द्रिकार केन्द्रीय सरकार से विहीत होने की बजाय प्रामीण इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 91 साखर भवन, नारीमन व्याइंट, मुंबई 400 021 में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बोपणा के प्रकाशन को इस तारोख को निहित होगा।

	^
DT:	-
OI T	ारा पा

राज्यः महाराष्ट्र		जिला : रायगढ़			तहसीलः	मलिबाग	
गांव	सर्वे नम्बर हिस्स	हिस्सा नम्बर	गट नम्बर	क्षेत्र			
				हे ग टर	क्षेत्र भार 21 08 06 03 23 00 00	भार सेंटी	सेंटीभार
====================================	26	८ भाग			21	05	
	22	1-बी भाग	 -		08	20	
	13	० भाग			06	94	
	14	2/ 1 भाग	 -	~	03	22	
	14	2/2 भाग			23	97	
	14	2/ 4 भाग	-		00	12	
	14	2/ 5 भाग	-		00	23	
	14	2/ ६ भाग			07	48	
	14	2 ७ मार्ग			08	38	
	14	3-बी भाग			0.0	51	

[सं. ओ-14015/45/85-जो.पी.]

(Petroleum and Natural Gas Deptt.)

New Delhi, the 30th May, 1991

S.O. 1705.—Whereas by Not'fication of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 3219 dated 9-11-1990 under subsection 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines

(Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of powers conferred by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd., 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400 021 free from encumbrance.

State: Maharashtra

SCHEDULE District : Raigad

Taluka: Alibag

Village	Survey Number	Hissa No.	Gat No.		Area	
				Hector	Area	C. Are
Bamnoli	26	8 Part			21	05
	22	1-B Part			08	20
	13	0 Part	—	(00	94
	14	2/1 Part	<u> </u>		03	22
	14	2/2 Part			23	97
	14	2/4 Part		-	00	12
	14	2/5 Part	_	_	00	23
	14	2/6 Part		_	07	48
	14	2/7 Part	-	-	08	38
	14	3-D Part		_	00	51

[No. O-14015/45/85-GP]

का.भा. 1706.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के म्रिकार का मर्जन) म्रिमियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के म्रिमीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंम्रालय की म्रिमियना का.मा. 3214 तरिख 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मिध्सूचना से मंन्यन मनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के म्रिमियार को पाईप लाईनों को विष्ठाने के लिये मिजत करने का भूपन माम्रिय वोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारो न उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और प्रामे यतः केन्द्रोय भरकार ने उक्त रियोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस प्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिय्क्य किया है।

मन श्रमः उक्त अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतब्द्वारा घोषित करती है, कि इस प्रक्षित्रवता में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिष्ठिकार पाईप लाईन बिछाने के लिए एतब्द्वारा श्रीकित किया जाता है।

और भागे उस धारा की उनधारा (4) द्वारा प्रदक्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होते की बजाय ग्रामोण इंडस्ट्रीज विभिटेंड 91 साखर भवन, नारिमन प्याइंट, मुम्बई 400 021 में सभी बाधाओं से मुख्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारोख कों विहित होगा।

गांव ः कु <i>च्ल</i>	तहसील : घलोब:ग	जिलाः राग	मगढ़ 	रा	ज्यः महाराष्ट्र	
गांव	सर्वे नं ,	हिस्सा नं .	गट सम्बर		भोन्न	<u> </u>
		الله الله الله الله الله الله الله الله	يرة كندو (100 كندوك بد كنده كليدة (100 يك 200 يك يوكيو) والنور	हेक्टर	मार	सं टीयर
कुरुल	34	4 भाग	<u> </u>		14	87
3,	3 4	5 भाग	~-		0.0	0 8
	34	७ भाग			0.0	3 2
	27	1 भाग			11	13
	27	2 भाग	-1-7		01	41
	28	2 भाग			14	65
	26	० भाग			06	52

 	GIRETIE OF MO		======================================			[1 AK1 11 52c. 5(1)]		
1	2	3	4	5	6	7		
 	19	2 भाग			00	74		
	19	3 भाग			11	0 1		
	12	1-ए भाग	-		22	18		
	12	1−बी भाग			02	82		
	12	2 भाग	 -		19	92		
	33	1/2 भाग			00	97		
	32	2 भाग			21	64		
	18	3-ए भाग			00	54		
	3	1 भाग			08	19		
	2	0 भाग			12	61		
	14	3 भाग			09	48		
	76	1 भाग			18	39		
	7 7	3 भाग			20	24		
	75	5 भाग			14	98		
	75	6 भाग	<u> </u>	-	0.5	32		
	79	$1+2 rak{q}/2$ भाग			01	62		
	79	8 भाग			0.0	13		
	70	3⊸सो भाग			06	89		
	84	। भाग			10	40		
	84	2 भाग			04	30		
	84	४ भाग			01	07		
	8 5	७ भाग			05	95		
	9 2	1-की भाग			04	57		
	86	० भाग			05	55		
	87	0 भाग			16	49		
	90	1			00	11		
	78	2			00	91		
	80	1 भाग			01	59		
	80	2 भाग			02	78		

[सं. सी-14015/46/85~जी.पी.]

S.O. 1706.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3214 dt. 9-11-1990 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire

the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the Gas pipelines;

And further in exercise of powers conferred by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd., 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400 021 free from encumbrance.

SCHEDULE
State: Maharashtra District: Raigad

Tehsil: Alibag

Village	Survey Number	Hissa No. Gat N	Gat No.	Arca		
				Hector	Are	Centiare
1	2	3	4	5	6	7
Kurul	34	4 Part			14	87
	34	5 Part		_	00	08
	34	7 Part	-	_	00	32
	27	1 Part		_	11	13

1	2	3	4	5	6	7
	27	2 Part			01	41
	28	2 Part	_	-	14	65
	26	0 Part	_		06	52
	19	2 Part		_	00	7
	19	3 Part			11	01
	12	1-A Part	-	_	22	18
	12	1-B Part		_	02	82
	12	2 Part		-	19	92
	33	1/2 Part			00	97
	32	2 Part		-	21	64
	18	3-A Part		_	00	54
	3	1 Part	~	_	08	19
	2	0 Part	-		12	6
	14	3 Part	-	→	09	4
	76	1 Part	-		18	3
	77	3 Part	_		20	2
	75	5 Part	•		14	9
	75	6 Part		<u> </u>	05	3
	79	1+2A Part	<u> </u>		01	6
	79	8 Part	_		00	1
	79	3-C Part	_		06	8
	84	1 Part	_		10	4
	84	2 Part	_		04	3
	84	4 Part	_		01	0
	85	7 Part			05	9
	92	1-B Part	—		04	5
	86	0 Part	_		05	5
	87	0 Part	_		16	4
	90	1		-	00	1
	78	2		_	00	9
	80	1 Part		~	01	5
	80	2 Part	_	_	02	7

[No. 0-14015/46/85-GP]

का.भा. 1707. ---यतः वेदोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का धर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेंट्रोलियम भीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की मधिसूचना का.मा. 3224 तारीख 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्राधमूचना से संलग्न ग्रनुमूची में विनिर्दिष्ट भृमियों में उपयोग के ग्राधकार को पाईप लाईनों की बिछाने के लिये अजित करना अपना अग्रय घोषित कर दियाथा।

श्रीर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्टदें की है।

भ्रौर भ्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस भ्रधिसूचना से संलग्न भ्रमुमूची में विनिर्दिष्ट भूमियों पयोग का अधिकार म्रजित करने का विनिध्चय किया है।

श्रव श्रतः जनन अधिनियम की धारा 6 की अपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गाक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनवृद्धारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न घनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का <mark>घधिकार पाईप लाईन बिछाने के लिये एतद्</mark>द्वारा प्रजित किया जाता **है**।

भीर भ्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है की, उक्त भूमियों उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में बिहित होने की बजाय ग्रांसीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 91 साखर,भवन, नरिमन व्यॉइंट,मुंबई 400021 में सभी बाधाओं से मुक्त रूप घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को विहित होगा।

अनुसूची

राज्य : महाराष्ट्र			जिला : रायगड		त ह गील ः भ लिबाग		
गांव	सर्वे नं.	हिस्सा नंबर	गट नंबर		क्षेत्र	·	
			-	हेक्टर	भार	में. प्रा र	
1	2	3	4	5	6	7	
तुडाल	2	3 पार्ट		<u></u>	02	0.6	
	2	5 पार्ट			03	04	
	34	2 पार्ट	_		13	74	

1	2	3	4	5	6	7
 -	32	 o पार्ट			59	74
	31	० पार्ट			23	22
	2	4-ए पार्ट			03	00
	2	4-अशी पार्ट			01	82
	2	2-मी पार्ट -	- -	-,-	14	70
	3 4 1	4 पार्ट 1-ए पार्ट	-	_ 	12	04
	1 1	1-4 416		_ _	02	56

[सं. मी-14015/47/85-जी पी]

S.O. 1707.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3224 dated 9-11-1990 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire

the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, one Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the Gas pipelines;

And further in exercise of powers conferred by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd., 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400 021 free from encumbrance.

SCHEDULE

STATE: MAHARASHTRA,	DISTRICT : Raigad,	TAHSIL : Aliabag

Village	Survey No. Hissa No.	Survey No. Hissa No. Gat No.	Area			
				Hector	Area	C. Are
Tudal	2	3 Part	_		02	06
100	2	5 Part			03	04
	34	2 Part	_		13	74
	32	0 Part			59	37
	31	0 Part	—		23	22
	2	4-A Part	—		03	00
	2	4-B Part		-	01	82
	2	2-B Part	_	_	14	70
	34	4 Part	_		12	04
	1	1-A Part		_	02	56

[No. O-14015/47/85-GP]

का.मा. 1708. — यतः पेट्रोलियम भौर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के भिधकार का भर्जन) भिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के सभीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भौर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की भिधमूचना का.भा. 3210, तारीख 9-11-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भिधमूचना से संलग्न भनुसूची में विनिद्घिट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईप लालनों को विछाने के लिये अजित करने का अपना आगय वोधित कर विया या।

स्रौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भश्रिरियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार की रिपोर्ट दें दी है

भौर भागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्टपर विचार करने के पश्चाचत इस भिध्यूचना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का सिक्षकार भिज्ञत करने का विनिश्चिय किया है।

भ्रव भतः उक्त भ्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सकित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्व्हारा घोषित करती है कि इस अधि-सूचना में संलग्न अमुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के लिए एतड्डरा अर्जित किया जाता है। और धारी इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देग हैने, उक्त मिन्यों उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार ने बिहिन होने की बजाय ग्रॅसीम इंडम्ट्रीज निमिटेड 91 साखर भवन, नरिमन पॉइंट, मुंबई 400021 में सभी बाधाओं से मुक्त कर रेघोयणा के प्रकाशन की इस शारीख को बिहित होगा ।

परिशिष्ट

राज्य : महाराष्ट्र		जिल्हा : रायगड		तहसिल : भ्रलिबाग			
गांव	सम्हें कमांक	सर्व्हे क्रमांक हिस्सा क्रमांक गट क्रमांक			क्षेत्र		
			-	हेक्टर	म्रार	सें. भार	
 कावीर			32 पार्ट		00	42	
			31 पार्ट		12	17	
			13 पाट		17	00	
			254 पाट		33	46	
		H=	256 पार्ट	 -	01	28	
			253 पार्ट		00	71	
			136 पार्ट		0 1	88	
			229 पार्ट		0 1	37	
			228 पाट		16	17	
			204 पार्ट		08	54	
			206 पार्ट		04	59	
			14 पार्ट		1 2	5 3	
			17-की पार्ट		10	20	
			259 पार्द		16	23	
			260/2 पार्ट		0 1	30	
			257 पार्ट		10	44	
			202 पार्ट		13	38	
			200 ਥਾਣੇ		03	31	
			199 पार्ट		58	10	
			197 पार्ट	~~	04	28	
			195 पार्ट		02	1 5	
			196 पार्ट	w -	05	92	

[सं. ओ-14015/48/85-जी पी]

S.O. 1708.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3210 dated 9-11-90 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquision of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

Right of user in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe line.

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd.. 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400 021 free from encumbrance.

SCHEDULE

State: Maharashtra

District : Raigad

Tahsil: Alibag

Village	Survey No.	Hissa No.	Gat No.		Area	
				Hector	Are	Cent airo
Kayir	_	_	32 Part		00	42
			31 Part	_	12	17
	-		13 Part	_	17	00
	_		254 Part		33	46
	—	- -	256 Part		01	28
		_	253 Part		00	71
	_	_	136 Part		01	88
		_	229 Part		01	37
	_	→	228 Part		16	17
		—	204 Part		08	54
			206 Part	_	04	59
			14 Part		12	53
	-		17-B Part		10	20
		_	259 Part	_	16	23
		 -	260/2 Part		01	30
		-	257 Part	-	10	44
			202 Part		13	38
	-	-	200 Part		03	31
		_	199 Part		08	10
	—	_	197 Part	-	04	28
	—	-	195 Part		02	15
		_	196 Part		05	92

[No. O-14015/48/85-GP]

का.आ. 1709--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजंन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की प्रधिसूचना का.आ. (3211) ता. 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन अधि-सूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईप लाइनों को विख्यान क निए अजिन करते का अपना आगय घोषित कर दिया था। और यत: समक्ष प्रतिधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार की रिपोर्ट देदी है।

और द्वागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्यात् इस ग्राधिपूचना से संलग्न श्रानुपूची में विनिधिंड भूमियों उपयोग का अधि-कार मर्जित करने का विनिध्चय किया है।

मतः उक्त मधिनियम की घारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त गाक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती की, इस प्रधि-सुचना में संखन अनुभूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाईप लाईन बिछाने के लिये एतव्द्वारा म्रॉजित किया जाता है।

और मांगे उस घारा की उपघारा (5) द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि, उक्त मुमियों में उपयोग कार अधिकार केन्द्रीय सरकार विहित होन की बजाय ग्रासीम इंडस्ट्रीज लि 91, साखर भवन, नरिमम पाइंट, मबई 400021 में सभी वाधाओं से मुक्त रुप में घोषणा क प्रकाशन की इस तारीख को विहित होगा।

परिणिष्ट

राज्यः म	हाराष्ट्र		जिल्हा : रायगड	यगड तहसिल : ग्रलबाग		बिगि	
गांव	मर्व्हे नंबर हिस्सा नंबल		गट नंबर	क्षेत्र			
			⊷ -	हेक्टर	भार	सेंटीग्रार	
1	2	3	4	5	6	7	
 सहाज			कार्ट द्रेक	~		60	
			150 पार्ट		0.1	27	
			151 पार्ट		01	50	
			148-ए				
			 पार्ट		25	31	
			148-की				
			153 पार्ट		04	58	

1	2	3	4	5	6	7
			154 पार्ट		03	78
			155 पा टें		08	97
	~-		147 पार्ट			26
	and one		137 पार्ट		03	39
			158-ए पा र्ट		17	87
			158-बी पार्ट		10	23
			160 पार्ट		0.5	93
			162 पार्ट		04	13
			166 पार्ट	→ -	12	23
		~ ~	167 पार्ट		0 6	14
			168 पार्टे	=	04	10
			169 पार्टे		06	17
			149 पार्ट		01	57
			122 पार्ट		06	22
		-	११८ पार्ट		09	68
		~ -	317 पार्ट		03	45
	- -		318 पार्ट		06	37
			326 पा र्ट		26	72
			388 पार्ट		02	95
			161 पार्ट		03	56
			329 पार्ट		00	02

[सं. ओ.-14015/49/85-जीपी]

S.O. 1709.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 3211 dated 9-11-90 under sub-section 1 of section 3, the Petroleum and Mineral Pipe Lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

Right of user in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe Jine.

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd.. 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400021 free from encumbrance.

SCHEDULE

State: Maharashtra	District	: Raigad		Tahasil: Alibag		
Village	Survey Number	Hissa No.	Gat No.	Area		
				Hector	Area	С.Аге
1	2	3	4	5	6	7
Sahan			Cart Track		_	60
		_	150 Pt.		01	27
	_	_	151 Pt.		01	50
	_		$\left.\frac{148-A}{148-B}\right\}$	_	25	31
	-	_	153 Pt.		04	58
	_	•	154 Pt.	-	03	78
	-	_	155 Pt.	_	08	9 7
	_	_	147 Pt.		_	26
			137 Pt.	_	03	39
	_		158-A Pt.	_	17	87

राज्य : महाराष्ट्र

40

42

274

0 पार्ट

3 पार्ट

1 पार्टे

1	2	3	4	5	6	7
	<u></u>		158-B Pt.	-	10	23
	-	_	160 Pt.	_	05	93
			162 Pt.		04	13
	_	_	166 Pt,	_	12	23
	_	_	167 Pt.		06	14
	_	_	168 Pt.		04	10
			169 Pt.	- -	06	17
	_		149 Pt.		01	57
		_	122 Pt.	_	06	22
	_	_	118 Pt.		09	68
	-	_	317 Pt.		03	45
	_	_	318 Pt.		06	37
	_		326 Pt.	_	26	72
	_	_	388 Pt.		02	95
			161 Pt.		03	56
	_	_	329 Pt.		00	02

[No. O-14015/49/85-GP]

का.आ. 1710 — यत: पेट्रोलियम भीर खानिज पाईप लाईन (मृमि में उपयोग के ग्रिधिकार का वर्जन) ग्रिधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रिधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम ग्रीर प्राक्तरिक गैस को मंत्रालय की ग्रिधिसूचना का ग्रा. (3217) तारीख 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने जम श्रिधसूचना में संलग्न बनुसूची में विनिर्दिष्ट भृमियों में उपयोग के ग्रिधिकार को पाईप लाईनों को विछान के लिये ग्रिजिन करने का अपना श्रीणित कर विया था।

बौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ब्रिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ब्रिधीन मरकार को रिपोर्ट दें दी है ।

जिल्हा : रायगद

भीर भागे यत. केन्द्रीय सरकार ने उकत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न उस अनुसूची में निनिद्दिश्य भूमियों में अपयोग का अधिकार अजित करने की निनिश्चय किया है।

ग्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्दारा घोषित करती है की इस श्रधिसूचना में संलग्न ग्रनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाईप लाईन बिछाने के लिये एनद्दारा श्रजित किया जाना है।

स्रीर धारो उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए हेन्द्रीय सरकार निर्देश देती है की, उक्त भूमियों में उपयोग का अधि-कार केन्द्रीय सरकार ने विहित होने की वजाय ग्रासीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 91 साखर भनन, नरिमत पाँडेट, मुंबई 400031 में सभी याधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाणन की तारीख को विहित होगा ।

परिकाष्ट

तहसील : ग्रनिबाग

गांव	सर्व्हे नंबर	हिस्सा नंबर	गट तंबर	<u></u>		
			हेक्टर हेक्टर	भ्रार	₹î,	 ग्रार
—————————————————————————————————————	280	1 पार्ट			02	32
	280	5 पार्ट			0.5	50
	280	7 पार्ट	<u>-</u>		0.9	85
	280	८ पार्ट			0.6	20
	280	1 0 पार्ट			0.0	0.8
	286	11 पार्ट			03	9.9
	280	12 पार्ट			c 4	32
	280	15 पार्ट			02	80
	280	16 पार्ट	- -		0.2	97
	280	1७ पार्ट			02	00
	275	1 पार्ट			45	88
	275	2 पार्ट			18	27
	38	0 पार्ट	_		11	47

77

20

47

29

10

11

S.O. 1710.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3217 dt. 9-11-90 under sub-section I of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the Right of user in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe line.

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd., 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400021 free from encumbrance.

SCHEDULE

State: Maharashtra

District: Raigad

Tahasil: Alibag

Village	Survey No.	Hissa No.	Gat No.	Area			
				Hector Are	• •	C. Are	
Warsoli	280	1 Part			02	32	
	280	5 Part			85	50	
	280	7 Part	~		89	85	
	280	8 Part		~	06	20	
	280	10 Part			00	08	
	280	11 Part			03	99	
	280	12 Part			94	32	
	280	15 Part		_	02	80	
	280	16 Part	u na		02	97	
	280	17 Part	~ -		02	00	
	275	1 Part	-		45	88	
	275	2 Part	-		18	27	
	38	0 Part	~		11	47	
	40	0 Part			29	77	
	42	3 Part	_		10	20	
	274	1 Part	-		11	47	

[No. O-14015/50/85-GP]

का. भ्रा. 1711.—-यतः पेट्रोलियम घोर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का ग्रार्जन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम घोर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का. ग्रा (3209) तारीख 9-11-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रक्षियुचना से सलश्न ग्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के ग्रिधिकार को पाईप लाईनों को विख्याने के लिए प्रजित करने का प्रपना ग्राक्षय घोषित कर विया था।

स्रोप यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रीधिनियम को आरा 6 की उपधारा (1) के ग्राधीन सरकार को रिपोर्ट दे की है

भीर भाग यसः केन्द्रीय सरकार ने उद्धत रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चान् इस त्रधिसूना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीयकार ग्राजित करने का विनिष्चय किया है।

अब अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त गरित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न भ्रमुसूची में विनिद्धित उक्षण भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पार्देय लाईन बिछाने के लिए एनद्द्वारा प्रजित किया जाता है।

शीर श्रामे उस धान की उपधार (4) उस प्रदत्त गिल्पों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार ने बिहिन होने की बजाय समीम इंडरड़ीज निमिटेंड, 91, साखर भयन, निरमन पाइंट, मुंबई-400 021 में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को बिहिन होगा।

परिभिष्ट

राज्य : महाराष्ट्र जिला : रायगङ तहसील : म्रलिबाग

गीव	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर	गट नंबर		क्षेत्र			
				हेब्टर	म्रार.	सेंटी. ग्रार.		
बामणगीव			422 भाग	0	00	1		
	_		460 भाग	0	15	3 5		
			457 भाग	0	0 6	18		
			456 भाग	0	0.9	36		
	_		446 भाग	0	00	3 2		
			454 भाग	0	00	8 (
	-		447 भाग	0	14	7 -		
		_	448 भाग	0	14	43		
			449 भाग	0	16	9 5		
			450 भाग	0	29	83		
		galling.	435 भाग	0	00	0.3		
			427 भाग	0	02	5:		
			430 भाग	0	09	0.0		
			428 भाग	0	0.4	24		
			431 भाग	0	04	0		
			455 भाग	0	03	59		

[सं० ओ०-14015/51/85-जी पी]

S.O. 1711.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3209 dt. 9-11-90 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declare its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

Right of user in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe line.

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd., 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay-400021 free from encumbrance.

SCHEDULE
State: Maharashtra District: Raigad Tah. Alibag

Village	Survey No.	Hissa No.	Gat No.	Area		
				Hector	R.	CR.
1	2	3	4	5	6	7
Bamangaon			422 Part	0		17
2410420			460 Part	0	15	35
			457 Part	0	06	18
			456 Part	0	09	36
			446 Part	0	0	32
			454 Part	0	0	86
			447 Part	0	14	74
			448 Part	0	14	43
			449 Part	0	16	95
			450 Part	0	29	82

4	5	6	7
435 art	0	0	07
427 Part	0	02	52
430 Part	0	09	00
428 Part	0	04	24
431 Part	0	04	00
455 Part	0	03	55

[No. O-14015/51/85—GP]

का. थ्रा. 1712.—यतः पेट्रोलियम भौर खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का श्रर्जन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की द्यारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम श्रीर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की श्रधिसूचना का. थ्रा. (3218) नारीख 9-11-90 द्वारा केन्द्रीय सरकर ने उस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग के श्रधिकार को पाईप लाईनों को विछाने के लिए श्राजित करने का भूपना श्राणय घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

श्रीर धागे यतः केश्दीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस श्रधिसूचना से संलग्न श्रनूसूची में विनिर्दिष्ट पृमियों में उपयोग का श्रधिकार धर्जित करने का विनिष्यय किया है :

श्रव भ्रत: उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपभारा (1) द्वारा प्रदक्ष गिवन का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करती है कि इस भ्रधिस्चना में संलग्न श्रनसुची में विनिदिष्ट उक्त भिमयों मे उपयोग का श्रधिकार पाईप लाईन विश्वाने के लिए एनद्द्वारा ग्रजिन किया जाता है।

भीर भ्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार ने बिहित होने की बजाए ग्रसीम इंडस्ट्रिज लिमिटेड, 9, साखर भवन निरमन पाइंट,-मुंबई 400 021 में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को विहीत होगा

परिणिष्ट राज्य : महाराष्ट्र जिला : रायगङ तहसील : ग्रलियाग

गौव	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर गट नेबर	क्षेत्र			
				हेक्टर	न्नार.	सेंटी, द्यार.
क्षोणारे	25	3 भाग		0	90	14
	25	1 भाग		0	02	66
	25	2 भाग		0	02	67
	25	6ए भाग		0	03	13
	26	० भीग		0	15	38
	27	० भाग		0	0.1	08
	28	0 भाग		0	15	93
	29	0 भाग		0	17	79
				[सं. मो1	4015/52/85	जी, पी.)]

S.O. 1712.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3218 dated 9-11-90 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

Right of user in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe line.

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd.. 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay-400021 free from encumbrance.

	State: Maharashtra	SCHEDULE District : Raigad	Tahsil : Alibag			
Village	Survey Number Hissa Number		Gat Number.	Area		
				Hector	R.	CR.
Lonare	25	3 Part	_	0	09	14
	25	1 Part	_	0	02	66
	25	2 Part	<u> </u>	0	02	67
	25	6-A Part	<u> </u>	0	03	13
	26	0 Part	_	0	15	38
	27	0 Part	_	0	01	08
	28	0 Part	_	0	15	03
	29	0 Part	_	0	17	79

[No. 0-14015/52/85—GP]

का, ब्रा. 1713 --यतः पेट्रोलियम भौर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्जन) अधिनियमः 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के घ्राधीन भारत सरकार के पेट्रांलियम और प्राकृतिक गैंस मलालय की श्रधिमृत्राना का. धा. (3205) तारीख 9-11-90 ढारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रक्षिमुचना से संलग्न श्रनुसूची में जिनिदिष्ट भूमियों में अपयोग के श्रष्टिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के लिए श्रीजित करने का अपना ग्राणय मोषित कर विया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट वेदी है।

ब्रौर ब्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने अक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस ब्रधिसूचना से संख्या ब्रमुखी में वितिबिंग्ट धुमियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिण्चय किया है।

ब्रब प्रतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) बारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदबारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसुचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाईप लाईन विछाने के लिए एतदबारा भजित किया जाता है।

न्नीर झागे उस घारा की उपधारा (4) ढारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि, उक्त भूमियों में उपयोग का श्चश्चिकार केस्ट्रीय मरकार ने विहित होने की बजाय ग्रेसीम इंडस्ट्रिज लिमिटेंड, 91, साखर मवन, नरिमन पाइंट, मुस्बई-400021 में मभी बाधाओं से मुक्त रुप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख का विहित हागा।

परिशिष्ट राज्य: महाराष्ट्र जिला: रायगड तहसील: ग्रलिबाग

गांव	सर्वे कमांक	हिस्सा क्रमांक	गट ऋमांक		<u>भ</u> ेत्र	
				हेक्टर		— सेंटीझार
ऊ सर	60	1 भाग			07	09
	60	2 भाग			21	20
	56	2 भाग			08	38
	56	3 भाग			19	0.9
	56	1-स्रीभाग			0.5	80
	51	2 भाग		- -	0.8	15
	51	1 भाग			03	30
	51	6 भाग			00	29
	51	9 भाग			04	32
	51	11-ए भाग			03	0.0
	51	11-वीभाग			o t	75
	63 63	2-ए भाग } 2-की भाग }			06	14
	63	3 भाग	- -		0.7	78
	63) भाग			0.0	38
	63	4 পার্শ			11	05
	48	1 भाग			0.9	97
	48	7 भा ग	_ -		0.6	03
	48	८ भाग			14	60
	64	22 भाग			04	12
	64	23 भाग		-	12	39

. सिं. **मो**.--14015/53/85--जी. पी.]

S.O. 1713.--Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3205 dt. 9-1-90 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

ovt. Right of user in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe line.

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd. 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400 021 free from encumbrance.

SCHEDULE
State: Maharashtra District: Raigad Tahsil: Alibag

Village	Survey Number	Hissa No.	Gat No.		Area	
	Number			Hector	Are	C. Are
Usar	60	1 Part			07	09
	60	2 Part		_	21	20
	56	2 Part	_		08	38
	56	3 Part	_	_	19	09
	56	1-B Part	_	_	05	80
	51	2 Part	_	_	08	15
	51	1 Part	_	_	03	30
	51	6 Part	_	_	00	29
	51	9 Part		_	04	32
	51	11-A Part	<u></u>	_	03	00
	51	11-B Part	→		01	7:
	63	2-A Part	—		06	14
	63	2-B Part				
	63	3 Part	_	_	07	78
	63	1 Part	_		00	38
	63	4 Part	_		11	05
	48	1 Part	_	_	09	97
	48	7 Part	_	_	06	0.3
	48	8 Part		_	14	60
	64	22 Part	_~	_	04	12
	64	23 Part	_		12	39

[No. O-14015/53/85-GP.]

का. या., 1714.--यतः पेट्रोलियम भौर खिनिज पाईप लाईन (मूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) प्रधिनियम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंजालय की श्रधिसूचना का था (3207) तारीख 9-1।-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना में संलग्न प्रनुसूची में विनिधिष्ट भृमियों में उपयोग के भ्रधिकार की पाईप लाईनों को विछाने के लिए भिजित करने का अपना भ्रामय घोषित कर विया था।

श्रौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार की रिपोर्ट दे दाँ है।

धौर प्रापे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रधिसूचना से संलग्न प्रमुखी मे विनिर्दिण्ट भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

भ्रव ग्रत. उक्त श्रक्षितियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रकृत शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा घोषित करती है कि इस भ्रष्टिसूचना में संस्थन ग्रन्सूची में विनिद्धिट उक्त भृमियों में उपयोगका श्रीकार पार्डप लाईन विख्ताने के लिए एतद्द्वारा श्रीजित किया जाता है।

श्रीर ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णिनियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि, उसत भूमियों में व्ययोग का श्रिकार केन्द्रीय सरकार ने विहित होने की बजाय प्रमीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड 91 साखर भवन, नरिमन पाइंट, मुंस्बर्ड 400021 में सभी बाधायों से मुक्त रूप में बोपणा के प्रकाणन की इस नारीख की विहित होगा।

परिणिष्ट

राज्य : महाराष्ट्र जिल्ला : रायगह, तहसील : श्रालिकाग

गांथ	सर्वे नंगर	हिस्सा नंबर	गट नंगर	:	ध ेस्र	
				हेम्टर	ग्रार	सेंटी ग्रा र
	~		39 भाग	0	15	40
•	~~		32 भाग	0	03	07
	~ 12		31 भाग	0	0.5	10
			33 भाग	0	14	53
			35 भाग	0	10	14
	 -		29 भाग	. 0	01	50
	B		28- ^ṇ , भाग			
				0	06	30
			28-की भाग			
			25 भाग	0	0.5	57
			26 भाग	0	0.0	41
	~-		24 भाग	0	16	76
			27 भाग	0	14	92
	~-		4(1) भाग			
			·	0	20	64
			4 (2)-भाग			

सिं. भी.--14015/54/85---जी. पी.]

S.O. 1714.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3207 dated 9-11-90 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared it's intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further wreress the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed to sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe line.

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd., 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay-400021 free from encumbrances.

SCHEDULE

State: Maharashtra District: Raigad. Tahsil: Alibag

Village	Survey Number	Hissa Number	Gat Number		Area	
				Hector	R.	CR.
1	2	3	4	5	6	7
Velhavali			39 Part	0	15	40
V Line v Will			32 Part	0	03	07
			31 Part	0	05	10
			33 Part	0	14	53
			35 Part	0	10	14
			29 Part	0	01	50

1 .	2	3	4	5	6	7
			- 28-A Part	0	06	30
			28-B			
			25 Part	0	05	57
			26 Part	0	00	41
			24 Part	0	16	76
			27 Part	0 .	14	92
			4 (1) Part	0	20 1	64
			4 (2)			- •

[No. O-14015/54/85—GP]

का. घा. 1715----थतः पेट्रीलियम घीर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का मर्जन) पिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 50) की खाश 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रीलियम और प्राष्ट्रतिक गैस मंत्रालय की प्रधिस्थना का. घा. 3208 तारीख 9-11-90 द्वारा केन्सीय सरकार ने उस अधिस्थना से संलग्न प्रन्मूची में विनिर्दिग्ट भूमियों में उपयोग के मधिकार की पाईप लाइनों की बिछाने के लिए प्रजित करने का अपना आक्षय भौषित कर दिया था।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारीने उपत्र प्रश्चिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रक्रीन सरकारकी रिपोर्ट वे दे हैं।

श्रीर भ्रागे यत केन्द्रीय प्सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार मिलित करने का त्रिनिक्थय किया है।

थव भतः उक्त मधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ए तब्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रिधिश्चना में संखग्न मनुसूची में विनिदिष्ट उक्त मृमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाईन बिखाने के लिए एतब्दारा मर्जित किया जाता है।

भीर मागे उसधाराकी उपधारा (4) द्वारा प्रदरत सकितथों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि, उक्त मूमियों में उपयोग का मधि-कार केन्द्रीय सरकार में विहीत होने की बजाय ग्रसीम इंडस्ट्रिज लिमिटेंड 91 साखर भवन, निरमन पाईट, मुंबई – 400 021 में सभी वाधायों से मुक्त क्य में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख की बिहीत होगा।

राज्य - महाराष्ट्र,

परिणिष्ट जिला – रायगढ़,

तहसील ~ ग्रक्तिक्षाग

गौच	सर्वे नस्बर	हिस्सा नम्बर	गट नम्बर	क्षेत्र	Ţ	
				हेक्टर	<u>चार</u>	सेग्टीमार
1	2	3	4	5	6	7
जडाय वृध्क			247 भाग	0	02	29
	- 		248 भाग	0	00	19
			249 भाग	0	07	0.5
			250 भाष	.0	11	0.6
			242-व भाग	0	02	17
			2 1 মাশ	0	19	65
			235, भाग	0	13	52
			234-ए } भाग 234-भी }	0	0.4	36
			233 भाग	0	16	96
			230 পার্	0	00	29
		~~-	229 मार्ग	0	17	16
			184 भाग	0	02	29
	·		190 ए भाग	0	27	34
	_		191 খাণ	0	0.0	32
		-14	189 पांग	Q	08	
	-,-		188 भाग	0	0.0	41 87
	· · · · · ·		187 भाग	.0	6.8	8 5

S.O. 1715.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3208 dated 9-11-90 under sub-section 1 of the Petroleum and Mineral Pipe lines (Acquisition of Right of user in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt., declared it's intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas Pipe lines.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act. submitted report to the Government.

And further wrereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

S.O. 1715.—Whereas by Notification of the Govt.

India in the Ministry of Petroleum and Natural

Pight of User in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed to sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas Pipe line

And further in exercise of powers confirmed by Sub-Section (4) of the section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Ind. Ltd., 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay-400021 free from encumbrances.

SCHEDULE

State: Maharashtra District: Raigad. Tahsil: Alibag

Village	Survey Number	Hissa Number	Gat Number.		Area	
ر المسلم			ر ما ما المسلم ا	Hector	R.	CR.
Wadhay Budruk	-		247 P art	0	02	29
			248 Part	0	00	t:
	-u-	~-	249 Part	0	07	0
			250 Part	0	11	(
	"		242-B Part	0	02]
			241 Part	0	19	6
			235 Part	0	13	5
		~=	234-A Part	0	04	3
	F		234-B Part			
	_		233 Part	0	16	9
	_		230 Part	0	00	2
	_		229 Part	0	17	i
	 ·		184 Part	0	02	2
	→		190-A Part	0	27	3
	_		191 Part	0	00	3
	_		189 Part	0	08	4
	_		188 Part	0	00	8
			187 Part	0	08	8

[No. O-14015/55/85-GP]

का. 47...1716 — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (सूमि में उपयोग के ब्रियिकार का अर्जन) प्रधिक्तिमम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की अपवारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम अर प्रकृतिक गैस मंजालय की प्रधिसूचना का.चा. (3203) तारीख 9-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट मुमियों में उपयोग के अधिकार की पाईप लाईमों की विद्यान के लिए अर्जित करने का अपना आणय शीवित कर दियाचा।

भीर यहः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपवास (1) के मधीन सरकार की रिपीर्ट दे वी है।

ग्रीर भागे यस केन्द्रीय सरकार ने उसत निपोर्ट पर विचार करने के पत्रवात इस भविद्यान से संसन्त भनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों ने उपयोग का प्रधि-कार ग्रीजित करने का विनिश्चय किया है।

भ्रव भ्रतः अकत भ्रधिनियम की साजा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त विकासों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक्द्रदारा घीपित करती है, कि इस श्रीह्रमूलमा में संख्यन श्रनूमुली में विविद्धिः उक्त भूमियों में उपयोग का स्रविकार पाईप लाईन विछाने के लिए एत्द्रारा धीजित किया जाता है।

श्रीर कार्ने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रकार मक्सियों का प्रयोग करते हुए केश्रीय मरकार निर्वेश देती है कि उनत भूमियों में उपयोग का मधि-कार केश्रीय सरकार में निहीत होने की बजाय अस्सीम इंडस्ट्रीज निमित्तेत, 91 साबार अपनः, नरीमन व्याईट, मुम्बई- 400 021 में सभी वाधाओं से मुक्त कृप में भोजपा के प्रकाशक की इस तारीक की विहीत होगा।

राज्य महाराष्ट्र.			परिणिष्ट जिला - रायगर	त ह •्	ोस - धासकाग	
गति	सर्वे नम्बर		गट तस्बर		দীর	
		•		हेमट र	भार	सेम्टीमार
1		3	4	5		
শীল				'-		
শ পে			1639 শাৰ		34	•
	-		1640 भा ग		10	
			1641 भाग 1642 भाग		E.0 8.0	
			1644 मा ग	_	. 12	
	·		1645 भाग	_	0 2	
			1646 भाग	_	1 1	
			1647 भाग	-	14	
	-		1653-ए भाग	_	08	
			1654 भाग	_	01	
			1658 भाग		00	
			1657 भाग	-	13	!
	_ _		1728 भाग	-	14	
			1729 भाग		11	
			1730 भाग		06	4
			1733 भाग	_	06	
			1734 भाग	-	12	7
			1735 भाग	_	07	
			1720 भाग	_	1 4	1
			1721 भाग	_	67	
			1722 भाग	_	08	
			1717 भाग		04	
			1714 भाग	+	12	
			1716 भाग	-	0.0	C
	—		1715 भा ग	_	16	Ċ
			1785 भाग	_	15	
गांब	सर्वे नंबर	हिस्सा शम्बर	गृट नम्बर		क्षेत्र	
				हेक्टर	भार	सेन्टीमा र
	2	3	4	5	6	7
ील			1784 भाग		07	
					06	5
		_	1794 भाग	-	יטיט	
		_	179 4 भाग 197 5 भाग	_		
	-~	_ 	1975 माग	- -	13	4
			1975 भाग 1789 भाग	- - -	13 01	4
			197 5 भाग 1789 भाग 179 6 भाग	- - -	13 01 01	4 4 7
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग	-	13 01 01 00	4 4 7 0
``			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग	- - -	13 01 01 00 03	4 4 7 0 6
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग	-	13 01 01 00 03	4 4 7 0 6
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग	\$ 1 1 1 1 1 1 1 1	13 01 01 00 03 05	4 4 7 0 6 6 6
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग	\$ 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	13 01 01 00 03 05 00	4 4 7 0 6 6 6 3
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग	s	13 01 01 00 03 05	4 4 7 0. 6. 6. 6. 5. 4
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग 1718 भाग 2773/2 भाग	\$ 1 4 4 1 1 1 4 1 7 7 7 7 7 7	13 01 01 00 03 05 00 01	4 4 7 0 6 6 6 3 4 3
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग 1718 भाग 2773/2 भाग 2773/1 भाग		13 01 01 00 03 05 00 01 17	4 7 0 6 6 6 3 3
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग 1718 भाग 2773/2 भाग 2773/1 भाग 2773/5 भाग		13 01 01 00 03 05 00 01 17 12	4 7 0 6 6 6 3 4 3 0 0
			1975 भाग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग 1718 भाग 2773/2 भाग 2773/1 भाग 2773/5 भाग 2773/4 माग		13 01 01 00 03 05 00 01 17 12 04	4 4 7 0 6 6 6 3 3 4 3 0 0
			1975 मार्ग 1789 भाग 1796 भाग 1643 भाग 1618 भाग 1656 भाग 1719 भाग 1718 भाग 2773/2 भाग 2773/1 भाग 2773/5 भाग 2773/4 मार्ग 2773/4 मार्ग 2773/4 भाग		13 01 01 00 03 05 00 01 17 12 04 07	4.4.77 0:: 6:: 6:: 5:: 4.3:: 0:: 0:: 0:: 0:: 0:: 0:: 0:: 0:: 0::

S.O. 1716.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3203 dated 9-11-90 under sub-section 1 of section 3 of the Petroleum & Minerals pipe lines (Acquisition of Right of User in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas pipe line.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers confirmed by sub-section (1) of section 6, of the said Act, the Central Govt, hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notificaion hereby acquired for laying the Gas

And further in exercise of powers conferred by subsection (4) of section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Industries Limited, 91, Sakhar Bhayan, Nariman point. Bombay 400021 free from encumbrance.

SCHEDULE

State : Maharashira		District : Raiga	d	Tahasil	l:Alibag	
Village	Survey Number	Hissa Number	Gat No.		Area	
				Hector	Aro	C. Arc
1	2	3	4	5	6	7
Choul			1639 Part		34	06
			1640 Part		10	12
			1641 Part		03	00
			1642 Part		08	2′
			1644 Part		12	1.
			1645 Port		02	4
			1646 Part	-	11	3
			1647 Part		14	1
			1653-A Part	-	08	5
			1654 Part	_	01	4
			1658 Part	_	00	1
			1657 Part		13	9
			1728 Part		14	2
			1729 Part	_	11	4
			1730 Part	_	06	4
			1733 Part	_	06	8
			1734 Part		12	7
			1735 Part	_	07	C
			1720 Part	_	14	8
			1721 Part		07	7
			1722 Part	_	08	0
			1717 Part	_	04	8
			1714 Part	_	12	3
			1716 Part		00	C
			1715 Part	-	16	O
			1785 Part		15	7
			1784 P art	_	07	6
			1794 Part		06	5
			1795 Part		13	4
			1789 Part	-	01	4
			1796 Part		01	7
			1643 Part		00	0
			1618 Part	-	03	6.
			1656 Part		05	6
			1719 Part		00	6
			1718 Part		10	5
			2773 Part	_	17	40
			2			
			2773 Part	-	12	37
			1			
			2773 Part	-	04	00
			5			

Village		Survey Number	Hissa Number	Gat No.		Area	
-				•	Hector	Are	C. Are
I	2		3	4	5	6	7
				2773 Part		07	20
				4 2773 Part		10	00
				36 2773 Part	·	07	30
				38 2773 ——— Part	_	29	60
				31 2773		00	20
				Part 39			

[No. O-14015/56/85-GP]

का. या. 1717---यतः पेट्रोलियम धौर खनिज पाईप लाईन (सूमि में उपयोग के प्रक्षिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपक्षारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की श्रिधसूचना का. था. 3213 तारीख 9-11-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से नंजन्म प्रमृत्यों में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार की पाईप लाईनों की विछाने के लिये प्रजिन करने का प्रपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

मीर प्यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट दे विया है।

श्रीर ग्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पश्चाल इस ग्रधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची मे विनिद्धिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधि कोर ग्राजित करने का विनिश्चय किया है।

.. . ग्राब ग्रात: उनत मधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ती का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवद्वारा घोषित करती है, की हम अधिसूचना में संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाईन विष्ठाने के लिए एनवद्वारा अजित किया जाता है।

भीर भागे जस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि, उक्त भूमियों में उन्नोग का प्रित्र कार केन्द्रीय सरकार ने विहीत होने की बजाय ग्रासीम इंडस्ट्रीज लिमिडेड, 91 सीखंर भवन, नरीमन प्राईट, बम्बई 400 021 में सनी बातायों ने पुना का में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को विहीत होगा।

परिशिष्ट -

राज्य - महाराष्ट्र

जिला – रायगढ

तहसील – प्रलियाग

गोब	मर्वे मम्बर	हिस्सा नम्बर	गट नम्बर		अंत्र		
				हेक्टर	मार.	सेन्टी	 -
1	2	3	4	5	6		7
 			687 भाग			02	0(
			688 भाग			00	3 5
			689 भाग			0.0	0:
			690 भाग			12	2
		-	691 भाग			04	20
			696 भाग			13	4:
			698 भाग		- -	00	66
			6 इ .5 माग			20	78
			649 भाग			16	9
			654 भाग			0.0	2 ;

THE GAZETTE OF INDIA:	JUNE 15, 1991/JYAISTHA 25, 1913	PART IIC
	, ,, 1515	T 11/1 11/1-2)

2007		THE GAZETTE OF	INDIA : JU	INE 15, 1991/JYAI	ISTHA 25,	1913	[PART II—S	EC. 3(ii)]
1		2	3	4		5	6	7
ढवर				657-ए भाग			03	4.0
		•		657-बी भाग			09	48
				675 भाग			00	58 16
		- mailte		658 भाग			06	
		Partitional		659 भाग			06	91
				662 भाग			00	43
				661 भाग			07	78
	4	name squa	· 	663 भाग			06	12 29
		هيدهب		660 भाग			00	
				609 भाग			10	83 08
		was app	, 	299 भाग			28	90
				207 भाग			01	
				300/1 भाग			10	54
				300/2 भाग			02	93
				294 भाग		~ ·	00	73
			Page Mile.	306 भाग			0.3	86
				303 भाग			01	46
		Market Mark	municanic	612 भाग			07	38
		· · · · · ·		611 भाग			02	35
			-	610 भाग			08	32 58

[सं. श्रो - 14015/57/85 - जी पी]

S.O. 1717.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3213 dated 9-11-90 under sub-section 1 of section 3 of the Petroleum & Minerals pipe lines (Acquisition of Right of User in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Goyt. declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas pipe line.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

Right of User in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6, of the said Act, the Central Govt. hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas pipe line.

And further in exercise of powers conferred by subsection (4) of section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Industries Limited, 91, Sakhar Bhavan, Nariman point, Bombay 400021 free from encumbrance.

SCHEDULE State: Maharashtra District: Raigad

Tahasil		4 111	
ranasii	:	Althao	

				1 4114511	: Alibag	
Village	Survey No.	Hissa No.	Gat No.		Area	
				Hector	Are	C. Are
1	2	3	4	5	6	7
Dhavar		-	687 Part	and the second s	02	00
			688 Part 689 Part		00 00	35
			690 Part	. ******	12	03 27
			691 Part 696 Part	- 290644	04	26
			698 Part	- Million	13 00	45 66
The second secon	Bertamor Priest Type Brown agency - Harrist By 1 of Copy of the Copy of the American Manager - 1 of the Copy o	en er anna hayalandaga er a gamalang apandagaga magalari ngi persekendalikkan er an a san er a baba	695 Part	-	20	79

4	5	6	7
649 Part		16	9
654 Part	IF L #	00	2
6\$7-A Part	_	03	
657-B Part		09	
675 Part		00	
658 Part		06	9
659 Part	_	06	
662 Part	_	00	
661 Part	_	07	
663 Part	_	06	
660 Part	_	00	
609 Part		10	
299 Part	_	28	
207 Part	*	01	
300/1 Part		10	
300/2 Part		02	
294 Part		00	
306 Part	_	03	
303 Part	→	01	3
612 Pa rt		07	3
611 P art	_	02	3
610 Part	_	08	5

[No. O-14015/57/85—GP]

बार अर्थ 1718. — यतः पेट्रं जियम और खितिश पाईर लाईन (म्सि में उपयोग के अधिकार का अधिन) अधि त्यम 1962 (1962 का 50 क) धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का मा. (3208) नागीत 9-11-1990 द्वारा केंग्रीय सरकार में उस धिधसूचना से संलग्न प्रमुक्षी में विनिविष्ट मूमियों में उपयोग के प्रधिकार की पाईप लाईनों को विछाने के िंगे प्रितित करने का प्रपना धाला प्रितिक कर दिया था।

और यतः सद्यम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दिया है।

्र और मागे यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्यात् इस मधियूचना से संलग्न प्रपृष्ठी में वितिर्विष्ट भूमियों में उन्योग *का प्रजि*-कार म्राजित करने का विनिश्चय किया है।

द्यतः उपन प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ष्मियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्धारा घोषिन करती है कि इत प्रिय-सूजना में संलग्न श्रमुस्पी में बिनिहिष्ट अक्स भूमियों में उपयोग का श्रिकार पाईप लाईन बिछाने के लिये एतद्द्वारा श्रीजन किया जाता है।

श्रीर धारों उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंब्रीय सरकार निर्देश वेती है कि, उक्त भूमियों में उनयोग का प्रधिकार केंब्रीय सरकार ने विहिन होने की बजाय ग्रामीन डंडस्ट्रीज निकिन्द , 91 माखर भवन, नरिमन पाँड्ट, मुंबई-400021 में मनो बांधानों से मुक्त छन में भोजा के प्रकाशन की इस नारीख को विहिन होगा।

परिशिष्ट

राज्य : महाराष्ट्र		जिला : रायगङ	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	नहसील : ग्रन	विग	
गांव	सर्वे भंबर	हिस्सा [,] नंबर	गट र वेर्	 क्षे	7 7	
				ते क्ट र	ज्ञार क्रार	===== रोडो क्रह
1	2	3	4.	5	6	
देशचर.			25 भाग		29	35
			26 भीग		21	30
	_		45 भाग			0 9
			44 भाग		4.1	85
			92 भाग		31	.77
			116 भाग		11	21
		 -	117 भाग		0.8	90
			125 भाग		0.5	80
	<u></u> ·		123 भाग		22	0.5
	- .	. —	273 माग		16	44

1	2	<u>3</u>	4	5	6	7
वेजमर (कारी)		<u></u>	272 माम		06	38
	−स्		283 भाग			26
			284 भाग	·=	0 5	85
		- 	282 भाग			24
			289-ए भाग		18	73
			294 भाग		0.5	72
			289 भाग		0.6	59
	- -		297 भाग		0 1	17
		_ _	304 भाग		0.8	06
			315 भाग		02	83
			320 भाग		11	81
			319 भाग		16	31
			353-० भाग	-7-	02	80
			3 5 3∹वी भाग		0.5	8 1
		· —	327 भाग		02	10
			352 भाग		06	03
			329 भाग		03	40
			349 भाग		2.8	34
			348 भाग		01	45
			कार्ट द्रैक		01	00
			346 भाग		17	60
			345 भाग 345 भाग			0.4
		_				
			344 भाग	<u></u>	02	35
			340 भाग		,	76
	-		341 भाग		11	40
			3 4 3 भाग	_	21	70
	_	_	324 भाग		06	4 5
			286 भाग,		09	79
			271 भाग	`	01	92

सि. ओ-14015/58/85-श्री पी]

S.O. 1718.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3204 dated 0-11-90 under sub-section 1 of section 3 of the Petroleum & Minerals pipe lines (Acquisition of Right of User in land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas pipe line.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the

Right of User in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6, of the said Act, the Central Govt, hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas pipe line.

And further in exercise of powers conferred by subsection (4) of section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Industries Limited, 91, Sakhar Bhavan, Nariman point, Bombay 400021 free from encumbrance.

SCHEDULE

State: Maharashtra

District : Raigad

Tahasil : Alibag

Village	Survey Number.	Hissa Number	. Gat Number 5t-		Агса	
				Hector	Are	C. Are
Deoghar			25 Part		29	3 5
C			26 Part		21	30
			45 Part			09
			44 Part	_	44	85
			92 Part	_	34	77
			116 Part		11	21
			117 Part		08	90
			125 Part	_	05	80
			.123 Part	_	22	05
		•	272 Part		06	38
			273 Part	-	16	44
			283 Part	_		26
			284 Part		05	85
-			282 Part	-		24
			289-A Part		18	78
			294 Part		05	72
			298 Part	_	06	59
			297 Part	_	04	17
			304 Part		08	06
			315 Part	_	02	83
			320 Part		11	81
			319 Part	_	16	31
			353-A Part		02	80
			353-B Part		05	81
			327 Part		02	10
			-352 Part	_	06	03
			329 Part		03	40
			349 Part		28	34
			348 Part		01	45
			Cart Track	_	01	00
			346 Part		17	60
			344 Part	_	02	35
			345 Part		_	04
			340 Part		_	76
			341 Part	_	11	40
			343 Part	_	21	70
			324 Part		06	45
•			286 Part		09	43 79
			271 Part		01	92

[No. O-14015/58/85---GP]

का.धा. 1719: -स्थनः पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की भिष्ठमूचना का.धा. (3206) तारीख 9-11-1990 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस मधिसूचना से संलग्न भमुमूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग के मधिकार को पाईप लाईगों की विछाने के लिये मंजित करने का भयना भागम भोषित कर दिया था।

और यतः सक्तम प्राधिकारी ने उन्त ध्रीक्षित्यम की धारा 5 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दिया है।

और भागे यतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस स्रक्षित्रका से सैलस्त भनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार भणित करने का विनिश्चय किया है।

ग्रतः उपत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केंग्रीय सरकार एनद्वारा घो:वत करती है कि, इस ग्राधिसूचना में संखयन जनुसूची में विनिर्दिष्ट उपत भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाईप लाईन किछाने के लिये एतद्वारा ग्राणित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपघारा (4) बारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए कैंग्बीय सरकार निर्वेण देती है कि, उन्त भूमियों में उपयोग <u>का मिलिकार</u> केन्द्रीय सरकार ने विहित होने की बजाय प्रासीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 91 सामर मर्बन, निर्मिन पॉईट, मुंबई-400021 में सभी बाधाओं ने मुक्त का से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को विहित होगा।

1441 GI/91-12.

परिक्रिक्ट :

राज्य : महाराष्ट्र		जिला : शयगड		नप्तमीप ः	लिजाग	
गांच	सर्वे भं बर ·	हिस्सा नंबर	गट कमांक		क्षेत्र	t.
				हेक्टर	भार	मेंटी <i>बार</i>
भा ना य	68	9 मार्ग			13	23
	68	11 भाग				01
	68	13 भाग	_		03	12
	68	15 भाग			0.2	62
	68	1 4 भाग			~=	73
	67	9 + 14 भाग			04	92
	67	4 + 6 + 8 + 16 माग			04	40
	67	12 + 17 भाग			07	81
	67	13 भाग			0.1	58
	67	14+18+19 भाग	_		07	74
	64	2 + 10 भाग	-	_	03	92
	64	3 भाग	_	~~~	0.0	33
	64	1 पाग			00	1 ·
	64	5 भाग		~-	10	7
	64	4 भाष	_		21	52
	61	2-ए भाग			0.0	36
	61	1 (1) भाग			0.3	2.5
	61	1 (2) भाग				
	61	2-की भाग			10	3 5
	80	4 भाग			1.0	4.0
	80 -	6 भाग			0.0	57
	80	3 भाग	_		0 æ	30
	9.6	1 भाग			02	88
	96	5 भाग			04	66
	97	3 + 9 भाग			10	71
	97	8 भाग		~-	01	30
	55	i भाग			04	5.5
	5 5	2 भाग			0.5	1 7
	\$ 5	3 भाग	_		0.6	51
	55	4-मी भाग			01	41
	55	4-बी माग			07	0
	2	2-भी भाग	-in-		12	67
	2	2-नी भाग		→ →	12	63
	2	2-ए भाग			14	7.5
	4	I-ए- 1 भाग	_		23	26
	61	5 भाग			01	80
	6.5	1 भाग			00	30
	65	2 भाग			08	44
	64	8 भाग			00	
	6.8	• 9· १८४				0.5
					01	0.0
	68	. 11 भाग			01	0

S.O. 1719.—Whereas by Notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3206 dated 9-11-90 under sub-section 1 of the Petroleum & Minerals pipe lines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Govt. declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that Notification for the purpose of laying Gas pipe line.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Govt. has, after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6, of the said Act, the Central Govt, hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to the Notification hereby acquired for laying the Gas pipe line.

And further in exercise of powers conferred by subsection (4) of section 6, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in Central Govt. vests on this date of the publication of this declaration in the Grasim Industries Limited, 91, Sakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400021 free from encumbrance.

RAJIV MEHRSHI, Dy. Secy.

Competent Authority
Natural Gas-Pipe-Line
Thal to Selay.

	:	SCHEDULE				
State: Maharashtra	District : Raigad			l : Alibag		
Village	Survey Number	Hissa Number	Gat Numb.r		Area	
				Hectare	Are	C. Are
KHANAV	68	9 Part			13	23
	68	11 Part				01
	68	13 Part			03	12
	68	15 Part	_		02	62
	68	14 Part				73
	67	9+15 Part	_		()4	92
	67	4+6+8+16 Part	_ •		04	40
	67	12+17 Part			07	81
	67	13 Part	_	_	οί	58
	67	14+18+19 Part	→		07	74
	64	2+10 Part		_	03	92
	64	3 Part	_		00	33
	64	1 Part			00	14
	64	5 Part			10	70
	64	4 Part	_		21	52
	61	2-A Part	_		00	
	61	1(1) Part)		_	•••	36
	61	1(2)		_	03	25
	61	2-B Part			10	35
	-80	4 Part			01	40
	80	6 Part		_	00	57
	80	3 Part		-	05	30
	96	1 Part		_	- 02	88
	96	5 Part		_	04	66
	97	3+9 Part			10	71
	97	8 Part			01	36
	55	1 Part			04	
	55	2 Part	_		05	55
	55	3 Part		- · ·	05	17 50
	55	4-CPart	_	_	01	
	35	4-B Part	_	_	07	41
			_			04
	2	2-B Part	, -		12	67
	2	2-A Part	_	_	14	75
	4	1-A-1 Part		_	23	26
	61	5 Part			01	80
	65	1 Part		. —	00	30
	65	2 Part	L -	_	08	44
	44	8 Part			00	05
	68	9 Part	-	**	01	00
	68	11 Pert	2	-+	01	00

का.धा. 1720 : -यतः केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्राथमक है कि महाराष्ट्र राज्य, जिला रायमंड में मौजे थोरीस, तहसील प्रलीकांग से मौजे सालाय, तहसील मुख्ड जंजीरा तक नैसर्गिक गैस परिवहन के लिये पाईप लाईन मैसमें प्रासीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 91 साखर भवन, निपान पर्गेंडर, मुंबई-400021 बम्बई द्वारा विछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतवुपाबद्ध मनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना माथक्यक है।

भतः भव पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का धर्जन) श्रधिनियम, 1982 (1962 का 50) की धारा 3 की उप बारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का श्रधिकार श्रजित करने का भपना श्राशय एनवृद्धारा घोषित किया है।

बेशतें कि उक्त भूमि में हितवड़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईन भलाईन बिछाने के लिये बाक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, ग्रामीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, प्रभ निवास, तहसील मलीबाग को इस बिधसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा माक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यक्तायी के मार्पन ।

·		अनुसूर्च	T			
राज्यः महाराष्ट्र		जिला : रायगड		तहसील : ग्रलीब	· ाग	~
गांव	सर्पे नंबर	हिस्सा नंबर	गट मंबर	 ਖ਼ੌ	 व	*
				हेक्टर	धार	सेंटीश्रार
व ामणोली	22	1-ए, भाग			01	50
	24	3-ए भाग			26	0.0
	24	3-श्रीभाग	; 		0.5	. 08

[सं. ऑ-14015/60/85-जी पी]

S.O. 1720.—Wheras it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas, from Boris, Tehsil Alibagh, District Raigad to Village Salav, Tehsill Murud (Janjura), District-Raigad in the State of Maharashtra pipeline should be laid through the Agency of Grasim Industries Ltd., 91 Shakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400021.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipe lines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the land schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum & Minrals pipe lines (Acquisition of Right of user in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user in the lands referred in the schedule:

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipe lines through the said lands may prefer any objections within 21 days from the date of the notification, to the Competnt Authority, Grasim Industries Ltd., Prabhu Building, Alibag, District-Raigad, Maharashtra State.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

C /	$^{ m CH}$	ľŔľ	M	T T T	

State: Maharashtra	District : Raigad		Tehsil:	Alibag		
Village	Survey No.	Hissa No.	Gat No.		Area	
				Hectare	Are	C, Arc
BAMNOLI	22	1-A Part			01	50
D/ HVI (OD)	24	3-A Part			26	00
	24	3-B Part			05	08
				<i>_</i> _ 		

[No. O-14015/60/85-GP]

का. मा. 1721:--यतः केन्द्रीय संस्कार को यह प्रतीत होता है कि मोकहित में यह माध्य्यक है कि महाराष्ट्र राज्य, जिला शयगड में मोज बोरीस, सहसील मलीबाग से मोज सालाब, तहसील मुख्ड जंबीरा तक नैसर्गिक गैस परिवहन के लिये पाईप लाईन मैससे प्रासीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड 91 साजर भवम, नरीमन पर्वाईट, मुंबई-400021, बस्बई द्वारा बिन्डामी जानी चाहिये।

भौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के लिये एनदुपाबक भनुसूची में वर्णित भूमि मे उपयोग का श्रीधकार प्रजित करना भावश्यक है।

मतः मन पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का मर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा उ की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त ग्राक्तियों का भिक्षकार अजित करने का ग्रंपना ग्रामय एतदेवारा घोषिय किया है।

बेशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन विष्ठाने के लिये माक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, ग्रासीम इंबस्टीज लिमिटेड, प्रभू निवास, सहसील प्रलिखाग को इस प्रशिमुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा माक्षेप करमे बाला हर रूपक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायों के मार्फत।

		•	_	
पा	77	V	г,	ľ

राज्य : महाराष्ट्र	जिला ः रायग	3		तहसीस : मुरु	-
ग्वि	सर्वे नंबर	हिस्सा नंबर		ं क्षेत्र	
		v	हैक्ट र	भार	संटीग्रार
सालाव	5	2/7 पार्ट	0	10	80

[मं. भो.-14015/61/85-जी.पी.]

S.O. 1721.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas, from Boris, Tehsil Alibag, District Raigad to Village Salav, Tehsil-Murad (Janjura), District-Raigad in the State of Maharashtra pipe line should be laid through the Agency of Grasim Industries Ltd., 91 Shakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400021.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipe lines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the land schedule annexed here to :-

Now, therefore, in exercise of the powers confrred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum &

Minerals pipe lines (Acquisition of Right of user in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user in the lands referred in the schedule:

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipe lines through the said lands may prefer any objections within 21 days from the date of the notification, to the Competent Authority, Grasim Industries Ltd., District-Raigad, Maha-Prabhu Niwas, Alibag, rashtra State.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

State: Maharashtra	District : Raigad		Tehsil: Murdd		
Village	Survey No.	Hissa No.		Агеа	
			Hectare	Are	Centiare
SALAV	5	2/7 Part	0	10	80
	~~ ~~ ~~ ~~ ~~ ~~ ~~ ~~ ~~ ~~				

[No. O-14015/61/85-GP]

1723 :---यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्यः जिला रायशब मोजे बोरीस, तहसील मर्माबाग से मोजे सालाव, तहसील मुरुष्ट जंजिरा तक नैसर्गिक गैम परिवहन के लिये पाईप लाईन मैसर्स आसीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 91 साखर भवन, निरमन पांईट मुंबई 400021, बस्बई द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः यह प्रतीन होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनवृपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार भिर्णिन क रना ग्रावश्यक है 🤅

मतः मत पेट्रोलियम **मौरसनिज पाईप** लाईन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) मधिनियम, 1982 (1962 का 50) की धार। 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का घधिकार भौजित करने का श्रपना मागय एतदद्वारा घोषित किया है।

वेशर्ते कि उक्त भूमि में हिस**बड़ कोई व्यक्ति**. उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, ग्रासीम इंडस्ट्रीज लिभिटेंड, प्रभू बिल्डिंग, तहसील मिलिबाग को इस प्रिधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

श्रीर ऐसा भाक्षीय करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के मार्फत।

-4	۲.	۲.,	
- Ч.		М	ç

राज्यः महाराष्ट्र		जिलाः रायगद			तहसील : ग्रही	भाग
गांव	सर्वे मंबर	हिस्सा नंबर	गट नंबर		धोस	
		_		हेक्टर	श्रीर	सें. भार
मार् षी र			– ३ पार्ट		17	04
					[1	- े पी ।

S.O. 1722.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas, from Boris, Tehsil Alibag, District Raigad to Village Salav, Tehsil-Murud (Janjura), District-Raigad in the State of Maharashtra pipe line should be laid through the Agency of Grasim Industries Ltd., 91 Shakhar Bhavan, Nariman Point, Bombay 400021.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipe lines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the land schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum & Minerals pipe lines (Acquisition of Right of user in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user in the lands referred in the schedule:

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipe lines through the said lands may prefer any objections within 21 days from the date of the notification, to the Competent Auhority, Grasim Industries Ltd, Prabhu Building, Alibag, District-Raigad, Maharashtra State.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

District : Ralgad		Tehsil : A	libag		
Survey No.	Hissa No.	Gat No.		Area	
		•	Hector	Are	C. Are
		3 Part		17	04
	Survey No.	Survey No. Hissa No.	Survey No. Hissa No. Gat No.	Survey No. Hissa No. Gat No. Hector	Survey No. Hissa No. Gat No. Area Hector Are

नई दिल्ली, अजून, 1991

ग्रीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विकान के प्रयोजन के लिए एतदुवाबद्ध धनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का मधिकार मिजत करना श्रायक्ष्यक है।

अतः श्रव पेट्रोलियम और खिनज पाष्ट्रप लाइन (भूमि में उपयोग के मिश्वकार का श्राजन) श्रशिनियम, 1962 (1962 का 50) की श्रारा 3 की उपयोग (1) कारा प्रवत्त शिक्तवों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का शिक्षकार श्रीजत करने का श्रपना श्रीशय एत्राह्मारा थे।

अवार्ते कि उश्त भूमि में हिशबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के तीचे याद्य लाइन बिछाने के लिए द्याक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकारण थि., 406 की कलक्ट्रेट, राजनगर, गाजियाबाद (उ. प्र.) को इस मधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा भ्राक्षिप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह पाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्ति एप से ही या किसी विधि व्यवसायी के मार्फंस।

ग्रनसूची

अनपर्य	लह् सी ल	प रगमा	ग्रीम	म्बस रा/गाटा संख्या	क्षे त्रफ ल (है . मे.)	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
गाजियाधाद	वादरी	दा दरी	दयानगर	18	0.307	
. ,				19	0.001	
				21	0.005	
				112	0.003	
				113	0 082	
				114	0.001	
				117	0.001	
				123	0.016	
				124	0.003	
				125	0.115	
				140	0.010	
				141	0.118	
			7-4-	12	0.662	
					भीर	
					2-12-7	
					ब ्धा	

New Delhi, the 3rd June, 1991

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Dadri Sikandrabad Gas Pipeline Project, Room No. 406B, Collectorate, Raj Nagar, Ghaziabad (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE
DADRI- SIKUNDRABAD GAS PIPELINE PROJECT

District	Tehsil	Pargana	Village	Khasra/ Plot No.	Area in Hect.	Remark
1	2	3	4	5	6	7
District Ghaziabad	Dadri	Dadri	Dayanagar	18	0.307	
			, -	19	0.001	
				21	0.005	
				112	0.003	
				113	0.082	
				114	0.001	
				117	0.011	
				123	0.006	
				124	0.003	
				125	0.115	
				140	0.010	
			141	0.118		
			12	0.662		
				2-	or 12-7 Bigha	

[No. O-14016/8/91-GP]

का, भा, 1724 :- ~यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भाषण्यक है कि उत्तर प्रदेश में एक बी, जें, तक पेट्रॉ-शियम और श्रकृतिक गैस के परिवहत के लिए पाइप लाइन भारतीत गैस प्राधिकरण लि, द्वारा क्रिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः प्रकीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने या प्रयोजन के लिए एनवपायक ग्रामुनी में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार प्रजित करना श्रावश्यक है।

श्रातः श्रम पेट्रीलियम **भीर** खनिज पोध्य लाइन (भृमि में उपयोग सिक्कार का श्राजंन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश शंकितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार मिजत करने का श्रपना साम एनदद्वारा श्रीजित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हित्बाढ़ कीई व्यक्ति उस भाम के नीच पाइय लाइन विछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिक करण लि , 406 वी कलक्ट्रेंट, राजनगर, गाजियाबाद (३ ५) की इस प्रक्षिमुचना की तारीख से 21दिन के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेय करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टन: यह भी कथम करेगा कि क्या वह साहता है कि उसकी भुनवाई व्यक्तिगत रूप हो या किसी विधि व्यवसाधी के मार्फतः।

[मं. **मो**--14016/7/91--जी,पी]

S.O. 1724.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum & Natural Gas From H.B.J. to in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

1 566 या 6-3-19 धीषा

3.4

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Dadri Sikandrabad Gas Pipeline Project, Room No. 406B, Collectorate, Raj Nagar, Ghaziabad (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE
DADRI—SIKUNDRABAD GAS PIPELINE PROJECT

District	Tohsil	Pargana	Village	Khasra/ Plot No.	Area in Hect,	Romarks
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Nagla Chamru	405	0.001	
				407	0.025	
				408	0.142	
				409	0.108	
				428	0.001	
				430	0.104	
				431	0.059	
				432	0.001	
				433	0.036	
				434	0.013	
				435	0.025	
				436	0.013	
				437	0.025	
				438	0.001	
				471	0.126	
				472	0.023	
				473	0.023	
				474	0.001	
				485	0.001	
				491	0.051	
	•			492	0.066	
				493	0.001	
				497	0.063	
				500	0.056	
				501	0.108	
				502	0.063	
				507	0.063	
				508	0.001	
				509	0.001	
				512	0.097	
				514	0.066	
				515	0.066	
				519	0.068	
					0.068	
				34	1.566	
					or	
					6-3-19	
					Bigha	

[No. O-14016/7/91-GP]

का. ग्रा. 1725:--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि उत्तर प्रदेश में एव. बी. जे. तक पेट्रालियम और प्राकृतिक गैम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लि. डारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने या प्रयोजन के लिए एतदपाबक्क घनुमूची में वर्णित सूमि में उपयोग का मधिकार श्राजितः करना आवश्यक है।

ग्रतः ग्रब पेट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग मधिकारका श्रजेन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार मजित करने का अपना भागय एत्वद्वारा घोषित किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हिन्बद्ध कार्ड ध्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण वि , 106 बी कलेक्ट्रेट , राजनगर, गाजियाबाद , (अ.प्र.) को इस प्रश्रिमूचना की नारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टनः यह भी कथन क^{रे}गों कि क्यां यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप **से हो** या विधि व्यवसायी के मार्फन ।

1441 GI/91-13.

म्रतगुची

दावरीसिकन्दराबाव	ਹੈ ਜ਼ਾ ਜ਼ਾਈਜ਼ ਆਈ ਜ਼ ਾਦਿ ਅਤ	-
्दावरा—−।सफल्बराबाव	HH HISHMISH AINHS	

असपद	तहमील	परगना	ग्राम	खसरा/शाटा संख्या	क्षेत्रफल (है, मं.)	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
गाजियाबाव		दावरी	छन्नयासा	542	0.093	
***				547	0.015	
				548	0.001	
				549	0.054	
				551	0.005	
				5	0.168	
					या	
					0-13-4	
					बीधा	

[सं. भो.--14016/9/91---जीपी.]

S.O. 1725.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum & Natural Gas From H.B.J. to..............in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Dadri Sikandrabad Gas Pipeline Project, Room No. 406B, Collectorate, Raj Nagar, Ghaziabad (U.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE
DADRI-SIKUNDRABAD GAS PIPELINE PROJECT

District	Tehsil	Pargana	Village	Khasra/ Plot No.	Area in Hect.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziaba d	Dadri	Dadri	Chhanyasa	542	0.093	
			•	547	0.015	
				548	0.001	
				549	0.054	
				551	0.005	
				5	0.168	
					or	
0					0-13-4	
					Bigha	

[No. O-14016/9/91-GP]

का. घा. 1726 -- जबकि केन्द्र सरकर यह धनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह धावस्थक है कि बवराला से दिल्ली तक पेट्रोलियस पदार्थ सामे के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना स्पर साइन-3 का विस्तार किया आए। पाइप लाइन गैस अधॉरिटी घाफ इंडिया लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिए।

[ं] भीर यह भी धनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन विछाने के लिए इसके साथ संलन्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्त का प्रधिकार यहण करना मावश्यक है।

भतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का ग्रधिकार ग्रहण) म्रधिनियम, 1962 (1962 को 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) ज्ञारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एनद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती हैं। क्यार्त कि उक्त भूमि में अपनी रूचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति प्रक्षिस्चना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, गैस भ्रथोरिटी भ्रोंक इंडिया लिमिटेड, एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप विल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ- 226019 उ. प्र. में दर्ज करा सकता है।

भीर ऐसी प्रापत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से प्रपना मन प्रस्तुत करना चाहता है।

ध्रनुपूरक वाद धनुसूची एचः बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट(स्पर लाईन III)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षे त्र फल 		विवरण
1	. 2	3,	, 4	5	6	बीबिवि.	7
	दावरी	दादरी	तालबपुर उर्फा उहाथीपुर	404		-0-18 -2-0	
				2	()- 2-18	
- 							

[सं. ओ-14016/5/89-जी पी]

S.O. 1726.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from HBJ to Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline Project SPURLINE III a Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intension to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipeline Project (Spur Line -III)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot I	No. Arca in Bihga	Remarks
1	2	3	4	5	B.B.B.	6
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Talabpur Urf Hathipu r	404 244	0-0-18 0-2-0	
				2	0-2-18	→

[No. O-14016/5/89-GP]

का. मा. 1727.—जबकि केन्द्र सरकार यह मनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह म्रावश्यक है कि बवराला से विल्ली तक पेट्रोलियम पवार्थ लागे के लिए एच. बी. जे. पाईप लाईन परियोजना स्पर लाइन-3 का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस म्रावरिटी माफ इंडिया लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिए।

भीर यह भी भ्रनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का प्रधिकार ग्रहण करना भावस्थक है। मतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का मिधकार ग्रहण मिधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उपखण्ड (1) हारा प्रवत्त ग्रामितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का मिधकार ग्रहण करने की मंगा की धीषमा करती है।

बगतें कि उक्त भूमि में प्रपनी रूचि रखने वाला कोई भी ध्यक्ति प्रिधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विछाने के विरोध में भपनी भापत्ति सक्षम प्राधिकारी, गैस भवौरिटी भाँक इंडिया लिमिटेड, एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप विहिंडग, 22 स्टेशन रोड, लब्बनऊ-226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

भीर ऐसी भ्रापत्ति वर्षे कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रथवा विधि व्यवसायक के माध्यम से भ्रथमा मत प्रस्तुत करना चाहता है।

भनुपूरक बाव धनुसूची एख. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजैक्ट (स्पर लाईन III)

जनपव	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
	गाजियासाद	बासना	गह पुर वमेटा	1344	बि. ⊸बि. —बि. 0—0∸4	
गोजियाबाद	गाजिलाकात	•(4.11	सह पुर यनन	1344		
				1	0- 0- 4	

[मं. मो---14016/9/89---जी पी]

S.O. 1727.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from HBJ to Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline Project SPURLINE III a Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intension to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipeline Project (Shur Line III)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Bigha	Remarks
1	2	3	4	5 ,	6 B.B.B.	7
Ghaziabd	Ghaziabad	Dasna	Shahpur Banneta	1344	0-0-4	
				1	0-0-4	_
				[]	No. O-1401	6/9/89-GP

का, ग्री. 1728 .— जबिक केन्द्र सरकार यह ग्रनुभव करती है कि सर्विजिनिक हित में यह भावप्यक है कि बंबराला से विल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ काने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना स्पर लाइन-3 का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस ग्रयॉरिटी ग्राफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भौर यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलन्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

धतः पेट्रोलियम एवं ख्वनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार प्रकृण) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है। बशतें कि उक्त भूमि में अपनी हाचि रखने प्वाला कोई भी व्यक्ति श्रधिसूचना की सारीख में 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपित सक्षम प्राधिकारी, गैंस भ्रथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, एच.बी.जे.पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेंगन रोड, लखनऊ-226019 उ. प्र.में दर्ज करा सकता है।

ग्रीर ऐसी ग्रापित दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि यह व्यक्तिगत रूप से प्रथया विधि व्यवसायक के माध्यम से ग्रपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

ग्रनुपूरक बाद ग्रनुसूची एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट (Iस्तर लाइन II)

जनपद	तहसील	परगना	ग्रा म	गाटा	₹.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	5	в	7
						बिबिवि.	
गाजियाबाद	बादरी	वादरी	छप रोला	101 I	129 मि .	0-0-11	
				173	71 मि.	0-0-12	
				2		0-1-3	49

[मं. फ्रो-14016/8/89--जी पी]

S.O. 1728.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from HBJ to Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline Project SPURLINE III a Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intension to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)

H.B.J. Gas Pipeline Project (Spurline-III)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No. Area in Remarks Acre Bigha
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Chhaproula	B.B.B. 101 129M 0-0-11 I 173 71M 0-0-12
				2 — 0-1-3
				[No. O-14016/8/89-G.P.]

का. भा. 1729---जबिक केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि ववराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ छाने के लिए एच. भी. भे. पाइप लाइन परियोजना स्पर लाइन-3 का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन गैस अर्थारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा विछाई जानी चाहिए।

श्रीर यह भी श्रनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणों में निर्धारित भूमि पर प्रयोजना का ब्राधिकार प्रहुण करना आवश्यक है।

भनः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एनद्दारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है। बंशार्ट कि उस्त भूमि में भ्रमनी स्थि रखने बाला कोई भी व्यक्ति श्रिधसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में भ्रमनी श्रापित्त मक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, ए.च.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ-226019 उ.प. में दर्ज करा सकता हैं।

और ऐसी ग्रापत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति की यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से ग्रयना विधि व्यवसायक के माध्यम से भ्रपना मत प्रस्तुत करना चाहता है ।

ग्रनुपूरक वाद ग्रनुसूची

∪चाळी	जे	गैस पाइप लाइन	<u>धोजेम</u> ः	₹ ₂ ,4	लाइन	III)	
ુલ્બા. બાર	ч.	गरा नाइन रास्त्	माणगढ	1646	ा। हुन	311/	

जनपद	त ह् सी ल	परगना	ग्राम	ग	ाटा सं .	क्षेत्रफ रा बीघा में	विस रण
1	2	3	4	·- ·- ·- ·- ·- ·- ·	5	6	7
						——⊸-—————— बि.−बि.वि.	
जियाबाद	वादरी	दावरी	विशनूनी	107	728 年、 729 年、 730 年。	0-1-0	
				258	459 मि. 475 मि.	0~ 0- 12	
				2		0- 1-12	

[सं. भो-14016/4/89--जी पी] राजीव महाँघ, उप सचिव

S.O. 1729—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from HBJ to Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline Project SPURLINE III a Tipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedulc annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government nereby declares its intension to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd, HBI Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplimentary Case (Schedule)
11.B.J. Gas Pipeline Project (Spur Line-III)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No		Area in Bigha B.B.B.	Ramarks
1	2	3	4			6	7
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Bishnooli	107	728 M 729 M 730 M	0-1-0	
				258	459 M 475 M	0-0-12	
				2	-	0-1-12	_

[No. O-14016/4/89-GP]

स्वास्थ्य और परिवार फल्याण मंत्रालय

नई विल्ली 17 मई, 1991

का. प्रा. 1730-- केन्द्रीय सरकार, भारतीय प्रायुविज्ञान परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा ii की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए, भारतीय प्रायिक्तान परिषद से परामणें करने के पश्चात उन्ह प्रधिनियम की पहली प्रमुस्ची का निम्निणित और संशोधन करनी है, प्रयोत:--

जनत अधिनियम की पहली अनुसूची में,
"लखनऊ विश्वविद्यालय" शीर्षक के नीचे की प्रविष्टियों के पश्चात् निम्निलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, श्रयीत्:—— "मास्टर भाक सर्जरी (सर्जरी) एम.एस. (सर्जरी) डाक्टर भाक मेडिसिन (जनरल मेडिसिन)—एम.डी.(जन.मेडि.)' [संख्या बी. 11015/31/90-एम.ई (पी)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 17th May, 1991

S.O. 1730.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the First Schedule to the said Act, under the heading:

"University of Lucknow after the entries the following entries shall be added, namely:—

"Master of Surgery (Surgery) M.S. (Surgery)
Doctor of Medicine (General Medicine)
M.D. (Genl. Med.)"

[No. V. 11015|31|90-ME'P)] H. N. YADAV, Desk Officer.

एच .एन. यादव, डेस्क प्रधिकारी

जल-भूतल परिवहन मंद्रालय

(परिवहन पक्ष)

ग्राच-पत्न

नई विस्ली, 27 मई, 1991

का आ. 1731.—जल-भूतल परिवहन महालय, भारत सरकार की दिनांक 26 भक्तूबर, 1988 की भ्रष्ठिसूचना सं. का आ. 984(भ्र) के साथ भ्रकाशित गोदी श्रिमिक (रोंजगार का विनियमन) संगोधन नियम 1988 में नियम 2 के खंड (iii) में "नियम 4 का उप नियम (5)" गब्दों, आंकड़ों और कोव्टकों के स्थान पर "नियम 4 का उप नियम (4)" पढ़ा जाए। [का. सं. एल बी-13012/1/91-यूएस(एल)]

पी. के. मिश्र, निदेशक

टिप्पणाः मुख्य नियम भारत के राजपन्न भाग II. खंड, 3, उपखंड (ii) विताक 1 अन, 1962 में का.भा. गं. 1810 के तहत प्रकाणित

हुए थे।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing) CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th May, 1991

S.O. 1731.—In the Dock Worker, (Regulation of Employment) Amendment Rules, 1988, published with the notification of Government of India in the Ministry of Surface Transport No. S.O. 984(E) dated

26th October, 1988, in clause (iii) of rule 2, for the words, figures and brackets "sub-rule (5) of rule 4", read "sub-rule (4) of rule 4".

[F. No. LB-13012|1|91-US(L)] P. K. MISHRA, Director

Note: The principal rules were published in the 'Gazette of India, Part II, Section 4, Subsection (ii) dated 1st June, 1962 under S.O. No. 1810.

थम मंत्रालय

श्रधिसूचना

नई दिस्ली, 15 मई, 1991

का. था. 1732.— उत्प्रवास अधिनयम, 1983 (1983 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रथीग करने हुए केन्द्रीय सरकार क्षेस्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त कार्यालय में निथुतन लेखा अधिकारी श्री तरसेम लाल की दि. 13 मई, 1991 से 17 मई, 1991 तक के लिए उत्प्रवासी संरक्षी, चण्डीगढ़ के सभी कार्यों को करने के लिए प्राधिकृत करनी हैं।

[संख्या-ए-22012/1/90-जरप्र.] डा० (कु०)प्रफुल्ला करकेट्टा, भवर संचित्र

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th May, 1991 NOTIFICATION

S.O. 1732.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Emigration Act 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri Tarsem Lal, Accounts Officer in the Office of Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh to perform all functions of Protector of Emigrants, Chandigarh in the Office of Protector of Emigrants, Chandigarh from 13-5-91 to 17-5-91.

[No. A-22012|1|90-Emig]

DR. (KUM) PRAFULLA KERKETTA, Under Secv.

नर्ष दिल्ली, 17 मई, 1991

का. थ्रा. 1733.- - औद्योगिक विवाद श्रिष्ठितियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की घारा 33को के अन्तर्गत इण्डियन एयरलाईन्स, बम्बई के प्रजन्धन के विरुद्ध उनके. केमकारों के द्वारा वायर एक प्रार्थना एवं के संबंध में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 1 बम्बई के पचपट को प्रकाशित करती है, जो कि केन्द्रीय सरकार की 16-5-91 को प्राप्त हुआ।

New Delhi, the 17th May, 1991

S.O. 1733.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Bombay, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay, and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-5-91.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY (PRESIDING OFFICER: JUSTICE S. N.

KHATRI)

REFERENCE NO. CGIT-30 OF 1988

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Indian Airlines, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Management :Shri M.M. Verma, Advocate.

For the Workmen: Shri A. N. Edulji, President Airlines Cabin Crew Association.

INDUSTRY: Airlines.

STATE: Maharashtra

Bombay, dated 3rd May, 1991

AWARD

The Central Government has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

- "Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in removing Ms Anne Patrica Sheehan, Air-Hostess from services w.e.f. 25-3-1985 is legal ustified? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date:"
- 2. Ms. Anne Sheehan, a lady Workman (hereafter for short 'the LW was in the employment of the Indian Airlines, Bombay, (hereafter, 'the Management') at Bombay as Air Hostess from March 1981 till 25-3-1985, on which date she was removed from service after holding a domestic inquiry against her. Four charges were levelled against her, which are being quoted below shortly. They cover different incidents dated 21-6-1983, 20-7-1983, 16.7.1983 and 21-7-1983. Of these four charges, she was absolved by the Inquiry officer, of charge I relating to the incident dated 21-6-1983. The other charges (No. II, III and IV) were held duly established by the Inquiry Officer Shri J. I obo Senior Transport, Officer by his report dated 23-10-84 (Ext. W-17). The Regional Director accepted the findings on the three charges and issued Notice to her on 1-12-85 (Ex. W-1) to show cause why she should not be removed from service. After considering her reply Ex. W-9, the Regional Director passed the impunged order removing her from service with effect from 25-3-85. The LW preferred an appeal to the Director of Operations by her letter dated 17-4-1985 (Ex. W-22). It was rejected by him by his order dated 11-1-1985 (Ex. W-23). Here it may be stated that the entire disciplinary proceedings from the initiation of the charge sheet upto the final disposal of the appeal have been conducted under the Standing Orders (Regulations) concerning Discipline and Appeal-1 for employees other than those governed by the Factories Act. These shall hereafter be generally referred to as 'the Regulations'. Initially in her pleadings the LW had raised an objection that these Regulations do not govern her and challenged the competence of the Inquiry Officer, the Disciplinary Authority and the Appellate Authority. At the final hearing however, Shri Gadkari who is appearing for the Airlines

Cabin Crew Association (hereafter the 'Association') did not press the same. Now I proceed to set out the charges against the LW from the charge-sheet Regulations:

"On 21-6-83, you were on duty on board Flight IC-119, Bombay Hyderabad. During the course of your duty on board you behaved rudely towards the pessengers who had complained about the dripping of water from the overhead panels. The concerned passengers desired to see the commander of the flight and accordingly Capt. V. F. D'Souza, met the passengers when the passengers complained to him about your rude behaviour".

Charge II under para 1, 16(8), 16(12) and 16(13) of the Regulations:

- "On 20-7-83 you were rostered to operate flight IC-151. On that day you reported for operating the flight in a poor turnout. You also indulged in the following acts of indiscipline.
- You boarded the aircraft after the passengers' boarded in Bangalore on the Bangalore-Goa leg.
- You were sitting and smoking in a passenger's seat.
- 3. You were sitting on the floor outside the toilet being entertained by a guitar playing passenger seated on the attendant's seat in the course of the flight.
- 4. You were found asleep in a passenger's seat under a blanket, on the Bangalore-Goa Sector.
- 5. Your behaviour with some of the passengers caused one of them to summon the Captain and also lodge a complaint against you."

Charge III under paras 1, 16(8), 16(11), 16(12) and 16(13) of the Regulations.

"On 16-7-83 you were rostered to operate flight IC-274, After, the take-off from Bombay, Shri S. G. Bhagwat, who was the senior-most Canbin Attendant on board, noticed that you were sitting on seat 58 and smoking. When Shri Bhagwat questioned you, you simply stated that Shri Badge had permitted you to sit there. After the landing of the flight, when Shri Bhagwat asked you about the complaint you made to the commander about him, you have rudely with him, in presence of Shri Oscar Pereira, Shri Badge and Miss Atre, Cabin Attendants and told him that if anyone put a foot across you, you had your ways to solve the problem."

Charge IV under paras 1, 16(1), 16(8) and 16(12) of the Regulations:

"On 21-7-83 you were rostered to operate flight IC-103. The departure of flight IC-103 of

21-7-83 was delayed, but you reported at Movement Control for the scheduled departure time. You were, therefore, dropped back at your residence and you were informed that the revised ETD was 2115 hours. Accordingly Corporation's transport was sent to your residence for your pickup again and the transport reached your residence between 2020 and 2025 hrs. You were not available at your residence and the Corporation's transport came back. You neither reported to the Movement Control for operating the flight IC-103 of 21-7-83 as per the revised ETC) at 2115 hrs. was intimated to you nor did you intimate the Movement Centrol reason, if any for your not reporting for flight, or for not being available at home when the transport reported to pick you up. Alternate arrangements had, therefore, to be made for Cabin Attendant for the said flight, thereby delaying the flight.

- 3. The text of the provisions of the relevant Regulations is reproduced in each charge separately. However, to avoid repetition, I am reproducing the text of Paras 1, 16(1), 16(8), 16(11), 16(12) and 16(13) here for ready reference:
 - "1. Every employee of the Corporation shall at all times maintain absolute integrity and devotion to duty and conduct himself in a manner conducive to the best inverests, credit and prestige of the Corporation.
 - 16(1). Wilful insubordination or disobedience, whether or not in combination with others, of any lawful and reasonable order of his superior.
 - 16(8) Breach of any Standing Order or any law or rules applicable to the establishment.
 - 16(11). Dis orderly or indecent behaviour in the premises of the establishment.
 - 16(12). Neglect of work or negligence or gross negligence of a serious nature.
 - 16(13). Commission of any act subversive of discipline or of good behaviour in the premises of the establishment."
- 4. The Association who are espousing the cause of the LW have in their statement of claim and rejoinder made grievance that the findings are unjust and improper and biased. The LW further contends that at any rate, the punishment meted out to her is disproportionately harsh. As she has not pressed other points, I am not referring to them here. She prays for setting aside the order and her reinstatement with full back wages.
- 5. The Management resist the claim on toto by their Written Statement. According to them, the findings are correct and proper and the punishment is also just. They press for rejection of the Reference.
- 6. The parties have not adduced any evidence, except documentary. The documents filed by them have been exhibited by consent. The record of the domestic proceedings (copies) is also filed by the

- Management. I have heard Shri Gadkari for the LW and Shri Verma for the Management at length.
- 7. Charge II in fact consist of 6 items. The first item alleging poor turnout of the LW, is stated in the opening part of the charge itself. The rest of the items are listed as items 1 to 5. Of these the last item relating to the LW's rude behaviour to some of the passengers has not been held proved by the Enquiry Officer. Thus we are required to examine five items only the one relating to the poor turnout of the LW and item 1 to 4.
- 8. The Management rely on the evidence of Suchitra Kati who was the Senior Air Hostess on the flight concerned, and her report Ex. W-6 to the Chief Hostess on the behaviour of the LW. I have gone through the oral evidence, I find that Kati has not said a word about the shabby turnout of the LW. I am aware that the letter Ex. W-6 addressed by her to the Chief Hostess adverted to all the six items of the LW's alleged objectionable behaviour. However, the witness has merely stated that she has written and signed this letter. I fail to understand why the Presenting Officer of the Management abruptly stopped short at that stage and did not further obtain from her mouth the details of the objectionable behaviour or at least an assertion that the contents of the letter were true. This does not appear to be a stray accidental slip at one place. I find that this is the methodology followed by the Presenting Officer in respect of another similar letter also addressed Senior Flight Purser Bhagwat to the Operations Manager on 18-7-1983 (Ex., W-7) in connection with Charge III. I appreciate that in a domestic enquiry the technicalities obtaining under the Indian Evidence Act must be reduced to the minimum, and it may not be necessary for a witness to depose to all the facts in oral evidence, which he might have already adverted to in his earlier reports complaints However mere proof of the handwriting and Signature of the author of the writing will not ipso facto vouch for the truth of its contents. The minimum expected of a witness even in a domestic enquiry will be to sav that the facts stated by him in his reports complaints etc. are true. Smt. Kati does not say anything of the sort in the present case. I will have therefore to rely on her oral evidence only, as substantive evidence, if it is otherwise found trust worthy and restrict the use of contents of the letter for corroboration only.
- 9. In her oral evidence, Smt. Kati has stated that the LW boarded the flight at Banglore after all the passengers had done so, that on the Bombay Belgaum leg of the flight she found the LW sitting and smoking in a passenger's seat, and that during the Goa-Bangalore sector she was sitting on the floor outside the toilet and was being entertained by a guitar player passenger. The witness has been cross-examined by the LW. Nothing has turned out to doubt her credibility. The enquiry officer was right in holding the aforesaid items 1, 2, 3 of this charge (boarding the Aircraft late, sitting and smoking in a passenger's seat and sitting on the floor in front of the toilet duly proved. In absence of any legal evidence, item no. 4 being asleep in a passenger's seat under a

blanket and her alleged shabby turnout cannot be held to have been proved. I hold accordingly.

10. Coming to charge III, we have evidence of Senior Flight Purser Bhagwat and Flight Purser Badge. Bhagwat had proved his handwriting and signature of letter dated 18th July, 1983 (Ex. W-7) addressed by him to the Operations Manager. Apart from a number of other matters with which the LW is not concerned, he also purports to mention in item no. 1 of his letter the LW's alleged rude behaviour with him. Bhagwat does not say during the course of the domestic inquiry that the facts stated by him in the letter against the LW are true. It cannot therefore the used as substantive evidence. So far as his oral evidence goes, he states that the Rules and Regulations did not permit a crew member to smoke while on duty and that he warned the LW not to do so in public. In the cross-examination he admits that after he had reprimended the LW as stated above. she was not again found smoking during the rest of the flight. Badge deposes only to the fact that after the take-off the LW had asked for his permission to talk to the passenger seated at Seat No. 5-A and that he had granted her request. Apart from these facts neither witness has deposed to the allegations which go to form the core of the charge. We have to Appreciate that charge III in substance relates not to the LW's alleged smoking in public, but to her alleged rude behaviour with and insubordination to Bhagwat. On this aspect there is no substantive evidence whatever, although Oscar Peraira, Badge and Air Hostees Atre are alleged to be eye witnesses. The allegations appearing in Ex. W-7, I repeat, cannot be acted upon as substantive evidence in absence of the deponent's affirmation that they are true. This charge remains unestablished in absence of evidence.

11. On charge IV we have the evidence of S. K. Adhikari, Operations Assistant and W. A. Pereira, Senior Transport Superintendant. The gist of Adhikari's evidence is that the original scheduled departure of Flight No. IC 183 was 18.30 hours and that the LW and other crew members had turned up on time. However, the departure was delayed and postponed to 21.30 hours. Accordingly he detailed driver More to pick up the LW and told the Crew of the revised departure time and that arrangements will be made to pick them up from their residence. He gave necessary instructions on this behalf to the Transport Section. Pareira states that he detailed Driver More to pick up the LW from her residence. The Driver came back and reported to him at 20.40 hours that there was no response from the LW at her residence. The two Officers had proved certain entries in the Log Book during the Inquiry. But Tribunal. the same has not been filed before the This has deprived me of reliable means to crosscheck the credibility of the two witnesses. It is not explained why Driver More who was the most important witness in the matter was not 'examined. After all, it was he who actually went to the house of the LW and found her absent there. The probability of his not going there at all, or going to some wrong address, cannot be ruled out. Parcira admits in cross-examination that at times Drivers do go to wrong addresses. Neither of the two witnesses has personal knowledge as to what had actually transpired at the residence of the LW. She has been deprived of the valuable opportunity to cross-examine More who is the star witness. The evidence of Adhikari and Pareira cannot be acted upon to hold that More had in fact gong to the residence of the LW and found her absent there. Charge IV also remains unproved.

12. The result of the above discussion is that only the following items of charge II stand duly proved, (1) the LW boarded the Aircraft on 20-7-1983 at Bangalore after the passengers had done so, (2) she was found sitting and smoking in a passenger's seat and (3) she was sitting on the floor outside the toilet, being entertained by a guitar player passenger during the course of the Flight. These acts constitute misconduct punishable under paras 16(8) and 16(13) of the Regulations.

13. The next question is about punishment. It will be seen that the most serious of the charges have remained unproved. No doubt the charges held proved also do no credit to the LW. However, the punishment of removal from service would be disproportinately harsh for them. I think withholding of her one increment for two years without effect on future increments would adequately meet the ends of justice. There is no good reason to disallow her backwages. It is not alleged, much less proved, that she had been gainfully employed elsewhere after her removal from service. In the result I make the following Award:

The action of the Management in removing the Workman from service with effect from 25-3-1985 is held to be unjustified. The Management's order dated 25-3-1985 in this regard is set aside. Instead it is held that the items of Charge II as stated in para 12 supra punishable under paragraphs 16.8 and 16.13 of the Regulations, stand proved against her. For this misconduct her one increment falling due immediately after 25-3-1985 is defected to be withheld for two years without affecting her future increments. Subject to this purishment, she is directed to be reinstated in service with effect from 21-3-1985, continuity of service and full back wages. Management shall pay her back wages by 30-6-1991. Poth parties shall bear their costs of this reference as incurred.

S. N. KHATRI. Presiding Officer. [No. L-1101214187-D.III(B)]

नई दिल्ली, ०1 मडी, 1991

बर.शर. 1734— औद्योशिक विवाद स्रिधितयम, 1947 (1947 का 14) की भारा 17 के स्रतपरण में केन्द्रिय संरक्षार एक्त स्रिधित्यम की धारा 33क के सन्तर्गक्ष के प्रवन्धन के विरुद्ध रामाकृष्णा मैंगोनेमाईट माईन्स, सेलम द्वारा त्यार एक प्रार्थना एवं के संबंध औद्योगिक प्रक्षिकरण, त्रिमननंत्र एक्तम के पंवपट को प्रकाशित करनी है जो कि केन्द्रिय सरकार को 17-5-91 की प्राप्त हुआ।

New Delhi, the 21st May, 1991

S.O. 1734.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamilnadu, Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Ramakrishna Magnesite Mines, Salem and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th May 1991.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS.

Monday, the 22nd day of April, 1991.

PRESENT

THIRU M. GOPALASWAMY, B.Sc., B.L.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Industrial Dispute No. 42 of 1986 (In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Ramakrishna Magnesite Mines, Salem-8).

BETWEEN

The Workmen represented by

The President,

District National General Workers Union, 69, Dr. Subbarayan Road, Salem-636 001.

AND

The Proprietor,

Ramakrishna Magnesite Mines, Kondappanickenpatti P.O., Salem-636 008.

1. Mrs. Kamalam, Wife

2. M. Ramakrishnan, Son

3. M. Kasiviswanathan, Son

4. M. Govindaraj, Son

(Impleaded as L. Rs. of the deceased Thiru K. G. Munuswamy, Proprietor, Ramakuishna Magenesite Mines, Salem-8 as per Order in Misc. Appn. No. 154|89, dated 18-7-1989).

Reference.—Order No. 19(1)|86-Con. II|D.III(B), dt. 10-6-1986 of Ministry of Labour, Govt. of India. New Delhi.

This dispute after restoration coming on this day for final disposal in the presence of Thiru A. Asokan, Advocate appearing for the Management upon perusing the reference claim and counter statements and other connected papers on record and the workmen being absent, this Tribunal passed the following.

AWARD

This dispute between the workman and the management of Ramakrishna Magnesite Mines, Salem-8 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its order No. 19(1)|86|D.III(B), dated 10-6-1986 of Ministry of Labour for adjudication of the following issues:—

"Whether the action of the management of Ramakrishna Magnesite Mines, Kondappanaickenpatti, Salem in terminating the services of the 15 workmen listed below with effect from 24-8-1985 is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

- 1. Shri P. Jayaraman,
- 2. Shri M. Ganapathi,
- 3. Shri P. Ramu,
- 4. Shri I. Govindan,
- 5. Shri K. Kamalesan,
- 6. Shri P. Palaniswamy,
- 7. Shri M. Subramani,
- 8. Backiam.
- 9. Shri J. Chinnapillai,
- 10. K. Mariammal,
- 11. K. Chandra,
- 12. M. Kamala,
- 13. K. Madavi,
- 14. K. Ponnammal,
- 15. V. Chettu.
- (2) Parties were served with summons.
- (3) Petitioner-Union filed its claim statement putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof the Management filed their counter statement.
- (4) As the Petitioner-Union was absent and not represented this Tribunal has passed an award on 29th October 1986 and 28th July 1988 that the claim of the workmen was dismissed for default.
- (5) Against the award, again the counsel for the Petitioner-Union filed a Miscellaneous Application No. 211|88 praying to set aside the ex-parte award, dated 28-7-88. As per the order by this Tribunal on 17-2-89 the above application was allowed and this dispute was restored to file.
- (6) As per the order by this Tribunal on 18-7-89, the legal heirs of the proprietor of Ramakrishna Magnesite Mines, Salem, Thiruvalargal M. Kamalam, M. Ramakrishnan, M. Kasiviswanathan, and M. Govindaraj have been impleaded as Respondents in this dispute.
- (7) After several adjournments, when the dispute was taken up for enquiry to-day, the Petitioner-Union was absent and no representation was made.
- (8) Hence the Industrial Dispute is dismissed for default.

Dated, this 22nd day of April, 1991.

THIRU M. GOPALASWAMY Industrial Tribunal

[No. L-19(1)]86-Con. II]D III(B)]

नई दिल्ली, 23 मईं, 1991

का, भा. 1735.-- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत के प्रबन्धन के बिरुद्ध मैं. सी, ही, सोमूजा एण्ड करूमनी प्रद्वारा वायर एक प्रार्थना पत्र के संबंध में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विकरण मं. 2, अभ्वर्ध के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो कि केन्द्रीय सरकार को 21-5-91 को प्राप्त क्षुप्रा।

New Delhi, the 23rd May, 1991

S.O. 1735.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. C. D' Souza & Company and their workmen, which was received by the Central Government on the 21-5-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2. BOMBAY.

PRESENT

Shri P. D. Apshankar,
Presiding Officer

Ref. No. CGIT-2|24 of 1986

PARTIES:

The Management of M|s. C. D'Souza & Company.

AND

Their Workmen,

APPEARANCES:

For the Management: Shri R. S. Pai, Advocate. For the workmen: Shri S. R. Wagh Advocate. INDUSTRY: Port & Docks

State: Maharashtra Bombay, dated the 8th May, 1991.

AWARD

The Central Government by their order No. L-31011|4|85-D.IV(A) dated 05-06-1986 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of M|s. C. D'Souza & Co., Bombay-400 001 a licensed Shipping, Clearing & Forwarding Agents, in retrenching the following 5 workmen with effect from the retrospective dates shown, is justified? If not, what relief the workmen concerned are entitled to?".

SI. No.	Name of the Workman	Date of Retrenchmen	Designation at
1	Mr. S. A. Jaffri	1/11/84	J Clerk (Docks)
2.	Mr. Vilas R. Prajapati.	1/11/84	Jr.Clerk (Air Cargo Complex)
3.	Mr- S. R. Jadhav	1/11/84	Office Poon.
4.	Mr. D. Silva	1/11/84	Office Peon.
5.	Mr. P. N. Khatri	1/11/84	Jr. Clerk (Docks)

- 2. The Assistant Secretary, of the Transport & Dock Workers Union, Bombay, filed the necessary statement of claim (Ex. 2) in support of their claim, and challenging the action of the management in question.
- 3. The Partner of the C. D'Souza & Co. filed his written statement (Ex. 3) in support of the action in

question of that management.

- 4. The necessary issues were framed at Ex. 4.
- 5. Thereafter, while the case was at the stage of evidence, both parties filed their mutual settlement (Ex. 5). This settlement has been signed by the representatives of both the parties. The said settlement runs thus:—

"The Company pays a sum of Rs. 20,000 (Rupees: Twenty Thousand only) to the Union as and by way of ex-gratia payment over and above the legal dues payable to each employee as indicated in their respective letters of retrenchment being a total sum of Rs. 7,542.28 (Rupees: Seven Thousand five hundred and forty two and paise twenty-eight only) and set out herein after.

(1) Mr. Vilas Prajapati	Rs. 2,136.53
(2 Mr. S. A. Jaffari	Rs. 2,136.53
(3) Mr. S.R. Jadhav	Rs. 840.00
(4) Mr. V. R. D'Silva	Rs. 775.38
(5) Mr. P. N. Khatri	Rs. 1,653.84

TOTAL Rs. 7,542.28

and the Union accepts the above said amount of Rs. 20,000 and Rs. 7542.28 in full and final settlement of all the claims arising out of the said retrenchment of the said five workmen and by way of full and final settlement our cheque for Rs. 27,542.28 (A|c. payee) of the Bank of Baroda dated 29th April 1991 and bearing No. 038599 is tendered herewith.

- (2) The Union further agrees that the said retrenchment of the above said five workmen is legal, valid and justified and the workmen will have no claim of whatsoever nature against the Company including any claim for reinstatement or re-employment.
- (3) The Union states that the Union has been authorised by the said workmen to arrive at the above settlement and the Union shall disburse the payment received under the said settlement to the five workmen within thirty days of signing this settlement and shall forward to the Company receipts from each of the five workmen in token of their having received the amount in full and final settlement of all their respective claims including any claim for reinstatement or reemployment.

The parties pray that an Award be passed in terms of the above settlement.".

6. I find that the abovesaid settlement is quite in the interests of both the parties. The Advocate for the workmen made an endorsement below the original settlement that the workmen had received the necessary cheque. Therefore as the industrial dispute is now mutually settled, the award must be, and is drawn in terms of that settlement.

- 7. The parties to bear their own costs of this reference.
 - P. D. APSHANKAR, Presiding Officer [No. L-31011|4|85-D.IV(A)] S. S. PARASHER, Under Secy.

नई फिल्ला, 17 मई, 1991

का. आ. 1736-- औद्योगिक विवाद प्रश्नित्मम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के प्रमुसरण में, केन्द्राय सरकार माध्रदेपुर कोन्नियरों ऑफ ई.सी. जि. के प्रबन्धसन्त के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रमुबंध निविद्ध आँद्योगिक विवाद केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रश्निकरण' प्रासनसोल के प्वषट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-5-91 की प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 17th May, 1991

S.O. 1736.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madhaipur Colliery of E.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-5-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 2|90

PRESENT:

Shri N: K: Saha, Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Madhaipur Colliery of M|s. E.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Employers.—Shri P. Banerjee, Advocate.

For the Union.—Shri M. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen.—Sri P. K. Das, Advocate. INDUSTRY: Coal STATE: West Bengal

Dated, the 6th May, 1991

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal tor adjudication, vide Ministry's order No. L-22012 (210)|89-IR (C. II) dated 20-12-89|5-1-90.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Madhaipur Colliery of Mls. E.C. Ltd., in denying upgradation of S.Shri Lakhi Kanta Mukherjee, Nimai Ch. Karmakar, Ganesh Pd. Shaw, Badal Ch. Ghosh and Tapan Kumar Das as Cap Lamp Issue Clerks

- and payment of Grade II wages from 15-3-1982, is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"
- 2. This Reference has been sent to this Tribunal for adjudication on the allegation that upgradation has been denied to the 5 workmen named in the Schedule of Reference.
- 3. In this case Shri Lakhi Kanta Mukherjee, Ganeh Pd. Shaw and Badal Ch. Chosh three concerned workmen have appeared through Sri P. K. Das, Advocate. They have filed a joint petition of compromise. In this case the learned Lawyer of the Union Sri Mukherjee has submitted that he has no instruction from the union. On such statement of Sri Mukherjee the three said workmen were permitted to proceed with the case on their behalf. They are examined and their statement has been recorded.
- 4. The terms of settlement filed by these workmen and the management are tair and legal. So the same are accepted.
- 5. Let an award be passed in terms of settlement with respect to these three concerned workmen. The petition of compromise with memorandum be made a part of this Award.
- 6. As regards other two workmen no step has been taken. It appears from the record that Nimai Ch. Karmakar is dead and his wife Narayani Karmakar has filed a petition to proceed with the case through Sri M. Mukherjee, Advocate. Sri Mukherjee has submitted that he has no further instruction to proceed with the case on behalf of Naryani Karmakar wife of Nimai Ch. Karmakar. As regards Sri Tapan Kr. Das Sri Mukherjee submits that he has no instruction. Accordingly 1 find that no dispute exists with respect to Sri Tapan Kumar Das and Nimai Ch. Karmakar. Hence a no dispute award is passed with respect to these two workmen.

N. K. SAHA, Presiding Officer. [No. L. 22012|210|89-IR (C-II)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Ref. Case No. 2|90

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Madhaipur Colliery.

AND

Their Workmen.

The parties respectfully beg to submit:

- 1. That after mutual discussion between the parties, the parties have settled their dispute on the terms and conditions incorporated in a memorandum of settlement in Form 'H' under Rule-58 of the Industrial Dispute (Central) Rules, 1957.
- 2. That the parties are annexing herewith 7 (seven) copies of such settlement and the parties jointly pray:—

That award be passed holding that the parties have settled the dispute on the terms and conditions incorporated in the said memorandum of settlement by appropriate order :—

Dated: 6-4-1991.

Flied by:—
P. Banerjee, Advocate.
6-5-1991.
P. K. Das, Advocate
6-5-1991.

FORM 'H'

Rule 58 of Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 framed in exercise of the powers conferred by section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947

MEMORANDUM OF SETTLEMENT NAME OF PARTIES;

Representing Employers:

Sri J. P. Singh,
Dy. Personnel Manager,
Madhaipur Colliery,
Eastern Coalfields Ltd.

Representing Workmen:

- 1. SSri Lakhikanta Mukherjee,
- 2. Nimai Karmakar
- 3. Ganesh Pd. Shaw
- 4. Badal Ch. Ghosh
- 5. Tapan Kr. Das

SHORT RECITAL OF THE CASE:

- 1. The aforesaid parties with one Nimai Karmakar (since deceased) & Sri Tapan Kr. Das raised a dispute claiming payment of grade-II wages w.e.f. 15-3-1982.
- 2. That the said dispute was raised by: W.B.C.S.C. of T.P. Market, Asansol-713301.
- 3. On failure of conciliation the said dispute was referred to the Central Government Industrial Tribunal, Asansol for adjudication & was registered as Ref. Case No. 2 90 of the said Tribunal.
- 4. During pendency of the said dispute in the said Tribunal aforesaid parties after mutual discussion between themselves have arrived at a settlement on the terms & conditions mentioned herein below:

TERMS OF SETTLEMENT:

1. That the aforesaid three workmen (except Nimai Karmaker & Tapan Kr. Das will be placed in Cate-VI

- with this designation as Caplamp Fitter cum Issue Clerk w.e.f. 10-4-1991.
- 2. That the said three workmen undertake to carryout and do all work relating to camlamp maintainance repair & fitting of caplamps & also record & maintain issuance of Caplamps & their return to any by the concerned workmen of the colliery without any manner of protest and grievance. Filed by:
 - P. Banerjee, Advocate 6-5-1991 P. N. Das, Advocate 6-5-1991
 - 1. Lakhi Kanta Mukhtrjee
 - 2. Gadesh Pd. Shaw
 - 3. Badal Ch. Ghosh
- 3. That the said workmen will have no further claim in any form & disputes stands resolved & settled.
- 4. That Sri Tapan Kr. Das has been promoted in Grade 'C' as Mining Sirdar and he is not having any claim against the employers now & the disputes as against him stand settled.
- 5. That a copy of this memorandum will also be submitted before the C.G.I.T., Asansol with prayer for passing an award on the terms of the settlement. Dated: 3-4-1991.

WITNESSES:

- 1. Dilip Ghosh, Pay Clerk
- 2. Paritosh Mukherjee

2. Ganesh Prasad Shaw

3. Badal Ch. Ghosh

Filed by
Prashant Banergee, Advocate & P. K. Dass
Advocate.

C.C. to :--

1. A.L.C.(C), Raniganj.

2. R.L.C.(C), Asansol. 4, Upkar Garden.

3. Chief Labour Commissioner (C), New Delhi.

4. The Secretary to the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.

नई दिल्ली, 29 मई, 1991

का. था. 1737.--औषोगिक विवाद मिशिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के मनुसरण में केन्द्रीय सरकार न्यू सुतग्राम कोलियरी ब्राफ मैं. ई.सी. लि., के प्रवन्धतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, धनुबन्ध में निर्दिष्ट औषोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औषोगिक प्रक्षिकरण मासानसोल के पंचपट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-5-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, 29th May, 1991

S.O.1737.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of New Satgram Colliery of M|s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-5-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 55|90

PRESENT:

Shri N. K. Saha, Presiding Officer. PARTIES:

Employers in relation to the Management of New Satgram Colliery of Ms. E.C. Ltd.

AND

Their Workman.

APPEARANCES:

For the Employers.—Sri P. K. Das, Advocate. For the Workman.—Shri Daman Prasad, Secretary of the union.

INDUSTRY: Coal STATE: West Bengal

Dated, the 13th May, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(190) 90-IR(C.II) dated the 30th November, 1990.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of New Satgram Colliery under Satgram Area of Mls. E.C.L., in superannuating Shri Kisto Adhikary, Pump Khalasi w.e.f. 31-1-1988 and also in denying him service benefits for the period from 1-2-1988 to 5-10-1988, was justified? If not, to what relief the workman was entitled?"

2. The case of the concerned workman Sri Kisto Adhikari, Ex-Pump Khalasi of New Satgram Collierv under Eastern Coalfields Ltd., in brief is that he was wrongly superannuated from service w.e.f. 31-1-88 though he attained the age of superannuation on 5-10-1988 as per report of the Age Determination Committee.

The workman approached the management before 31-1-1988 but his service was terminated we.f. 31-1-1988 After such termination an Age Determination Committee was constituted and that Committee found that the workman attained the age of 60 years on 5-10-1988. So the workman is entitled to get the full benefits and wages for the period from 1-2-1988 to 5-10-1988.

3. The workman raised a dispute through union but to no effect. The matter was sent to the

Ministry of Labour and ultimately the Ministry of Labour has referred this dispute to this Tribunal for adjudication.

- 4. The management has filed written statement contending inter-alia that the Reference is entirely misconceived and the same is not maintainable. The workman was duly superannuated on 31-1-1988 as his date of birth was recorded as 31-1-1928 in the B Form Register. When the workman raised dispute regarding his age after receipt of service record experts he was refered to a Screening Committee on 30-1-1988. After examining all records the Committee confirmed that his date of birth was 31-1-28 as recorded in the 'B' Form Register. The workman subsequently made appeal for review and he was referred to the Area Age Determination Committee where it was found that he completed the age of 60 years on 5-10-1988. The claim for wages from 1-2-1988 to 5-10-1988 is not maintainable. The workman did not perform any duty during that period. So he is not entitled to get any relief.
- 5. Admittedly Srl Kisto Adhikarl the concerned workman was Pump Khalasi of New Satgram Colliery under Eastern Coalfields Ltd. His date of birth was recorded in the B Form Register as 31-1-1928. After receipt of service excerpts he raised dispute. Then he was referred to a Screening Committee and the Screening Committee cofinrmed the date of birth recorded in the 'B' Form Register. The workman made an appeal and then he referred to the Age Determination Committee. The Age Determination Committee has found that he completed the age of 60 years on 5-10-1988 though his service was terminated w.e.f. 31-1-1988. So considering the materials on record and the admission made by the management, there cannot be any hesitation to hold that the workman completed the age of 60 years on 5-10-1988 and he was entitled to serve the management upto that date. It appears that without referring the workman to Age Determination Committee at the first instance, he was referred to a Screening Committee and ultimately he was referred to the Age Determination Committee. So the fault was with the management and not with the workman. So find that the termination service of the workman w.e.f. 31-1-1988 was justified.
- 6. It has been contended before me from the side of the management that the workman is not entitled to get any relief for the period from 1-2-1988 to 5-10-1988 as he did not actually perform any duty. Admittedly the workman did not perform any duty during that period, but the workman had no hand in the same. The contention of the workman regarding his age has been proved to be partially true. So the workman cannot be blamed. I find that the workman has been denied service benefits for the period from 1-2-1988 to 5-10-1988 and that is not justified.
- 7. I find that the concerned workman Sri Kisto Adhikari is entitled to get full wages for the period from 1-2-1988 to 5-10-1988 and he is also entitled to get other service benefits admissible to a workman

as if the workman has retired from service w.e.f. 5-10-1988.

8 The management is directed to pay the full wages for the said period and other monetary benefits to the concerned workman within three months from the date of receipt of the award from the Ministry, falling which the entire amount will carry 12 per cent compound interest with quarterly break from the date of receipt of the award from the Ministry.

This is my award.

N. K. SAHA, Presiding Officer [No. L-22012|190|90-IR (Coal-II)]

का. या. 1738.— औद्योगिक विवाद प्रक्षितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धनुमरण में, केन्द्रीय सरकार केन्द्र कोलियरी आंफ में. ई. मी. लि. के संबंद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच, धनुबंध में निविध्द औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रशिकरण, धामनगोल के पंचपट को प्रकाशिन करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-5-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1738.—In pursuance of section 17 of the industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kendra Colliery of Mls. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-5-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT

ASANSOL

Reference No. 47|88

PRESENT:

Shri N. K. Saha, Presiding Officer PARTIES:

Employers in relation to the Management of Kendra Colliery of M/s. Eastern Coalfields I.td.

AND

Their Workman

APPEARANCES:

For the Employers.—Sri P. K. Das, Advocate. For the Workman —Sri B. Kumar, Joint Secretary of the Union.

INDUSTRY: Coal

STATE: West Bengal

Dated the 9th May, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the nowers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-rection (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-24012(192) 187-D. IV(B) dated 18-7-88.

SCHEDULF

"Whether the action of the Management of Kendra Colliery of Ms. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Pandaveswar, Dist. Burdwan (WB) in refusing employment to Sri Shaktipada Bharari, Pump Khalasi is justified? If not, to what relief is the concerned wrokman entitled?"

2. Today (9-5-91) Sri B. Kumar, Joint Secretary of the union submits that he has no instruction to proceed with the ca e. The concerned workman has also not turned up. It appears that no dispute exists. Accordingly a no dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA. Presiding Officer [No. 24012|192|87-D. IV(B)] RAJA LAL, De k Officer

मई किल्ली, 23 मई, 1991

का. था. 1733.--औद्योगिक विवाद प्रशितियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के घनुसरण मे, केन्द्रीय सरकार, में. भी. सी. एल. का हजारीबाग एरीया के प्रबंधतंत्र से संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, भनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रशिक्तरण सं. 1, धनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-5-91 की प्राप्त हुआ था।

New Delhi, 23rd May, 1991

S.O. 1739.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employer in relation to the management of Hazaribagh Area of Mls. CCL and their workmen, which was received by the Central Government on the 21-5-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the J.D. Act, 1947.

Reference No. 166 of 1990

PARTIES ·

Employers in relation to the management of Hazaribagh Area of Mis. Central Coalfields Limited.

AND

Their workman.

PRESENT:

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of the workman.-None.

On behalf of the employers — Shri R. S. Murthy. Advocate.

INDUSTRY: Coal STATE: Bihar

Dated Dhanbad, the 14th May, 1991

AWARD

By Order No. L-20012(321)|91-I. R. (Coal-I), dated the 11th July 1990, the Central Government in the Ministry of Labour, has in exercise of the nowers conferred by clause (d) of sob-section (1) and sub-section (2-K) of Section 10 of the Industrial Disphtes Act, 1947, referred the following dispote for adjudication to this Tribunal:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Hazaribagh Area of C.C.L. Charhi, at & P.O. Charhi, Dist. Hazaribagh by making wrongful deduction of 4 days wages i.e. for the period from 17-4-89 to 20-4-89 from the wages/salary of staff|workmen payable for the month of April 1989 is legal and justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

- 2. The order of reference for adjudication of the industrial dispute was received in the office of this Tribunal on 16-7-90 and the same was registered as Reference No. 166|90. Thereafter notices were issued to the parties for filling their respective Written Statement. The workmen appeared only on one date but did not appear on subsequent dates fixed nor did he take any step. The management made its appearance through Shri R. S. Murthy Advocate.
- 3. Since the concerned workman in the present industrial dispute did not take any tep inspite of issuance of notice to him, it appears to me that he is not interested to persue the present dispute. Hence, I hold that there exists no indu trial dispute between the parties. In the circumstances, I am constrained to pass a "No dispute" Award in the present industrial dispute.

Thi: is my Award.

S. K. MITRA, Presiding Officer [No. L-20012(321)|89-IR(Coal-I)]

का. भा. 1740.— औद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के भनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनाइटेड वेस्टन हैं कि लि के प्रबंधरंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्म कारों के बीच भन्नुवंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण नं. 2, मुम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 21-5-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1740.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No 2, Lombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Western Bank Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 21-5-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2|22 of 1990 (Old Reference No. CGIT-2|62 of 1987)

PRESENT.

Chri P. D. Apshankar, Presiding Officer. 1441 GI 91-15

PARTIES:

Employers in relation to the Management of United Western Bank Limited.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Employer.—Shri N. K. Kha bardar,
Officer.

For the Workmen.—Shri S. G. Bobde,

Representative.

INDUSTRY: Banking STATE: Maharashtra Bombay, the 10th May, 1991

AWARD

The Central Government by their order No. L-12012|77|87-D. IV(A) dated 04-12-1987 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of United Western Bank Ltd., Satara, in terminating the services of Shri Jayant Pandurang Bho le, Peon, w.e.f. 25-5-1984 is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

- 2. The organising Secretary of the United Western Bank Karmachari Sangh filed his statement of claim (Ex. 2) in support of the case of the Union, and challenging the action of the Bank Management.
- 3. The Bank filed their written statement (Ex. 3) in support of their action.
 - 4. The necessary Is ues were framed at Ex. 4.
- 5. The Issue Nos. 4, 5 & 6 were tried as preliminary Issues. Those Is use were regarding the existance of an industrial dispute and the competence of the Union to espouse the cause on behalf of the workman. These Issues were decided against the union. The Union filed a writ petition to the High-Court, Bombay, against the findings recorded on Issue Nos. 4, 5 & 6. The High-Court, Bombay, remanded the case to this Tribunal for recording the necessary evidence in the matter.
- 6. Thereafter while the case was at the stage of the evidence, both the parties arrived at an amicable settlement, and filed their terms of settlement. This settlement is in respect of the workman Shri J. P. Bhosle, and some other workmen. The ettlement concerneding the workman Shri Bsosle is thus:—

"C.G I T. No. 22|90 pending before the Industrial Tribunal No. 2, Bombay in respect of termination of Shri I. P. Bhosle, Peon, Ichalkaranji Branch:—

The Management has agreed to reinstate the above employee as a fresh recruit in any

of the branches of the Bank on the post of sub-staff as a probationer.

- Union has agreed to forego his past seniority and other service benefits including back wages."
- 7 This scitlement has been signed by the workman Shri Bhosale as well as by the representatives of the Union and of the Bank Management. The workman Shri Bhosale has made an endorsement below that ettlement that he is accepting it.
- 8. I find that this settlement is quite in the interests of both the parties. As such I accept it. Therefore, the award is drawn in terms of that settlement concerning the workman Shri J. P. Bhosale.
 - P. D. APSHANKAR, Pre iding Officer [No. L-12012[77]87-D. IV(A)]

का.श्रा. 1741.—औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनाइटेड वेस्टर्न बैंक लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक ग्रिधिकरण, न. 2 मुम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-5-91 को प्राप्त हुग्रा था।

S.O. 1741.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay as shiwn in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United-Western Bank Ltd. and their workmen which was received by the Central Government on 21-5-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMEAY

Reference No. CGIT-2|34 of 1988

PARTIES:

Employers in relation to the Management of United Western Bank Limited.

AND

Their Workmen

APPEARANCES:

For the Employer: Shri N. K. Khasbardar Offi-

For the Workmen: Shri S. G. Bhobde Representative.

INDUSTRY: Banking. STATE: Maharashtra.

Bombay, dated the 9th May, 1991

AWARD

The Central Government by their order No. L-12012|41|88-D.IV(A) dated 04-10-1988 have referred

the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

- "Whether the action of the management of United Western Bank Ltd., in relation to their Ogalewadi Branch in terminating the services of Shri N R. Khatavkar, substaff working in the Ogalewadi Branch was justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. The organising Secretary of the said Bank filed his statement of claim (Ex. 2) in support of the case of the Union, and challenging the action of the Bank Management.
- 3. The Bank filed their written statement (Ex. 3) in support of their action in question.
 - 4. The necessary Issues were framed at Ex. 4.
- 5. Thereafter, while the case was at the stage of evidence, both the parties arrived at an amicable settlement, and filed their terms of the settlement (Ex 1: . This settlement is concerning the workmin Shri N R. Khatavkar, the peon, and also in respect of some other employees. The settlement concerning the workman Shri N. R. Khatavkar is thus:—
 - "C.G.I.T. No. 34|1988 pending before the Industrial Tribunal No. 2, Bombay in respect of termination of Shri N. R. Khatavkar, Peon, Ogalewadi Branch:—
 - Management has agreed to reinstate the above employee as a fresh recruitment in any of the branches of the Bank on the post of sub-staff as a probationer. It has been clarified that the probation period of the employee will be 2 months only.
 - Union has agreed to forego his past seniority and other service benefits including back wages".
- 6. The settlement has been signed by the workman Shri Khatavkar, and also by the representatives of the Union and of the Bank. The said workman has made an endorsement below the settlement that he accepts that settlement.
- 7. I find that the said settlement concerning the workman Shri N. R. Khatavkar is quite in the interests of both the parties. As such, I accept it. Therefore, the Award is drawn in terms of the said settlement concerning the workman Shri N. R. Khatavkar.
 - P. D. APSHANKAR, Presiding Officer[No. L-12012|41|88. D. IV(A)]S. C. SHARMA. Desk Officer

का. घा. 1742.-- उत्प्रवास ग्रिविनियम, 1983 (1983 का 31) की घारा 15 की उपघारा (2) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय दूतावास, बोहा (कतार) में द्वितीय सचिव भी प्रभाती लाल को सक्षम प्राधिकारी की सक्तियों का प्रवोग करने तथा उन नियोजकों, ओ उस वेश में रोजगार के लिये किसी भारतीय नागरिक की भती के प्रयोजनार्थ भारतीय नागरिक नहीं हैं, को परिगट जारी करने के लिये प्राधिकृत करती है।

[मन्या ए-22020/1/91-उत्प्रवास] जी. के. भट्टाचार्य, उत्प्रवास महानंदक्षी तथा संगुक्त सचिव

New Delhi, the 23rd May, 1991

S.O. 1742.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorizes Shri Prabhati Lal, Second Secretary in the Embassy of India, Doha (Qartar) to exercise the powers of Competent Authority and to issue permits to employers who are not citizens of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

No. A-22020 191-Emig]
G. K. BHATTACHARYA,
Protector General of Emigrants and Joint

नई दिल्ली, 24 मई, 1991

का. था. 1743 -- कर्मनारी राज्य बीमा प्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधार। (3) द्वारा प्रदत्त मन्सियों का प्रयोग करने हुए, कन्द्रीय सरकार एतद्वार। 1-6-91 को उस नारीख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है,) और ध्रध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधार। (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध हरियाणा राज्य के निन्मतिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, प्रथात: --

कम संख्या	राजस्य ग्राम का नाम	हद अस्त न	जिले का नाम
1.	षङ्खालमा	41	सोनीपन
2.	फिरोजपुर खादर	70	सोनीपन
		[संख्या - 38013/20/91	

New Delhi, the 24th May, 1991

S.O. 1743.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st June, 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the sa'd Act shall come into force in the following areas in the State of Haryana namely:—

S. No. Name of the Revenue Vill, Hadbast No. Dist.

1. Bad-Khalsa 41 Sonepat

2. Firozpur Khadar 70 Sonepat

[No. S-38013 20 91-SS.I]

का. भा. 1744. -- कर्मचारी राज्य कीमा प्राधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 को उपधारा (3) द्वारा प्रवत्त मिनियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रोय सरकार एनद्द्वारा 1-6-91 को उस तारोख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जी पहले हो प्रयुक्त को जा जुको है) और प्रध्याय-5 अभेर 6 (धारा-76 की. उपधारा (1) और धारा-77 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रयुक्त की जा जुकी है) के उपबंध उत्तर परेण राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रयुक्त होंगे, अर्थात्:--

"जिला नैनीताल में लालकुँछा ब्लाक नं., 1955 प्रांटेशन प्राट नं. 4, 5,6, 7 व 8 लालकुँछा, एन-2 एवं गोला-1 ए जोकि फारेस्ट खैन्ड में हैं।"

[एस. 35013/21/91-एस एम.-I] ए. के. भद्दाराई, भ्रवर मचिन

S.O. 1744.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st June, 1991 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely:—

"Lal Kua, Block No. 1955, Plantation Plot Nos. 4, 5,6,7, and 8 Lal Kua No. 2 and Gaula 1A which are in forest land in District Nainital".

[No. S-38013|21|91-SS.I] A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई विल्ली, 29 मई, 1991

का. मा. 1745.--औद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रतुमरण में, केन्द्रीय मरकार बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, धनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक प्रधिकरण, मद्राम के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय मरकार को 17-5-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi the 29th May, 1991

S.O. 1745.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the the Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 17-5-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL TAMILNADU MADRAS

Tuesday, the 23rd day of April, 1901

PRESENT:

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 42 of 1990

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Tisputes Act, 1947

between the workmen and the Management of Bank of Baroda, Madras-18.)

BETWEEN

The Workmen represented by The General Secretary, Bank of Baroda Employees Union, No. 31, Moore Street, Madras-600001.

AND

The Assistant General Monager, Bank of Baroda, PB No. 1070, No. 90, C. P. Ramaswamy Road, Alwarpet Madras-600018.

REFERENCE:

Order No. L-12011|6|90-IR B. II, dt. 30-5-1990 of Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru B. Narasimhan, Advocate appearing for the Management, upon perusing the reference and other connected papers in record and the workman being absent, this Tribunal passed the following:

AWARD

This dispute between the workmen and the management of Bank of Baroda, Madras-18, arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. 12011|6|90-IR B II dt. 30-5-1990 of Ministry of Labour for adjudication of the following issue:

- "Whether the management of Bank of Baroda is justified in denying Shri Sridhar Rao, Asstt. Head Cashier the post of Ascota Machine Operator: If not to what relief the concerned workman is entitled?"
- (2) Parties were served with summons.
- (3) Petitioner-Union was abrent and no representation was made on behalf of Union. Management was represented by counsel.
- (4) After several adjournments, when the dispute was called to-day, the Petitioner-Union was absent and no representation was made. No claim statement was filed.
- (5) Hence Industrial Dispute is dismissed for default.

Dated, this 23rd day of April, 1991

THIRU M. GOPALASWAMY. Industrial Tribunal [No. L-12011]6[90-IRB-II]

का. था. 1746 — शीद्योगिक विवाद प्रधितियत, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार न्यू पंडिया अस्यू-रेन्स कं. के प्रवंधसंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्देश्य पौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, चंडीगढ़ के पंचपट का प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 16-5-9 को प्राप्त हुआ था। S.O. 1746.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the New India Assurance Company and their workmen, which was received by the Central Government on 16-5-91.

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,

CHANDIGARH.

Case No. I. D. 9|90

Bawa Ram

Vs.

New India Assurance Co. Ltd.

For the workman: Shri Vijay Kumar Sharma, For the management: Shri N. K. Zakhmi.

AWARD

Central Govt. vide Gazette Notification No. L-17011|34|89-I.R. Bank* dated 11th of January 1990 issued u|s 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision:

"Whether the demand of Shri Bawa Ram for reinstatement in service is legal and justified? If so to what relief is he entitled?"

- 2. Parties have settled the dispute amicably. Bawa Ram workman in his statement has stated that the matter has been settled with the management and have filed Ex. C1 the settlement and stated that in view of the settlement he does not want to persue with the present reference and a no dispute award may be passed, Mr. N. K. Zakhmi appearing on behalf of the management has endorsed the statement of the workman Bawa Ram. According to Settlement Ex. C1 Bawa Ram workman will be given appointment in the assistant grade as typist w.e.f. he will join duty and this appointment shall be afresh regular appointment and his place of posting shall be at Palampur, Workman will undergo a medical examiration and on satisfactroy report his appointment shall be considered. Bawa Ram shall withdraw all his cases pending before the Court and will not claim any past service and he shall relinquish claim of back wages, seniority and other benefits.
- 3. In view of the settlement Ex. C1 and the statements made by the respective parties, a No Dispute Award is returned to the Ministry. Ex. C1 shall be read as part of this Award.

Chandigarh, 7-5-1991

ARVIND KUMAR, Presiding Officer [No. L-17011|34|89-IRB]

का. प्रा. 1747 .--प्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1937 का 14) मी धारा 12 के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेट्रेन बैंक प्राप्त इंडिया के प्रव्यवंज के संबद्ध नियोजनों ग्रार उनके कर्मकारों के बीच, प्रमुखंध में विविद्ध राजिंगिक विवाद में प्रांजीगिक प्रिकारण, मद्राप्त के पंचपट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 17-5-91 की प्राप्त क्षम पा

S.O. 1747.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employees in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 17-5-91.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL. TAMILNADU, MADRAS.

Monday, the 25th day of March, 1991

PRESENT:

Thiru M. Gopalaswamy, B.Ss., B.L. Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 101 of 1987

(In the matter of the dispute for adjudicaion under Section 10(1)(d) of the Indusrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Central Bank of India, Madras-6.)

BETWEEN:

Thiru A. Raj Mohan, Vairavikulam, via. Kallidaikurichy, Distt. Tirunclveli-627416.

AND

The Zonal Manager,

Central Bank of India,

Sri Rama Bldgs., Zonal Office,

159 Greams Road, P.B. No. 4525,

Madras-600006.

REFERENCE:

Order No. L-12012|639|86-D.II(A), dated 31-8-87 of Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Friday the 1st day of March, 1991 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Miss R. Vaigai Advocate appearing for the workman and of Tvl. T. S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla, S. Ravindran & N. C. Srinivasavaradhan, Advocates for the management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following:

AWARD

This dispute between the workman and the management of Central Bank of India, Madras-6 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its order No. L-12012|639|86-D.II(A), dated 31-8-87 of Ministry of Labour for adjudication of the following issue:

Whether the action of the management of Central Bank of India Divisional Office, Madurai in dismissing from service Shri Raj Mohan, Clerk Tuticorin Branch w.e.f. 21-9-82 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

2. The claim statement is as follows:—

Petitioner was a clerk in the Branch Office at Tuticorin of the respondent Bank. In the course of such employment in Tut-corin Branch a chargesheet dated 12-8-81 was issued to the petitioner alleging that he failed to handover a letter given by one Mr. Pagarkar an officer in a ship, to the manager of the branch and that he had held unauthorisedly Rs. 500 in his hands belonging to the said Mr. Pagarkar between 4-5-81 and 15-5-81 without reporting the fact to the Branch Manager. At the domestic enquiry the petition was found guilty. Second show cause notice was issued to which the petiioner could no give a reply. The petitioner could not be present before the Disciplinary Authority on 21-9-82 as required. Even ually was dismissed from service on 21-9-82. Later the petitioner had filed an appeal to the Assistant General Manager without success. Later on he preferred an appeal to the Authority under Tamil Nadu Shops and Establishments Act. The said appeal was allow ed in favour of the petitioner. However, the High had set Court, Madras aside the decision of the Authority under Shops and Establishments Act the ground that he had no jurisdiction in the matter of Bank which is not an institution coming under the said Act. Finally the petitioner raised this Industrial Dispute after going through conciliation proceedings.

3. The said Mr. Pagarkar was not examined at the domestic enquiry. His subsequent lett 10-5-81 and 15-7-81 which deny his own subsequent letters dated version have not been appreciated by the Disciplinary Authority and Appellate Authority. hey have failed to appreciate evidence in the proper perspective. Immediately after the petitioner received from Mr. Pagarkar he sent Rs. 500 to the account at Saithwada branch by Mail Transfer. The order of dismissal passed by the Chief Officer, Mr. Thulasiraman is invalid because he was not Chief Manager at the relevant time. One Mr. Navagam was the Chief Manager at that time. The punishment of dismissal is disproportionate and unjust. An award may be passed directing the management to reinstate the petitioner in service with back wages, continuity of service and all other benefits, on setting aside the punishment and the findings.

4. The respondent states as follows:—

Mr. Pagarkar handedover Rs. 2500 to the peritioner at the Tuticorin Branch Office instructing him to send the amount by Mail Transfer to the account

was officiating as Chief Manager of Madurai Division at the date when the punishment was ordered by him. The Industrial Dispute is liable to be dismisesd.

4. Points for determination are :---

- (i) Whether the findings recorded by the domestic enquiry officer and then approved by the disciplinary authority as well as the appellate authority are correct and reasonable in the light of the evidence?
- (ii) Whether the punishment is adequate and not excessive?
- (iii) To what relief the petitioner is entitled?

5. Points:—

Both sides did not give any oral evidence. Exs. W-1 to W-3 and Exs. M-1 to M-19 were marked by consent. A perusal of the record reveals that full opportunity has been given to the petitioner to face the enquiry, cross-examine the witnesses and put up his defence. I find that the domestic enquiry has been held in a fair manner giving full opportunity to the petitioner and in accordance with law.

6. The basic charge is that the petitioner did not immediately return Rs. 500 to Mr. Pagarkar and report the matter or handover the same to the Branch Manager immediately. On 5-5-81 when Mr. Pagarkar an Officer of a Ship gave Rs. 2500 to the petitioner for being Mail transferred to his own account with Saithawada Branch, he inadvertently, wrote in the application Rs. 2000 only and that the petitioner abusing his position and in breach of trust kept the amount of Rs. 500 with himself for a few days. The implication is that the petitioner would not have returned Rs. 500 i.e. sent it by Mail Transfer to the account of Mr. Pagarkar unless Mr. Pagarkar could recollect his mistake and take steps to get back his Rs. 500. The crucial element is the intention with which the petitioher Rajmohan kept Rs. 500 belonging to Mr. Pagarkar with him after sending Rs. 2000 by Mail transfer on the basis of mail transfer appli-cation form filled up by Mr. Pagarkar himself showing Rs. 2000 only as the amount to be transferred. the petitioner-Rajmohan received The fact that Rs. 2500 from Mr. Pagarkar on 4-5-81 in connection with the mail transfer application is proved. Whether Rajmohan has unauthorisedly and dishonestly kept Rs. 500 in his hands from 4-5-81 till 15-5-81 when he sent it by mail transfer to the account of Mr. Pagarkar is the question to be decided. The authorities of the respondent have held that the petitioner was guilty of unauthorisedly retaining Rs. 500 in his hand which is a breach of duty and also guilty of failure to deliver the letter from Pagarkar on 5-5-81 to the addressee i.e., Manager of the Branch. Copy of this letter dt. 5-5-81 is marked as Ex. M-2. In this letter Mr. Pagarkar asked the Manager of the Branch to look into the matter and rectify the mistake. But Pagarkar did not say therein anything affecting the conduct of Rajmohan. For how long Mr. Pagarkar was a constituent and customer of Tuticorin Branch and what is the duration of his acquittance with the petitioner Raj Mohan have not been brought out in the evidence given before the domestic enquiry officer. In the explanation dt. 27-7-81 Fx. M-9 given by the petitioner he says in Para-7 that

of Mr. Pagarkar with the branch at Saithawada, but the application form for the mail transfer, filled up by ragarkar wrongly stated the figure of Rs. 2000 fastead of Rs. 2500 due to miswrning and madvertence. Thus Ks. 2,000 belonging to ragarkat was enstrusted to petitioner in trust. The petitioner took advantage of the wrong entry of Rs. 2000 and recained excess amount with him. Mr. Pagarkar realising his mistake wrote a letter dt. 5-5-81 addressed to the Manager of the branch, narrating the facts and handedover the the petitioner himself through a letter requested messenger and the petitioner to the said letter to the Mananandover ger of the branch. The petitioner had received the letter but failed to handover it to the Branch Manager and thereby committed breach of duty. This ract was confirmed by Mr. Pagarkar by another letter dated 6-5-81 received by the Branch Manager 14-5-81. In this second letter, he has enclosed a copy of the earlier letter dated 5-5-81. Immediately the branch manager questioned the petitioner as to the occurrence. The petitioner could not give any explanation. Only on 15-5-81 the petitioner sent the balance money Rs. 500 in his hands to the account of Mr. Pagarkar at Saithawada branch by Mail Transfer. A Memo was issued to the petitioner calling for explanation. Two more memos had to be issued to him. Since the petitioner did not give any reply to all the three memos, an order suspending the petitioner for the purpose of enquiry was made on 5-7-81 and a charge memo was given on 12-8-81. The petitioner seems to have persuaded Mr. Pagarkar to write another letter dated 15-7-81 to the Bank, saying that he had only wanted the petitioner to keep Rs. 500 with him until further instructions. Pagarkar sent such a letter, the petitioner gave his first explanation dated 27-7-81 giving a version first explanation dated favourable to him and pleading innocence. Thereafter domestic enquiry was held at which Mrs. Palaniammal, Asstt. Cashier in the Bank was examined besides the branch Manager. The enquiry Officer gave his findings on 9-7-82 holding that the charges were proved. The petitioner did not appear on 21-9-82 before the Disciplinary authority, for personal hearing and giving his explanation regarding the punishment proposed. Then the Disciplinary Authority passed an order of dismissing the petitioner service. Subsequently the petitioner preferred an appeal to the Appellate authority. The petitioner was heard on 16-11-82 and the appeal was dismissed.

conduct of the petitioner is a grave one. The evidence has clearly proved his misconduct and the punishment given him is to proper. domestic enquiry was conducted following correct legal procedure and principles of natural justice. The enquiry officer did not have any bias against the petitioner. The letter dated 15-7-81 given by Mr. Pagarkar was procured by the petitioner for leaving him. It was the duty of the petitioner to Mr. Pagarkar with reference to the letter dated 15-7-81 at the domestic enquiry. The domestic enquiry officer, the disciplinary authority and the appellate authority did not rightly believe the truth of the contents of the letter dated 15-7-81 of Mr. Pagarkar. The findings and the punishment are fully justified. The competent authority Mr. Thulasiraman

ne did hot have any particular advise from the customer regarding the disposal of Rs. 500 received by 4-5-81. In Ex. M-8 nim as part of Rs. 2500 on letter dated 15-7-81 which is the last letter by Mr. Pagarkar ne eventually expresses his sympathy for the petitioner. In para-2 thereof he says that after giving Rs. 2500 to him and a mail transfer application for Rs. 2000 only he requested Rajmohan to keep the balance in his hands until further advice and that having forgotten these details he had written the Ex. M-2 letter dated 5-5-81 complaining that Ks. 500 was payable by the bank to nim. We have mentioned that in his letter dated 5-5-81, Mr. Pagarkar would only say that the mistake should be recailed. The said mistake committed by Pagarkar could not be interpreted as a complaint against the petitioner Rajmohan. The saving grace for the petitioner is that the customer Mr. Pagarkar did not make an accusatory complaint regarding the conduct of petitioner. Of course even without Pagarkar making a specific charge against the petitioner for retaining Rs. 500, the respondent is entitled to prove the fact that the petitioner had dishonest motive in keeping the said amount until 15-5-81 when he finally sent it by mail transfer on the advise of Pagarkar himself. About the failure of the petitioner to handover the letter dated 5-5-81 to the addressee i.e. Brunch Manager one could say that the petitioner was really afraid of facing the branch manager. This failure born of out of tear cannot indicate that the petitioner was a culprit in retaining Rs. 500 belonging to Pagarkar.

7. The guilt of petitioner can be proved only by Mr. Pagarkar. When his evidence is not available, all the other pieces of evidence given by Mrs. Palamammal, the Asstt. Cashier and the Branch Manager at the domestic enquiry do not prove the alleged misconduct i.e. dishonest intention with which the petitioner retained Rs. 500 between 4-5-81 and 15-5-81. The circumstantial evidence of these two witnesses looses its value by reason of Ex. M-8 letter given by Mr. Pagarkar. Whether Pagarkar in fact wrote the Mail Transfer application for Rs. 2000 only due to oversight or he wrote that figure in the application form knowingly can be made clear only by the evidence of Mr. Pagarkar. Morethan that what Mr. Pagarkar really communicated to the petitioner person regarding Rs. 500 out of Rs. 2500 and what is the nature of his personal relationship with Mr. Rajmohan can be ascertained only when Mr. Pagarkar gives his evidence. His last letter Ex. M-8 which undoubtedly aims to rescue the petitioner cannot belittled because Pagarkar was not examined to prove its contents. I hold that the different authorities of the respondent including the domestic enquiry officer have come to a manifestly unreasonable decision on the question of petitioner misconduct. In my view, the evidence on record is so weak and tenuous that the finding on the petitioner's misconduct is not warranted on its basis. I therefore hold that the findings are perverse and that they are liable to be setaside. Hence no punishment could be awarded to the petitioner. I inswer these points in favour of the petitioner and against the respondent.

8. In the result, award is passed directing the respondent to reinstate the petitioner in service, pay him

backwages and provide continuity of service alongwith other benefits. No costs.

Dated, this 25th day of March, 1991.

(Sd|-) M. GOPALASWAMY INDUSTRIAL TRIBUNAL

WITNESSES EXAMINED

For both sides: None.

DOCUMENTS MARKED

For workman:

- Ex. W-1|21-9-82—Dismissal order issued to Thiru A. Rajmohan. (Copy)
- Ex. W-2|31-1-83—Order of Appellate Authority against the dismissal order. (Copy)
- Ex W-3|15-12-83—Order of the Assistant Commissioner of Labour, Madras in TSR No. 23|83 setting aside the dismissal order dt. 21-9-82. (Copy)

For management:

- Ex M-1|4-5-81—Mail Transfer voucher for Rs. 2000. (Xerox copy)
- Ex. M-2|6-5-81—Letter from the Mogul Line Ltd., to the Management-Bank, Tuticorin Branch. (Xerox copy)
- Ex. M-3 15-5-81—Mail Transfer voucher for Rs. 500. (Xerox copy)
- Ex M-4|15-5-81—Memo issued to Thiru A. Rajmohan. (Xerox copy)
- Ex. M-5|21-5-81—Reminder by the management Bank to Thiru A. Rajmohan. (Xerox copy)
- Ex. M-6|11-6-81—Another reminder by the management-Bank to Thiru A. Rajmohan.

 (Xerox copy)
- Ex. M-7|6-7-81—Suspension order issued to Thiru A. Rajmohan. (copy)
- Ex. M-8|15-7-81—Letter from Thiru U. I. Pagarkar, Petty Officer, "M. V. Lok Manya" Maharashtra State to the Management-Bank, Tuticorin Branch. (Xerox copy)
- Ex. M-9|27-7-81—Reply by Thiru A Rajmohan to Ex. M-7. (Xerox copy)
- Ex. M-10|12-8-81—Chargesheet issued to Thiru A. Rajmohan. (Xerox copy)
- Ex. M-11|5-5-82—Proceedings of the Enquiry Officer. (Xerox copy)
- Ex M-12|5-5-82—Findings of the Enquiry Officer. (Xerox copy)
- Ex. M-13|10-9-82—Second show cause notice issued to Thiru A. Rajmohan. (Xerox copy)
- Ex. M-14|21-9-82—Dismissal order issued to Thiru A. Rajmohan. (Xerox copy)

- Ex. M-15 28-3-80—ANNEXURE-I Notice inti.
 mating about the appointment of Disciplinary Authority and Appellate Authority to conduct the Departmental enquiry against the staff members and to hear the appeals therefrom. (Xerox copy)
- Ex. M-16|28-3-80—Schedule-A Notice intimating about the appointment of Disciplinary Authority and Appellate Authority to conduct the Departmental enquiry against the staff members and to hear the appeals therefrom (Xerox copy)
- Ex. M-17|28-3-80—Schedule-B Notice intimating about the appointment of Disciplinary Authority and Appellate Authority to conduct the Departmental enquiry against the staff members and to hear the appeals therefrom.

therefrom. (Xcrox copy)

- Ex. M-18|28-3-80—Notice regarding appointment of Disciplinary
- Ex. **M-19/28-3-80—Authority and Appellate Authority.
 - M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal [No. L-12012|639|86-D.II(A)]

का आ. 1748.—-श्रीद्योगिक विवाद श्रिवित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन बैंक के प्रबंधतंत्र के संबंद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में विदिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार भ्रीद्योगिक श्राप्तकरण, चंडीगढ़ के पंखपट को प्रकाशित करती हैं, जो केन्द्रीय सरकार की 16-5-91 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1748.—In pursuance of Section 17 of the Industria Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, CHANDIGARH as shown in the Antexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the A INDIAN BANK and their workmen, which was received by the Central Government on 16-5-91.

ANNEXURE

Before Shri Arvind Kumar, Presiding Officer, Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court,

Chandigarh.

Case No. 1.D. 24/88

Rakesh Jain Vs. Indian Bank.

For the workman.—Shri Parminder Singh For the management—Shri Harish Gupta

AWARD

Central Govt. vide Gozette Notification No. L-12012/835|87-D.II(A) dated 9th May 1988 issued U/S10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to his Tribunal for decision:

"Whether the action of the management of Indian Bank in terminating the services of Shri Rakesh Jain, Peon, Yamuna Nagar Br. w.e.f. 22-4-1984 and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under section 25-H of the I.D. Act was justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. Workman Rakesh Jain made statement that he has settled the dispute with the management and he withdraw the present reference unconditionally since the managemet had agreed to take him as temporary sub staff and his seniority shall be reckoned from the date of his initial appointment i.e. 16-4-1980. Shri Harish Gupta Advocate appearing on behalf of the management has also stated that the facts by the workman is corrected and he may join the job immediately.
- 3. In view of the fact the parties have settled the dispute amicably, the workman is directed to appear before the concerned authority who shall give him the job immediately. With this a No dispute Award is returned to the Ministry.

Chandigarh. 1-5-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer [No. L-12012|835|87-D.H(A)]

नई दिल्ली, 30 मई, 1991

का. भा. 1749.—सीबोगिक विवाद मिन्नसूचना मिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केलीय सरकार कार्णोरेण न बैंक के प्रधंततंत्र के अंग्रंज नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिश्य श्रीबोगिक निराद में केलीय सरकार मीबागिक मिनिकरण, वै गुलूर के गंचन्य का प्रकाशित करती है, जो केलीय सरकार का प्रकाशत हुया था।

New Delhi, the 30th May, 1991

S.O. 1749.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribubal BANGALORE as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the A COROR ATION BANK and their workmen, which was received by the Central Government.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-DUSTRIAL CUM LABOUR COURT AT BAN-GALORE

Dated 1st April, 1991

PRESENT:

Shri M. B. Vishwanath, B.Sc., LLB, Providing Officer Central Reference No. 87/89

I PARTY II PARTY

Sri N. Madhava Vs. The Chairman-Cum-Managing

Door No. C. H. 29, Director. Corporation Bank New Model House Head Office 7th Cros, Ashokpuram Mangalore-575 001. Mysore.

APPEARANCES:

For the I party Shri K. Subba Rao Advocate For the II party Shri V. H Upadhyaya Advocate

AWARD

This reference has been made by the Hon'ble Central Government by exercising its powers under Section 10(1)(d) and (2A) of the I. D. Act 1947.

2. The point for adjudication as per schedule is :
"Whether the action of the management of
Corporation Bank is dismissing from service
Shri N. Madhava is justified? If not, to
what relief is the workman entitled?"

3. The order of reference No. is: L-12012|98| 89-D.JI(A) dated 24th November 1989.

4. The I party has engaged an advocate. The Advocate for the first party has filed power on 4-5-1990. Today it is 1-4-1991.

5. From 14-5-1990 till today, about an year the first party has not filed the claim statement.

- 6. It i obvious that the first party is not interested. The order sheet shows that the first party was not present before the Tribunal at any time.
- 7. From what is stated above, to repeat, it is obvious that the first party i not interested in prosecuting this case. Hence award is passed rejecting the reference.

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer [No. 12012/98|89-D.U(A)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 मई, 1991

काः माः 1750 — केन्द्रीय सरकार इससे संतुष्ट है कि लोकहित में यह भपेक्षित है कि फामकोराइट खनन उद्योग, जोकि श्रीद्योगिक विवाद स्वित्तियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम भनगूची में प्रविष्ट 23 हारा शामिन है, को उदन स्वित्तियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए:

श्रतः श्रव, श्रीचोगिक विवाद श्रिशित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ह) के उपखंड (6) हारा प्रदक्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योगको उक्त श्रिशित्यम के प्रयोजनों के लिए तक्कल प्रभाव से छह माग की कालाविश्व के लिए लीक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. स एस-11017/4/85-की-1(ए)]

New Delhi, the 31st May, 1991

S.O. 1750.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interet requires that the Phosphate Mining Industry, which is covered by entry 23 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said sedustry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[F. No. 11017/4|85-D.I(A)]

का. आ. 1751.—केन्द्रीय संस्कार ने यह समाधान हो जाने गर कि लोकहिन में ऐसा करना अपेक्षिन था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 2 के खंड (ह) के उपखंड (6) के उपधंधों के अनुसरण में, भारत गरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3404 दिनांक 29 नवस्बर, 1990 द्वारा किसी भी तेल क्षेत्र में सेवा को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 7 दिसंबर, 1990 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषिन किया था,

भीर केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्स कालाबधि की छह मास की कालाबधि के लिए बढ़ाया जाना घपेक्षित है,

श्रतः, श्रयः, श्रोद्योगिक विवाद श्रिधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (6) के परन्तुक श्रारा प्रदत्त शिक्तियो का प्रयोग करते हुँ0, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधितयम के प्रयोजनों के लिए 7 जून, 1991 से छाहुमात की और कालाविध के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/5/85-डी-1(ए,)

S.O. 1751.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public intere t so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 3404 dated the 29th November, 1990 the service in any Oil field to be a public utility service for the purpo es of the said Act, for a period of six months from the 7th December, 1990;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest require the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in evercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Di putes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 7th June, 1991.

[No. S-11017|5|85-D.I(A)]

का. मा. 1752. — केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहिन में ऐसा करना घ्येक्षित था, घ्रीचोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) कः धारा 2 के खंड (इ) के उपखंड (6) के उपबधों के धनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की घ्रिधसूत्रना संख्या का. भा. 3405 विनोक 29 नवंडर, 1990 होरा लौह श्रयस्क खनन उद्योग की उनन प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए दिसम्बर 1990 से छह्मास की कालाविध के तिए लीक उपयोगी सेश धोषित किया था.

भौर केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहिन में उक्त कालावधि की छह मास की और कालावधि के लिए बढाया जाना श्रदेक्षित है,

भ्रतः श्रवः भौद्योगिक विवाद अधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ़) के उपखंड (६) के परन्तुक द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग की उक्त भिधितियम के प्रयोजनीं के 8 जून, 1991 से छह मास की भीर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

> [संख्या एस-11017/12/85-1(ए)] वी. के. शर्मा, डैस्क घ्राधकारी

S.O. 1752.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 3405 dated the 29th November, 1990 the iron ore mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 8th December, 1990.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest require the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Di putes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 8th June, 1991.

[No. S|11017|12|85-D.I(A)] V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 3 जून, 1991

का. आ. 1753.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के सरकारी कामकाज में प्रयोग के लिए) नियमावसी, 1976 (जी 1987 में संगोधित किया गया) के नियम 10 के उप नियम (4) के भनुसरण में इस उपनियम के उद्देश्य से मुख्य श्रमायुक्त (के.) कार्यालय जो श्रम मंत्रालय के अंतर्गत एक संबंध कार्यालय है के अंतर्गत आनं वाले निम्नलिखित अधीनस्थ कार्यालय के नाम अधिसूचित करती है:--

- 1. क्षेत्रीय श्रमायुक्त (के.) का कार्यालय, चंडीगढ़
- 2. क्षेत्रीय श्रमायुक्त (के.) का कार्यालय, धनबाद
- क्षेत्रीय श्रमायुक्त (के.) का कार्यालय, नागपुर
- 4. क्षेत्रीय श्रमायुक्त (के.) का कार्यालय, नई दिल्ली
- 5. क्षेत्रीय श्रमायुक्त ूंके.) का कार्यालय, पटना

[सं. ई-11017/1/91-सी एल. एस.-II] जगशीण हरिजन, उप सिषय

New Delhi, 3rd June, 1991

S.O. 1753.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the union Rules, 1976, (as amended, 1987) the Central Government hereby notifies the name of the following subordinate offices, unfer the office of Chief Labour Commissioner (Central which is an attached office under the Ministry of Labour, for the purposes of that sub-rule —

- 1. Office of the RLC(C), Chandigarh,
- 2. Office of the RLC(C), Dhanbad,
- 3. Office of the RLC(C), Nagpur
- 4. Office of the RLC(C), New Delhi
- 5. Office of the RLC(C), Patna

[No. E. 11017/1|91-CLS.II)] JAGDISH HARIJAIN, Deputy Secy.